फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 324 प्रभात जयपुर, गुरूवार 26 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Russia Prolongs U.S. Seeks Ukraine's Wealth!

The US no longer considers the Russian regime an outright adversary and has refused to identify Russia as the aggressor and openly discusses 'enormous economic opportunities'

Laser to Vaporize Heart Blockages

Pregnant? Watch Your Medicines

कांग्रेस शशि थरूर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेगी

कांग्रेस शशि थरूर को ''शहीद'' का दर्जा नहीं देना चाहती, उनके खिलाफ कार्यवाही करके

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्युसी) सदस्य शशि थरूर के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की योजना नहीं बना रही है।

माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें ''शहीद'' नहीं बनाना चाहती, क्योंकि आम धारणा यह है कि शशि थरूर पार्टी के लिए एक संपत्ति (असैट) हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करना कांग्रेस के लिए आत्मघाती कदम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, शशि थरूर की राहुल गांधी से भेंट हुई थी, जहां कई मुद्दों पर बातचीत कर मामला सुलझा लिया गया। राहुल गांधी ने माना कि जो बीत गया, उसे भुला दिया जाना चाहिए और अब इस मुद्दे पर और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

लेकिन शशि थरूर लगातार नरेन्द्र मोदी के समर्थन में बयान दे रहे हैं, जिससे पार्टी के कुछ नेता नाराज़ और असहज हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने भाजपा द्वारा आपातकाल की 50वीं वर्षगाँठ को उठाने की आलोचना की। हालांकि कॉन्फ्रेंस में कई मुद्दों पर बात हुई, लेकिन मीडिया का ध्यान केरल से वरिष्ठ नेता शशि थरूर पर केन्द्रित रहा और उनसे जुड़े कई सवाल पूछे गए।

- कांग्रेस ने महसूस किया कि जनता में थरूर के बारे में छवि यह है कि थरूर पार्टी के लिए एक ''एसैट'' हैं और कांग्रेस उनके खिलाफ कार्यवाही करके बड़ी गलती करेगी।
- वैसे भी थरूर हाल ही में राहुल गांधी से मिले और अपनी तरफ से सारे शिकवे शिकायतें दूर कीं और यह निर्णय हुआ कि जो बीत गई, वो बात गई, अब इस पर आगे चर्चा नहीं होगी।
- पर, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, जैसे, खड़गे अभी भी थरूर से खुश नहीं हैं।
- खड़गे ने यह कहकर लीपा पोती की कि सीडब्ल्युसी में 34 सदस्य हैं और उनमें से कईयों का अपना मत और सोच कई मुद्दों पर अलग है और यह थरूर पर भी लागू होता है।
- पर, खड़गे ने कटाक्ष भी किया, कईयों के लिए देश पहले आता है, पर, कईयों के लिए मोदी उससे भी ऊपर आते हैं। उनका इशारा थरूर की ओर था, जो मोदी की तारीफ करने में राष्ट्र प्रेम को भी पीछे छोड़ देते हैं।
- अमित शाह ने भी मोदी को सलाह दी है कि थरूर को पार्टी में न लें, क्योंकि वे दूसरे सुब्रमण्यम स्वामी साबित होंगे।

खड़गे ने इस मुद्दे से बचने की कोशिश की और कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति में 34 सदस्य हैं और कई मुद्दों पर सभी की अलग-अलग राय हो सकती है, और यह बात थरूर पर भी लागू होती है।

उन्होंने मजाकिया लहज़े में कहा कि थरूर की अंग्रेज़ी बहुत अच्छी है, जबकि उनकी (खड़गे) काफी खराब है, और यह अच्छी बात है।

हालांकि खड़गे ने एक घुमावदार टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि कई लोगों के लिए पहले देश आता है, लेकिन कुछ के लिए मोदी पहले आते हैं।

इसे थरूर पर तंज के रूप में देखा जा रहा है, उनके द्वारा राष्ट्रीय कर्तव्य पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 25 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ करीब एक माह तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मनीष को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 24 वर्षीय इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग के साथ उसकी मर्जी के बिना संबंध बनाए हैं। लेकिन यदि इसमें नाबालिग की सहमति भी होती तो भी

- जिले की पॉक्सो अदालत ने आरोपी मनीष पर 1.75 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।

यह अपराध की श्रेणी में माना जाता, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने बताया पीड़िता के ताऊ ने 20 सितंबर, 2021 को सरुंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि उसकी 17.5 साल की भतीजी 17 सितंबर को कोटपूतली स्थित कॉलेज गई थी, लेकिन वहां से वापस नहीं लौटी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल के ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए प्रत्याशी होंगे

डैमोक्रेटिक पार्टी के ज़ोहरान ममदानी ने यह दावेदारी अपनी ही पार्टी के सशक्त प्रत्याशी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराकर जीती है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। एक चौंकाने वाली और आश्चर्यजनक जीत के अन्तर्गत, भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद ज़ोहरान क्वामे ममदानी ने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हरा दिया। अब वे नवंबर में न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार को चुनौती दे सकेंगे।

ममदानी, जो प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के पुत्र हैं, को मंगलवार रात डेमोक्रेटिक मेयरल प्राइमरी में विजेता घोषित किया गया।

ममदानी ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, ''नेल्सन मंडेला के शब्दों में, कोई भी काम सदैव ही तभी तक असंभव लगता है, जब तक उसे कर न लिया जाये। मेरे दोस्तो, यह काम हो चुका है। और आप वे लोग हैं, जिन्होंने इसे किया। मुझे न्यूयॉर्क सिटी के मेयर

- ज़ोहरान ममदानी का जनसमर्थन इतना भारी था कि कुओमो ने प्रचार के बीच में ही अपनी हार स्वीकार कर ममदानी को बधाई दे दी थी।
- ज़ोहरान ममदानी विख्यात फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के पुत्र हैं।
- ज़ोहरान ममदानी नवम्बर में अगर मेयर का चुनाव जीते तो न्यूयॉर्क का मेयर बनने वाले वे न केवल पहले भारतीय होंगे बल्कि पहले मुस्लिम भी होंगे।

पद के लिए आपका डेमोक्रेटिक नामांकित उम्मीदवार होने पर गर्व है।''

ममदानी 18 अक्टूबर, 1991 को कंपला, युगांडा में पैदा हुए थे और न्यूयॉर्क सिटी में पले-बढ़े। वे सात साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ न्यूयॉर्क चले आए थे। उनकी मां मीरा नायर की ''मॉनसून वेडिंग'' और ''सलाम बॉम्बे'' जैसी फिल्में काफी सराही गई हैं।

ममदानी, जो क्वींस से राज्य विधानसभा के सदस्य और मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट उम्मीदवार हैं, का विवाह सीरिया में पैदा हुई ब्रुकलिन-निवासी कलाकार रमा दुआजी के साथ हुआ।

अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने ममदानी और जमीन से जुड़े उनके हजारों समर्थकों को उनके इस ''असाधारण अभियान'' के लिए बधाई दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

12 दिन का युद्ध तो रूका, पर बार-बार सीज़फायर का उल्लंघन हुआ

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 23 जून को सोशल मीडिया पर ईरान-इज़रायल के सीज़फायर की घोषणा की थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। 23 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि ईरान और इज़रायल ''पूर्ण और चरणबद्ध युद्धविराम'' पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत ईरान 6 घंटे के लिए हमले रोकेगा। इसके बाद इज़रायल 12 घंटे के लिए हमले रोकेगा और 24 वें घंटे तक इस ''12 दिनों के युद्ध'' का पूर्ण अंत होगा।

युद्धविराम की स्थिति और उल्लंघन:

25 जून तक युद्धविराम कायम रहा, लेकिन शुरुआत से ही यह बेहद नाज़ुक था: ईरान और इज़रायल दोनों ने कुछ ही घंटों के भीतर मिसाइलें और हमले शुरु किए, जिससे ट्रंप ने सार्वजनिक रुप से दोनों पक्षों को फटकारते हुए कहा कि वे ''पता नहीं, वे क्या बकवास कर रहे हैं।''

- 24 जून को दोनों पक्षों ने सीज़फायर का उल्लंघन किया। हालांकि, ट्रंप के दखल के बाद दोनों पक्षों ने हमले रोक दिए।
- सीज़फायर के कारण ना केवल कच्चे तेल के दाम कुछ घटे, बल्कि अमेरिकन शेयर बाज़ार में भी उछाल आया।
- मध्य एशिया में फिलहाल तनाव में कुछ ही कमी आई है, पर, अभी भी संदेह है कि सीज़फायर कभी भी तोड़ा जा सकता है।

इज़रायल ने दावा किया कि 24 जून को ईरान ने उसकी हवाई सीमा में मिसाइलें दागीं; ईरान ने बड़े उल्लंघनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साल में दो बार सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा होंगी

नई दिल्ली, 25 जून। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा अगले साल से दो बार होगी। सीबीएसई की मंजूरी के बाद अब शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम

- सीबीएसई ने 2026 के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर यह घोषणा की।

भारद्वाज ने दी है।

पहले फेज की परीक्षा फरवरी में शुरू होगी, 17 फरवरी 2026 से ये परीक्षाएं शुरू होंगी और 7 मार्च तक खत्म हो जाएंगी। रिजल्ट की संभावित तारीख 20 अप्रैल 2026 तय की गई है, हालांकि रिजल्ट की तारीखों में बदलाव हो सकता है। वहीं, दूसरे फेज की परीक्षा 5 मई 2026 से शुरू होगी और 20 मई तक खत्म हो जाएगी। रिजल्ट की तारीख 30 जून 2026 है। सीबीएसई की पूरी डिटेल्स डेटशीट एग्जाम से कुछ दिन पहले जारी की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकांश अमेरिकावासी ईरान पर बमबारी से सहमत नहीं

सीएनएन-एसएसआरएस के नवीनतम सर्वे के अनुसार, अमेरिकावासी न केवल ''एयर स्ट्राइक'' के खिलाफ हैं, बल्कि, उन्हें इस बात पर भी शुबहा है कि उनका राष्ट्रपति युद्ध व शांति के बारे में सही निर्णय ले सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। एक नया सीएनएन-एसएसआरएस का एक सर्वेक्षण दिखाता है कि अधिकांश अमेरिकी न केवल ईरान पर सैन्य कार्रवाई को अस्वीकार करते हैं, बल्कि युद्ध और शांति के मामलों में राष्ट्रपति के निर्णय पर भी गहरा अविश्वास रखते हैं।

ईरान हमले को शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा था। लेकिन इसके बजाय, यह जन आक्रोश की लहर को जन्म दे गया। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का ईरान पर हवाई हमले शुरू करने का फैसला खाड़ी क्षेत्र में आसमान को तो रोशन कर गया, लेकिन अमेरिका में माहौल जश्न का

- 58 प्रतिशत अमेरिकावासी यह भी मानते हैं कि एयर स्ट्राइक से ईरान, अमेरिका के लिए ज्यादा बड़ा खतरा हो गया है।
- 32 प्रतिशत अमेरिकी यह भी मानते हैं कि अमेरिका ने गंभीर कूटनीतिक प्रयास किये थे, एयर स्ट्राइक को अंजाम देने से पहले।
- इन सबका नतीज़ा यह है कि अमेरिकी जनता ने यह माँग की, राष्ट्रपति के युद्ध के निर्णय व कमिटमैंट के ऊपर ''चैक'' (नियंत्रण) होना चाहिए तथा ट्रंप को अमेरिका की कांग्रेस से इज़ाजत लेने की आवश्यकता होनी चाहिए, कोई भी ''मिलिटरी एक्शन'' लेने से पहले। इस माँग को ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 39 प्रतिशत सदस्यों का भी समर्थन प्राप्त है।

नहीं बल्कि चिंता और विरोध का रहा।

सीएनएन-एसएसआरएस के इस नए सर्वेक्षण के अनुसार, 56 प्रतिशत अमेरिकी इन हवाई हमलों का विरोध करते हैं, और उनमें से अधिकांश तो बहुत कड़ा विरोध जता रहे हैं। ईरान पर हमले के प्रति समर्थन अपेक्षाकृत कमजोर है। यह समर्थन भी अत्यधिक राजनीतिक रूप से विभाजित है: 82 प्रतिशत रिपब्लिकन हमलों का समर्थन करते हैं, लेकिन उनमें से भी कम से कम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान से भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को दिल्ली लाया गया

नयी दिल्ली, 25 जून। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से बुधवार को भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को दिल्ली लाया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी दी कि आज शाम साढ़े चार बजे मशहद से नयी दिल्ली पहुंची एक

- ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 3154 भारतीय नागरिकों को ईरान से भारत लाया गया है।

विशेष उड़ान से 296 भारतीय और चार नेपाली नागरिकों को ईरान से लाया गया।

प्रवक्ता के अनुसार ऑपरेशन सिंधु तहत अब तक 3154 भारतीय नागरिकों को ईरान से घर लाया जा चुका है।

केरल के नीलांबुर उपचुनाव के नतीजे ने भी थरूर के बारे में कांग्रेस की दुविधा खत्म की?

कांग्रेस ने यह सीट मार्क्सवादी पार्टी से, ग्यारह हजार मतों से जीत कर छीन ली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। नीलांबुर उपचुनाव की जीत के साथ, अब शायद कांग्रेस शशि थरूर से जुड़ी इस विवादास्पद गाथा को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ सकती है और आने वाले चुनौतीपूर्ण पंचायत और विधानसभा चुनावों पर ध्यान केन्द्रित कर सकती है।

केरल के नीलांबुर उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत ने राज्य की राजधानी से लोकसभा सांसद और हाई-प्रोफाइल असंतुष्ट नेता शशि थरूर की राजनीतिक स्थिति लगभग तय कर दी है। तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर ने यह कहकर प्रचार से दूरी बना ली थी कि उन्हें किसी भी रैली को संबोधित करने के लिए निमंत्रित नहीं किया गया। इसके बावजूद कांग्रेस ने यह सीट जोरदार अंदाज़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) अर्थात माकपा से छीन ली और 11,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

यह परिणाम कांग्रेस के लिए एक बड़ा मनोबलवर्धक संकेत है, खासकर ऐसे समय में जब अगले साल राज्य में अहम विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें कांग्रेस को अपनी हार की श्रृंखला को तोड़ने और सत्ता में वापसी की उम्मीद है।

यह फैसला केरल में ''थरूर प्रभाव'' को लेकर चली आ रही आशंकाओं को भी शांत करता है, जिस वजह से कांग्रेस नेतृत्व अब तक उन्हें लेकर सतर्कता बरत रहा था- भले ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

- यह सीट कांग्रेस ने तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर की ''नाराज़गी'' व हिस्सेदारी नहीं होने के बावजूद जीती है।
- थरूर ने इस चुनाव में कतई भाग नहीं लिया था, क्योंकि उन्हें किसी पार्टी की रैली या आमसभा को संबोधित करने के लिए ''आमंत्रित'' नहीं किया गया था।
- थरूर विरोधी खेमे का कहना है, इस जीत ने थरूर के केरल में प्रभाव की पोल खोल दी।
- केरल में कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं को इस बात की खुशी है कि थरूर के पार्टी को ''डैमेज पोटैशियल'' (हानि पहुँचाने की क्षमता) को खोखला साबित कर दिया है तथा अब वे उनकी अवहेलना खुलकर कर सकते हैं।

से करीबी दिखाई हो और पार्टी के साथ अपने ''वैचारिक मतभेद'' को खुले तौर पर स्वीकार किया हो।

हालांकि, एक जीत से पूरे राज्य में सफलता की गारंटी नहीं मिलती। नीलांबुर में जीत का मतलब यह नहीं कि कांग्रेस केरल की जटिल जनसांख्यिकीय राजनीति में आगे भी बढ़त बना पाएगी। अगली बड़ी चुनौती वर्ष के अंत में होने वाले पंचायत चुनाव हैं।

पांच साल पहले, सीपीआई (एम) नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे ने इन चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन किया था, जिससे विधानसभा चुनावों में उन्हें लगातार दूसरी जीत मिली।

वाम लोकतांत्रिक मोर्चा कोई कमज़ोर प्रतिद्वंदी नहीं है, और नीलांबुर में आंकडे दर्शाते हैं कि एक बागी उम्मीदवार द्वारा वोट काटे जाने के बावजूद वाम मोर्चा ने कड़ी टक्कर दी। ऐसे में कांग्रेस केवल नीलांबुर की सफलता के भरोसे नहीं बैठ सकती और उसे उपचुनाव में दिखी सत्ता विरोधी लहर पर पूरी तरह निर्भर रहना खतरनाक हो सकता है, पहले पंचायत चुनावों और फिर विधानसभा मुकाबले के लिए।

हालांकि, नीलांबुर में मिली इस सफलता ने कांग्रेस की भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों में शशि थरूर की प्रासंगिकता को कम कर दिया है। पार्टी के भीतर यह विश्वास मजबूत हो रहा है कि थरूर अब नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं हैं और आगे चलकर उन्हें नजरअंदाज़ किया जा सकता है।

धर्मशाला में बारिश से भारी तबाही

हिमाचल, 25 जून। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। कुल्लू के बाद, अब धर्मशाला में स्थिति गंभीर हो गई है। बुधवार को खनियारा में मनूनी खड्ड का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिसके कारण इंदिरा प्रियदर्शनी जल विद्युत परियोजना में कार्यरत करीब 25 मजदूरों के बह जाने की आशंका है। अब

- इंदिरा प्रियदर्शिनी जल विद्युत परियोजना के 25 मजदूर बाढ़ में बह गए, दो के शव मिले हैं।

तक दो शव बरामद हुए हैं, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, बारिश के कारण परियोजना का काम बंद था, और सभी मजदूर अस्थायी शेडों वाली मजदूर कॉलोनी में थे। अचानक मनूनी खड्ड और नाले का पानी कॉलोनी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

मोबाइल फोन की लत बच्चों को बना रही दिमागी रूप से कमजोर

मोबाइल फोन ने घर घर में बच्चों को अपना शिकार बना लिया है। आजकल बच्चों की दिनचर्या में बहुत सारे बदलाव देखने को मिलते हैं। जब बच्चे रोते हैं या किसी चीज के लिए जिद करते हैं मां-बाप अपना पीछा छुड़ाने के लिए बच्चों को मोबाइल या कोई और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट थमा देते हैं। यह प्रवृत्ति आजकल आम हो गई है। इससे बच्चा एक बारगी शांत होकर आभासी दुनिया में खो जाता है। अधिकांश अभिभावकों को यह पत्ता भी नहीं चलता की उनका बच्चा एक खतरनाक मानसिक बीमारी से ग्रसित होने जा रहा है और वैज्ञानिक भाषा में इसे आटिज्मम का नाम दिया गया है। कहा जा रहा है ऑटिज्म एक ऐसी स्थिति है जिसकी कोई ज्ञात दवा नहीं है।

देश और दुनिया की अनेक शोध रिपोर्टों में बताया गया है कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों की मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आदत उनमें वर्चुअल ऑटिज्म के खतरे को भी बढ़ा रही है। वर्चुअल ऑटिज्म के लक्षण आमतौर पर चार से पांच साल के बच्चों में दिखाई देते हैं। आटिज्मच के बारे में अधिकांश देशवासी परिचित नहीं है। ऑटिज़्म एक ऐसी सामाजिक और मानसिक बीमारी है जो किसी के बोलने, बातचीत करने तथा हरकतों में दिखाई देती है। इससे पीड़ित लोग कम्युनिकेशन में कमज़ोर होते हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और कई बार ट्रिगर्स की वजह से चिढ़ और गुस्सा भी देखा गया है। मोबाइल का ज्यादा उपयोग करने से बच्चों में स्पीच डेवलपमेंट नहीं हो पाता और उनका ज्यादातर समय गैजेट्स में ही बीत जाता है इससे उनका व्यवहार खराब होने लगता है। कई बार उनके नखरे भी बहुत बढ़ जाते हैं और वे आक्रामक भी हो सकते हैं। स्मार्टफोन से उनके सोने का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। प्रगति और विकास की अंधी दौड़ में हम अपने बच्चों को उन बीमारियों की और धकेल रहे है जिससे उनका शारीरिक और विशेषकर मानसिक विकास बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बच्चों की इस घातक बीमारी को चिकित्सक आटिज्म के नाम से सम्बोधित करते है। भारत में 68 में से 1 बच्चा इस रोग का शिकार है। देखा जाता है यह बीमारी मोबाइल फोन से सम्बंधित है। मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों् को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। दुनिया भर में हुई तमाम रिसर्च और रिपोर्टें बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल, गैजेट्स और ज्यादा टीवी देखने की लत बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। इससे उनमें वर्चुअल आटिज्मा का खतरा बढ़ रहा है। आज के दौर में फोन ही जीवन का आधार हो गया है। हर किसी को स्मार्टफोन और इंटरनेट की लत लगी है। आज देश के घर घर में स्मार्ट फोन ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। आज घर घर में बच्चे धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। देखा जा रहा है अभिभावक अपने बच्चों के सामने बेबस है।

मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में आटिज्मस की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युपनिकेशन और बिहैवियर स्किल्स प्रभावित हो रही हैं। इसमें बच्चों से माता-पिता का संवाद कम होना, बच्चों का बहुत ज्यादा अकेले में रहना, स्क्रीन टाइम यानी टीवी, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग करना आदि कारण शामिल हैं।

बच्चे जब रोते हैं या किसी चीज के लिए जिद करते हैं तो अक्सर मां-बाप पीछा छुड़ाने के लिए बच्चों को मोबाइल या कोई और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट थमा देते हैं। इससे बच्चा शांत तो हो जाता है लेकिन इससे उसे कई घंटे स्क्रीन के सामने बिताने की लत लग जाती है। यह परिपाटी केवल एक घर की नहीं अपितु घर घर की है। घर में बच्चे के लिए दूध भले ही न मिले मगर मोबाइल चलाने के लिए डेटा अवश्य मिल जायेगा। सब्जी लाने के लिए जेब खा ली है मगर इंटरनेट के लिए जुगाड़ हो जाता है। यह प्रचलन आजकल काफी आम हो गया है।

मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में आटिज्मस की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहैवियर स्किल्स प्रभावित हो रही हैं। इसमें बच्चों से माता-पिता का संवाद कम होना, बच्चों का बहुत ज्यादा अकेले में रहना, स्क्रीन टाइम यानी टीवी, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग करना आदि कारण शामिल हैं।

अमेरिकी ग़ैर-सरकारी संस्था सेपियनलैब्स की रिपोर्ट के मुताबिक़ कम उम्र में जब बच्चों को स्मार्टफ़ोन दिए जाते हैं तो युवावस्था आते-आते उनके दिमाग़ पर विपरीत असर दिखने लगता है। यह रिपोर्ट 40 देशों के 2,76,969 युवाओं से बातचीत करके तैयार की गई है। इनमें भारत भी शामिल है। बेहद चौंका देने वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 74 फ़ीसदी महिलाएँ, जिन्हें 6 साल की उम्र में स्मार्टफ़ोन दिया गया था, उन्हें युवावस्था में मेंटल हेल्थ को लेकर परेशानी आई। जिन लड़कियों को 10 साल की उम्र में स्मार्टफ़ोन दिया गया, उनमें 61 फ़ीसदी का एमसीक्यू स्तर कम या ख़राब रहा। कुछ ऐसा ही हाल 15 साल की 61 फ़ीसदी लड़कियों का रहा।

आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म के मामलों की संख्या में पिछले एक दशक में तीन से चार गुना वृद्धि देखी गई है। मां-बाप के बीच एक यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि वो अपने बच्चों का मन बहलाने के लिए उन्हें कहानी या लोरियां सुनाने की जगह मोबाइल फोन और अन्य गैजेट पकड़ा देते है। इस सामाजिक और मानसिक समस्या से छुटकारा पाने के लिए यह जरुरी है की माता-पिता पहले अपनी आदतों में सुधार करे फिर अपने बच्चों को सुधारे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 26 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र प्रातः 8:47 तक, धुव्र योग रात्रि 11:40 तक, बव करण दिन 1:25 तक, चन्द्रमा रात्रि 1:40 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सवार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:47 से आरम्भ होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज से गुप्त नवरात्र आरम्भ होंगे। आज मनोरथ द्वितीया व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:21 तक, चर 10:47 से 12:29 तक, लाभ-अमृत 12:29 से 3:55 तक, शुभ 5:17 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

संवेदनशील शासन की मिसाल बन रहा है "अंत्योदय संबल पखवाड़ा"

राजस्थान सरकार ने रचा अंत्योदय का नया अध्याय - सबसे अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को पहली प्राथमिकता, गरीबों के दरवाज़े तक पहुँची योजनाएं

मीनल जीनगर

राज्य सरकार प्रदेश के सबसे गरीब और जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 20 जून से 5 जुलाई तक संचालित कर रही है। यह पखवाड़ा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की "अंत्योदय" विचारधारा से प्रेरित है। इस विचारधारा का लक्ष्य है-सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी सुविधा, योजना पहुंचे, उसका सबसे पहले कल्याण हो। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि अंत्योदय संबल पखवाड़ा हमारी सरकार की इस प्रतिबद्धता का परिचायक है कि कोई भी व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रह जाए। हम घर-घर जाकर पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इस अभियान के अंत तक हर पात्र परिवार तक 100 प्रतिशत योजनाओं की पहुंच और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

इस अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में व्यक्तिगत लाभ और विकास योजनाओं की तत्काल स्वीकृति जारी कर मौके पर ही लाभ प्रदान किया जाता है/समस्या समाधान किया जाता है। इनमें वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन के नए आवेदन स्वीकार किए जाते हैं और पुराने लंबित प्रकरणों का मौके पर निस्तारण होता है। जन आधार कार्ड, राशन कार्ड, भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना, चिरंजीवी योजना में नए पंजीकरण और सुधार कार्य किए जाते हैं। इसके साथ ही आवास योजना, मनरेगा कार्यों में नामांकन, पोषण कार्यक्रम, स्कॉलरशिप, पोषण वाटिका, स्वच्छ भारत मिशन और कौशल विकास प्रशिक्षण जैसी योजनाओं की जानकारी दी जाती है और आवेदन लिए जाते हैं। निःशुल्क औषधि वितरण, स्वास्थ्य जांच, और महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी दी जाती है। कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी विभाग के माध्यम से किसानों को बीज, खाद, ऋण एवं अनुदान की योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं दी जाती हैं। साथ ही, समाज कल्याण, श्रम, अल्पसंख्यक, जनजाति, और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागों द्वारा विशेष रूप से वंचित वर्गों तक पहुंच बनाकर उन्हें सरकारी संरक्षण में लाया जाता है। मोबाइल वैन, शिविर पूर्व तैयारी और सहायता केंद्रों के माध्यम से योजनाओं और शिविरों के प्रचार-प्रसार और क्रियान्वयन को गति दी जा रही है। सरकार ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग डैशबोर्ड भी शुरू किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुशासन का असली मतलब सिर्फ योजनाओं की घोषणा नहीं बल्कि उनका ईमानदारी और संवेदनशीलता से ज़मीन पर क्रियान्वयन है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी गरीब, वृद्ध, महिला या दिव्यांग को योजनाओं के लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, सरकार स्वयं उनके दरवाज़े तक पहुंचे।

इन शिविरों को उत्साहपूर्वक रेस्पोंस मिल रहा है और यहां आए लोग खुश होकर अपने घर जा रहे हैं। टोंक जिला निवासी 68 वर्षीय रुकमणी देवी की पेंशन दो साल से अटकी हुई थी। उसकी ग्राम पंचायत में लगने वाले शिविर की तैयारी के लिए आए अधिकारी उसके घर आए, बायोमीट्रिक सत्यापन करवाया और पेंशन पुनः स्वीकृत हो गई। रूकमणी देवी ने बताया कि उसके जीवन में पहली बार ऐसा कि सरकार खुद हमारे पास आई। भजनलाल सरकार ने गत 2 साल में ऐसे ही कई मामलों में पहली बार का टैग अपने नाम किया है और यह सुशासन का मंत्र राज्य को विकसित ही नहीं सबसे समावेशित विकास वाले राज्य बनने की ओर ले जा रहा है।

मीनल जीनगर,
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान: जल-समृद्धि की ओर बढ़ता राजथान

राजेन्द्र राठौड़

जल के बिना सृष्टि की कल्पना असंभव है। मानव का अस्तित्व जल पर नीर्भर करता है। एक सवेक्षण अनुसार धरती का तीन-चौथाई हिस्सा पानी से ढका हुआ है अर्थात लगभग 71 प्रतिशत पानी धरती के ऊपर मौजूद है, जिसमें से मात्र 3 प्रतितशत पानी पीने लायक है, इसमें भी 2.4 प्रतिशत पानी ग्लेशियर में बर्फ के रूप में जमा हुआ है। सिर्फ 0.6 प्रतिशत पानी ही है जो नदी और तालाब में मौजूद है जो पीने लायक है। यह 0.6 प्रतिशत पानी बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में पर्याप्त नहीं है।

राजथान जैसे रेगिस्तानी इलाके में तो पानी की कमी हमेशा से रही है। दुर्भाग्य से चंबल एवं माही को छोड़कर राजस्थान की अन्य कोई बारहमासी नदी नहीं है। देश में 10 प्रतिशत भू-भाग वाले राजस्थान में सिर्फ 1 प्रतिशत सतह जल उपलब्ध है। राजस्थान में भूमि में पानी के इकट्ठे होने के मुकाबले निकाले जाने वाले पानी की मात्रा डेढ़ गुना तक है। वर्ष 2024 की राज्य के भूजल संसाधन की रिर्पोट में देश की 295 पंचायत समितयों और 7 शहरी क्षेत्रों सहित 302 इकाइयों का आंकलन किया गया। इसमें 214 इकाइयां अति दोहित, 27 इकाइयां संवेदनशील, 21 इकाइयां अर्द्ध संवेदनशील, 37 इकाइयां सुरक्षित तथा 3 इकाइयां लवणीय श्रेणी की पाई गई है।

जल संकट की इस आपदा को अवसर में बदलने के लिए राजस्थान सरकार ने एक महत्वाकांक्षी पहल की है – "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान"। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जयपुर के जमवारामगढ़ से शुरू किया गया यह अभियान मात्र एक सरकारी पहल नहीं बल्कि प्रदेश की जनता के सहयोग से बना जल चेतना का एक ऐतिहासक जनांदोलन बन चुका है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान ने समाज के हर वर्ग को जल संरक्षण की मुहिम में जोड़ते हुए यह सिद्ध किया कि जब जन-भागीदारी और प्रशासनिक इच्छाशक्ति एक साथ जुड़ती है तो परिवर्तन संभव होता है।

इस अभियान के तहत 15 जनू तक 88,000 से अधिक कार्यक्रम आभियोजित किए गए जिनमें 77 लाख से अधिक लोगों ने सहभागिता की। जल स्त्रोतों की सफाई, वृक्षारोपण, प्रभात फेरियां, रात्रि चौपाल, जल पूजन और ग्राम सभाओं के माध्यम से जल संरक्षण को जनजीवन का हिस्सा बनाया गया। इस अभियान के अंतर्गत देशभर में 15,330 जल स्त्रोंतों की सफाई, 9,059 संस्थानों की स्वच्छता, 3,802 ग्राम सभाएं, 3,582 प्रभात फेरियां और 7,926 जल पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उलेखनीय रही, जिन्होंने जल शुद्धिकरण व वृक्षारोपण में अग्रणी भूमिका निभाई।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान न केवल जल संरक्षण की तकनीकी पहल है बल्कि यह सामिाजक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय चेतना को जन-भागीदारी से जोड़ने का एक व्यापक प्रयास है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है, विशेषकर मानसून से पूर्व राज्य के जल निकायों की सफाई, मरम्मत और पुनरुद्धार को बढ़ावा देना। यह पहल राज्य के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में स्थायी जल प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से भूजल पुर्नभरण और वर्षा जल संग्रहण पर केंद्रित है जो स्वयं कैच द रेन अभियान से प्रेरित है। इस बहुआयामी कार्यक्रम के अंतर्गत जलाशयों पर प्रतीकात्मक आयोजन, वंदे गंगा कलश यात्रा, धार्मिक व सांस्कृतिक अनुष्ठान और प्लास्टिक प्रदषूण जैसे खतरों के प्रति जनजागरुकता भी शामिल है।

इससे पूर्व वर्ष 2016 में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (श्वर्ट्टें) जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इस अभियान में लाखों जल संरचनाएं बनाई गई, भूजल स्तर में वृद्धि हुई और किसानों की आय में सुधार आया। राज्य सरकार ने बजट 2024-25 में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 की शुरूआत करने की घोषणा की थी जिसमें आगामी 4 वर्ष में 20 हजार गावों में 5 लाख जल संग्रहण ढांचे तैयार किये जाएंगे, इस हेतु 11,200 करोड़ रूपये का प्रावधान भी किया गया। इस अभियान के जरिये भी जल संकट की समयाओं से निपटा जा रहा है। इस अभियान में जल संग्रहण एवं सरंक्षण ढांचे का निर्माण, परम्परागत पेयजल एवं जलस्त्रोत को पुर्नजिवित करना, गावों में पीने के पानी की कमी को दूर करना, भू-जल स्तर में वृद्धि करना, वर्षा जल संग्रहण एवं संरक्षण कर सिंचित एवं कृषि योग्य क्षेत्रफल को बढ़ाना, सघन वृक्षारोपण कर हरित क्षेत्र को बढावा देने जैसे कार्य किये जा रहे हैं। अब 'वंदे गंगा अभियान' उसी परंपरा को और अधिक व्यापक और आधुनिक रूप में आगे बढ़ा रहा है। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के साथ-साथ राज्य सरकार अन्य दशकों पुराने लंबित जल परियोजनाओं पर भी तेजी से काम कर रहा है ताकि हमारे देश में जल सकंट की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। राज्य सरकार ने दशकों से लंबित रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही बाधं और सोम-कमला-अंबा जैसी परियोजनाओं को पुनः सक्रिय किया है। इन योजनाओं के माध्यम से जल संचयन को बढ़ावा देने के साथ राजस्थान को जल आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार के साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा पहलगाम आतंकी घटना के बाद 1960 के सिंधु जल समझौते को निलंबित किये जाने के बाद पाकिस्तान को मिलने वाले जल प्रवाह को नियंत्रित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं, इससे भी हमारे राजस्थान को फायदा होगा। सरकार अब चिनाब-रावी-व्यास-सतलज लिंक परियोजना पर काम तेज कर चुकी है, जिसकी-फिजिबिलिटी स्टडी भी शुरू हो चुकी है। चिनाब नदी का 20-30 ऍई पानी रावी और सतलज से जोड़कर पंजाब के हरिके बैराज तक लाया जाएगा और वहां से मौजदू व्यवस्था के माध्यम से राजस्थान की इंदिरा गांधी नहर तक यह जल पहुंचेगा। इसके लिए 200 किमी लंबी नहर और 12 सुरंगें प्रस्तावित है, जो पश्चिमी राजस्थान के 10 से अधिक जिलों में सिंचाई और पेयजल के लिए वरदान साबित होगी।

इस समय पाकिस्तान खुद भीषण जल संकट से गुजर रहा है। चिनाब नदी का जल प्रवाह 92 प्रतिशत घट चुका है और सिंध-पंजाब की 40 प्रतिशत से अधिक फसल नष्ट होने के कगार पर है। 29 मई को चिनाब में जल प्रवाह 98,200 क्यूसेक था, वहीं अब यह घटकर सिर्फ 7,200 क्यूसेक रह गया है तथा हालात अब और भयावह होते दिख रहे हैं। पानी का स्तर 3,000 क्यूसेक डेड लेवल से भी नीचे जा सकता है। ऐसे में भारत की जल नीति अब 'हमारा पानी, हमारे लोगों के लिए' की भावना के साथ जल स्वराज और सामरिक आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक रूप ले रही है।

सरकार द्वारा जल संकट की समस्या के समाधान में उठाये जा रहे हर कदम हमारे भविष्य को मजबूत व सुनहरी नींव रखेंगे। विशेषकर राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पारंपरिक जलस्त्रोतों की रक्षा के साथ-साथ जल की दिशा में आत्मनिर्भर राजस्थान की नई परिकल्पना भी प्रस्तुत करता है। यह अभियान ना सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम है बल्कि यह एक सांस्कृतिक पुर्नजागरण भी है। यह देशवासियों को उनके जल संसाधन, परंपराओं और पर्यावरण के साथ जुड़ने का अवसर देता है। राज्य सरकार की यह पहल आने वाले वर्षों में राजस्थान को जल संकट से उबारने के साथ-साथ जल संरक्षित, हरित और समृद्ध देश बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

–राजेन्द्र राठौड़
पूर्व नेता प्रतिपक्ष

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशल डंपिंग

राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर डाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाईल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं। मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है।

बदलते सामाजिक परिवेष में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख-तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख-तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं।

इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है। मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो-चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे।

इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन-मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता, कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा।

रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ डालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

'कांग्रेस ने सत्ता सुख के लिए देश में लगाया था आपातकाल'

लोकतंत्र सेनानियों ने दिखाया अदम्य साहस : मुख्यमंत्री

- 'लोकतंत्र को किया कैद, संवैधानिक मूल्यों का किया हनन'
- मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित और पुस्तिका का विमोचन किया
- मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने डॉ. अम्बेडकर को चुनाव में टिकट ना देकर उन्हें अपमानित करने का काम किया था

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में संविधान हत्या दिवस पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने देश में आपातकाल की घोषणा की और भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का घृणित प्रयास किया। ये दिन भारतीय इतिहास में संविधान हत्या दिवस के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हमारा कर्तव्य है कि हम उस दौर की क्रूरता को याद करें, उससे सबक लें और संकल्प लें कि भारत का लोकतंत्र कभी फिर से इस तरह के दमन का शिकार नहीं हो। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को कैद कर लिया गया था। नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए और प्रेस की स्वतंत्रता पर ताले लगा दिए गए। वहीं अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, सुंदर सिंह भंडारी, दन्तोपन्त ठैंगड़ी जैसे लोकप्रिय नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण, परिवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति करते हुए सत्ता की लालसा में देश हित को नुकसान पहुंचाया। ये वही पार्टी है, जिसने देश के टुकड़े भी किए थे। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरूद्ध निर्णय किया, तो उन्होंने 25 जून 1975 की आधी रात को देश को आपातकाल में धकेल दिया। लेकिन भारतीय जनसंघ और राष्ट्रवादी विचारधारा के समर्थकों ने असाधारण साहस और दृढ़ता का परिचय दिया। लोकतंत्र सेनानियों ने जेल में सत्याग्रह कर आपातकाल का विरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने भारत के लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। संविधान के प्रति सम्मान और डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के योगदान को याद करने के लिए मोदी जी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। साथ ही, बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थ की स्थापना की गई। वहीं कांग्रेस ने डॉ. अम्बेडकर को चुनाव में टिकट ना देकर उन्हें अपमानित करने का काम किया। जब अम्बेडकर ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा, तो कांग्रेस ने उन्हें हराया भी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसंघ, जिसने आपातकाल के विरूद्ध संघर्ष किया, वो भारतीय जनता पार्टी के रूप में वट वृक्ष बन चुका है। आज हमारी पार्टी में 14 करोड़ से अधिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। गरीब कल्याण, विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों हासिल हुई हैं, वहीं आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय भी लिया गया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार चार जातियों- महिला, युवा, गरीब, मजदूर के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हम पं. दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय के संकल्प को साकार कर रहे हैं।

समारोह में जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, जयपुर हेरिटेज मेयर कुसुम यादव, विधायक बालमुकुंदाचार्य और गोपाल शर्मा, जयपुर भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल सहित भाजपा प्रदेश और शहर कार्यकारिणी के पदाधिकारी, लोकतंत्र सेनानी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया और पुस्तिका का विमोचन भी किया।

132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, सहरौद का संचालन शुरू

- कुंजेद्, सकतपुर, सहरोद, अरदान एवं आस-पास के क्षेत्रों को मिलेगी उच्च गुणवत्ता की बिजली
- ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण में लगभग 26.44 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत की कमी संभावित है

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को वर्ष 2027 से दिन में अच्छी गुणवत्ता की बिजली उपलब्ध करवाने के निर्देशों की पालना में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विद्युत प्रसारण निगम ने बारां में 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, सहरोद का संचालन शुरू कर दिया गया है।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि सहरोद के आस-पास के इलाको में बिजली सप्लाई में बार-बार ट्रिपिंग आती थी तथा वोल्टेज में उतार-चढ़ाव रहता था, इसी कारण सहरोद में 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाने की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी। सहरोद के 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनने से कुंजेद्, सकतपुर, सहरोद, अरदान एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत छीजत में कमी आयेगी, वोल्टेज में सुधार होगा एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति होगी।

सिहाग ने बताया कि इस ग्रिड सब-स्टेशन के बनने में 22 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण में लगभग 26.44 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत की कमी संभावित है जिससे लगभग 2.2 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष राजस्व की बचत अपेक्षित है।

राजधानी जयपुर में बीते दो-तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण कालवाड़ और निवारू रोड पर जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है। हालात इतने बदत्तर हैं कि लोगों को सड़क पर बने गड्ढ़ों और वहां भरे पानी में बड़ी मुश्किल से सफर करना पड़ रहा है। कालवाड़ रोड पर तो हाथोज तक खोदी गई सड़क के कारण लोग आये दिन गिरकर चोटिल हो रहे है।

शेखावत ने ली गहलोत के बयान की चुटकी

- - केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बोले, दुकान का फीता तो कट गया, सामान नहीं बिका...

जयपुर/जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस बयान पर चुटकी ली है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की साजिश चल रही है।

शेखावत ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी और अशोक गहलोत का एक मीम शेयर करते हुए कहा कि दुकान का फीता तो कट गया, सामान नहीं बिका...।

मीम में अशोक गहलोत और राहुल गांधी को झूठ की दुकान का फीता काटते हुए दिखाया गया है।

देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा से आज लौटेंगे

देवनानी का जयपुर में होगा भव्य स्वागत

- अध्ययन भ्रमण में देवनानी ने दोनों देशों के सांसदों, प्रवासी भारतीयों से की मुलाकात, ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी दौरे से गुरुवार को तड़के दो बजे दिल्ली हवाई अड्डे पहुँचेगे। देवनानी की यह सात दिवसीय यात्रा थी। देवनानी दिल्ली से वायुयान द्वारा प्रातः जयपुर पहुंचेंगे।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वाधान में दो देशों की संसदीय परंपराओं और पद्धितयों की अध्ययन यात्रा लोकतान्त्रिक व्यवस्थाओं के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही। इस यात्रा ने राजस्थान की वैश्विक पहचान को भी एक नई गरिमा और दिशा प्रदान की है।

देवनानी ने फ्रांस और जर्मनी के विभिन्न राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक संस्थानों का दौरा कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संसदीय कार्यप्रणालियों और सामाजिक विकास के विविध पहलुओं का अध्ययन किया। इस दौरान उन्होंने जर्मनी तथा फ्रांस की लोकतांत्रिक संस्थाओं का अवलोकन किया और वरिष्ठ सांसदों, नीति-निर्माताओं तथा भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। देवनानी ने प्रवासी भारतीयों के सुझावों को सुना और उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

इस यात्रा के दौरान देवनानी ने "इंडो-जर्मन फाउंडेशन", "वेदांत-गेसेलशाफ्ट", बर्लिन मेयर ऑफिस और स्टेट असेंबली, निर्माणाधीन गणेश मंदिर सहित विभिन्न आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और लोकतांत्रिक धरोहरों का अवलोकन किया। जर्मनी और फ्रांस के राजदूतवास में प्रवासी भारतीयों द्वारा सम्मान समारोह और संवाद कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए भारतीय संस्कृति, लोकतंत्र एवं राजस्थान की समृद्ध परंपराओं को वैश्विक मंच पर गरिमा के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से भी आत्मीय संवाद कर उन्हें राजस्थान से जुड़ने एवं राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आव्हान किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष की यह यात्रा न केवल एक संसदीय अध्ययन के रूप में उल्लेखनीय रही, बल्कि इसने भारत और यूरोपीय देशों के बीच लोकतांत्रिक सहयोग, सांस्कृतिक समरसता और पारस्परिक समझ को भी सुदृढ़ किया।

जब गहलोत सरकार एक वर्ष भी पूरे नहीं कर पाई थी तभी दो खेमों में बंट गई थी : राठौड़

- राजेंद्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लेकर दिया गया बयान बेबुनियाद, तर्कहीन बताया

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लेकर दिया गया बयान बेबुनियाद, तर्कहीन और भ्रामक हैं।

राठौड़ ने कहा कि गहलोत को शायद अपने ही कार्यकाल की यादें ताजा हो रही हैं जब उनकी सरकार एक वर्ष भी पूरे नहीं कर पाई थी कि दो खेमों में बंट गई थी। तत्समय सरकार के मंत्री-विधायक 34 दिनों तक एक पांच सितारा होटल में कैद रहे। यहां तक की गहलोत जी ने अपने सहयोगियों को "निकम्मा और नकारा" कहकर अपमानित भी किया।

राठौड़ ने कहा कि आज जब भाजपा सरकार जनसेवा में जुटी है तब गहलोत जी सस्ती लोकप्रियता और मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए निराधार आरोप लगाकर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने विद्याधर नगर के विकास कार्यों का लिया जायजा

- लापरवाही पर लगाई फटकार, जलभराव की समस्या पर अधिकारियों और ठेकेदारों को तलब किया
- प्रभावी समाधान का दिया आश्वासन
- उपमुख्यमंत्री मणिपाल हॉस्पिटल के सामने स्थित एक नंबर क्षेत्र पहुंचीं, जहां कार्य की गुणवत्ता देखकर उन्होंने संतोष जताया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 14 नंबर के पास चल रहे निर्माण कार्य में जलभराव की समस्या बरकरार मिली, जिस पर स्थानीय नागरिकों की शिकायत सुन उपमुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को फटकार लगाई और ठेकेदार को सख्त हिदायत दी।

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को कल सुबह 10 बजे पुनः मौके पर तलब किया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पुनः स्थलीय निरीक्षण करेंगी और जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगी।

इसके बाद उपमुख्यमंत्री मणिपाल हॉस्पिटल के सामने स्थित एक नंबर क्षेत्र पहुंचीं, जहां कार्य की गुणवत्ता देखकर उन्होंने संतोष जताया। स्थानीय लोगों ने भी कार्य की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

ढ़ेर के बालाजी इलाके में भी उन्होंने दौरा किया, जहां पहले बारिश में कमर तक पानी भर जाता था, लेकिन इस बार बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था के कारण पानी नहीं भर रहा। उन्होंने इसे सकारात्मक परिवर्तन बताया और अधिकारियों की सराहना की। उपमुख्यमंत्री ने कहा अभी विकास कार्य लगातार जारी हैं और जल्द सभी समस्याओं का समाधान जनता के सामने होगा।

ढ़ेर के बालाजी इलाके में जहां कभी कमर तक पानी भर जाता था और वहां पानी की निकासी होने से लोगों में खुशी के लहर है। जब उपमुख्यमंत्री को मौके पर देखा तो स्थानीय मटकी बेचने वाली एक बुद्ध महिला ने आकर उपमुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि बारिश के दौरान यहां कमर तक पानी भर जाता था और फुटपाथ पर रखी हुई उनकी मटकिया बह जाती थी जिससे उनके व्यापार को नुकसान होता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने भी उनके आभार का स्वागत करते हुए उन्हें गले लगा लिया।

स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय बाद इस स्तर पर समाधान और जवाबदेही देखने को मिल रही है। उपमुख्यमंत्री ने भी भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं का समाधान ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए खोजे जाएंगे रोगी

- 1.65 करोड़ अति संवेदनशील जनसंख्या की होगी स्क्रीनिंग

जयपुर। राज्य सरकार ने टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 25 जून 2025 से पूरे प्रदेश में एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान 11 जुलाई 2025 तक चलेगा और इसका उद्देश्य राज्य की अति संवेदनशील जनसंख्या में टीबी के छिपे मामलों की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्राथमिकता एवं चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में संचालित इस प्रदेशव्यापी स्वास्थ्य प्रयास के अंतर्गत लगभग 1.65 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। यह अभियान समावेशी स्वास्थ्य नीति की ओर राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने जानकारी दी कि अभियान के दौरान टीबी संक्रमण की अधिक संभावना वाले समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इनमें एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति, डायबिटीज के रोगी, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान व शराब का सेवन करने वाले, प्रवासी श्रमिक, आदिवासी समुदाय, पूर्व टीबी रोगी, खनन व निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिक, जेलों व झुग्गी बस्तियों में रहने वाले नागरिक शामिल हैं। इन सभी संवेदनशील वर्गों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जाएगी ताकि किसी भी संभावित टीबी रोगी की प्रारंभिक स्तर पर पहचान हो सके।

राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने बताया कि इस अभियान में आशा कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लक्षणों की पूछताछ करेंगे। यदि किसी व्यक्ति में दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, लगातार बुखार, वजन में गिरावट, या भूख न लगना जैसे लक्षण पाए जाते हैं, तो उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जांच के लिए भेजा जाएगा। टीबी की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति को सरकारी अस्पतालों में निशुल्क उपचार प्रदान किया जाएगा।

आवासन मंडल आयुक्त तलब, पालना नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी

- वर्ष 1980 में मानसरोवर आवास योजना में आवंटित प्लॉट का कब्जा पीड़ित को सौंपने के आदेश वर्ष 2016 में होने के बावजूद भी आज तक नहीं हुई पालना
- परिवादी ने दोषी अफसरों पर अवमानना की कार्रवाई करने की गुहार की। जिस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों आयोग ने मंडल के आयुक्त सहित अन्य अधिकारी को जमानती वारंट से तलब किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जिला उपभोक्ता आयोग के 9 साल पुराने आदेश की पालना से जुड़े मामले में आवासन मंडल आयुक्त को 27 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यदि अदालती आदेश की पालना नहीं की गई तो दोषी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस सुदेश बंसल की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश आवासन मंडल आयुक्त की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि जिला उपभोक्ता आयोग ने 30 मई, 2016 को आवासन मंडल को आदेश जारी कर उपभोक्ता को क्षतिपूर्ति देने के आदेश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ राज्य आयोग और राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग तक मामला गया, लेकिन हाऊसिंग बोर्ड को राहत नहीं मिली।

वहीं जिला उपभोक्ता आयोग ने अवमानना प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए आवासन मंडल आयुक्त को जमानती वारंट जारी कर उपस्थित होने को कहा था, लेकिन आयुक्त की ओर से आदेश की पालना नहीं की गई। ऐसे में आयुक्त को 27 जून को हाईकोर्ट में पेश होने के आदेश दिए गए है।

गौरतलब है कि रमेश चन्द्र गुप्ता ने जनवरी, 1980 में मानसरोवर योजना में मध्यम आय वर्ग के आवास के लिए आवेदन किया था। परिवादी ने पता बदलने पर नए पते की सूचना भी आवासन मंडल को दी थी, लेकिन मंडल ने मकान का आरक्षण पत्र पुराने पते पर ही भेजा। जिससे वह तय अवधि में राशि जमा नहीं करा सका।

वहीं बाद में कई बार प्रार्थना करने पर भी उसे मकान का आवंटन नहीं किया। इस पर परिवादी ने साल 2013 में जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश किया। जिस पर 3 मई, 2016 को फैसला देते हुए आयोग ने साल 2010 की दर से दो माह में आवास आवंटित करने को कहा और साथ ही आवासन मंडल पर 1.10 लाख रुपए का हर्जाना लगाया।

इस आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय आयोग तक अपील की गई, लेकिन आवासन मंडल को राहत नहीं मिली। दूसरी ओर परिवादी ने जिला आयोग में प्रार्थना पत्र पेश कर दोषी अफसरों पर अवमानना की कार्रवाई करने की गुहार की। जिस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों आयोग ने मंडल के आयुक्त सहित अन्य अधिकारी को जमानती वारंट से तलब किया। इस आदेश को आयुक्त ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

बिजली कनेक्शन देने में देरी हुई तो दोषी अफसर पर गाज गिरेगी : डिस्कॉम चेयरमैन

- कनेक्शन में विलम्ब की पुष्टि के लिए आवेदकों को लगाए अभियंताओं ने फोन

जयपुर। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर डिस्कॉम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने निर्देश दिए हैं कि बिजली कनेक्शन जारी करने में देरी को प्रबंधन द्वारा गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे प्रकरणों में संबंधित कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुश्री डोगरा बुधवार को विद्युत भवन में जयपुर डिस्कॉम के अधिशासी अभियंताओं के साथ विद्युत आपूर्ति, डिस्ट्रिब्यूशन लॉसेज, राजस्व, ट्रिपिंग आदि विषयों पर समीक्षा कर रही थीं।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने विद्युत भवन में जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों के जोनल मुख्य अभियंताओं के साथ बैठक की।

औद्योगिक विद्युत कनेक्शन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान उन्होंने ऐसे मामलों में देरी का कारण पूछा। अभियंताओं ने आवेदक के स्तर पर लंबित होना बताया। इस पर डिस्कॉम चेयरमैन ने पुष्टि के लिए तत्काल आवेदकों से मोबाइल फोन पर बात कर देरी का कारण पता करने के निर्देश अधिकारियों को दे दिए, जिनमें आवेदन के करीब तीन माह बाद भी कनेक्शन जारी नहीं हो सके थे। बैठक के बीच से ही अभियंताओं ने आवेदकों को फोन कर अब तक कनेक्शन नहीं होने का कारण पूछा। इन मामलों में डिमांड नोट जमा नहीं कराने, विदेश यात्रा पर जाने जैसे आवेदक के स्तर पर विलंब के कारण सामने आए।

डोगरा ने कहा कि घरेलू एवं अघरेलू, किसी भी प्रकार के कनेक्शन में देरी का असर डिस्कॉम की छवि पर पड़ता है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी श्रेणियों में उपभोक्ताओं को यथाशीघ्र कनेक्शन मिले।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने इस दौरान अभियंताओं को 50 हजार से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं से बकाया राजस्व वसूली, बिजली चोरी वाले क्षेत्रों में विजिलेंस गतिविधियों को बढ़ाने, ट्रिपिंग रोकने के लिए ग्रिड सब स्टेशनों एवं फीडरों की नियमित चेकिंग तथा उनमें लोड के अनुरूप सुधार के सभी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने विद्युत भवन में जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों के जोनल मुख्य अभियंताओं के साथ बैठक में निर्देश दिए कि विद्युत तंत्र में सुधार के लिए फील्ड विजिट बढ़ाएं। सुश्री डोगरा ने कहा कि प्रत्येक जोन में एफआरटी, हाई लॉस वाले सब डिवीजन, जीएसएस, सीएलआरसी पर दिए जाने वाले कार्यों तथा आरडीएसएस योजना के कार्यों की प्रगति एवं आवश्यक सुधार कार्यों का निरीक्षण करें।

विद्याधर नगर में जेडीए की कार्रवाई के दौरान विवाद

- कियोस्क हटाने को लेकर दो पक्षों में झड़प
- पुलिस ने समझाइश कर मामला शांत करवाया

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर 8 में जेडीए की कार्रवाई के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। विवाद कियोस्क हटाने और अतिक्रमण हटाने को लेकर शुरू हुआ। एक पक्ष का आरोप है कि गहलोत सरकार के दौरान जिन कियोस्क का एलॉटमेंट किया गया था, उन पर दूसरे लोगों का कब्जा है। विरोध करने वाले पक्ष ने सांकेतिक धरना दिया। उनका कहना है कि रोड पर मीट की दुकान की वजह से यहां से गुजरने वाली महिलाओं को परेशानी होती है।

वहीं दूसरे पक्ष का दावा है कि उन्होंने कोर्ट से स्टे ले रखा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश कर मामले को शांत करवाया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मोजाम्बिक में 1200 दिव्यांगों को जयपुर फुट समेत कृत्रिम उपकरण लगेंगे

जयपुर। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने दक्षिण पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक की राजधानी मोपूतो में जयपुर फुट विकलांग पुर्नवास शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में 1200 द्विव्यांगों को कृत्रिम अंग जयपुर फुट तथा अन्य उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

50 दिवसीय इस विशेष शिविर का आयोजन मोजम्बिक राष्ट्र की आजादी के 50वीं वर्षगांठ पर किया गया है। शिविर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संयुक्त आयोजन में हो रहा है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि मोजम्बिक में बड़ी संख्या में ऐसे महिला और पुरुष हैं जो 17 वर्षों तक चले मोजम्बिक के गृह युद्ध में लैण्डमाइन विस्फोट में अपने अंग गंवा चुके हैं। ऐसे ही विस्फोट की शिकर एक महिला फ्लोरेन्सिया पांच वर्ष पूर्व जयपुर आई थी और एक पैर गंवा चुकी फ्लोरेन्सिया को जयपुर फुट लगाकर चलने फिरने योग्य बनाया गया। फ्लोरेन्सिया और दो अन्य मोजम्बिक के तकनीशियनों को विशेष रूप से जयपुर फुट के निर्माण की विधि का प्रशिक्षण जयपुर के बी.एम.वी.एस.एस केन्द्र में दिया गया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने मोजाम्बिक की राजधानी मोपूतो में जयपुर फुट विकलांग पुर्नवास शिविर का उद्घाटन किया।

मोपूतों में आयोजित उद्घाटन समारोह में मोजम्बिक के स्वास्थ्य मंत्री उस्सेन हिलारियो आइस्स और मोजाम्बिक स्थित भारत के उच्चायुक्त राबर्ट शेटकिनटोंग के अलावा बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक उपस्थित थे। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने कहा कि मोजम्बिक की आजादी के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस शिविर से जहां 1200 विकलांगों को लाभ होगा वहीं भारत और मोजम्बिक के बीच आपसी सद्भाव भी देगा। विदेश राज्य मंत्री मोजाम्बिक के स्वास्थ्य मंत्री को बी.एम.वी.एस.एस के प्रशासनिक अधिकारी विष्णुकांत शर्मा ने जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी यह शिविर 50 दिनों तक चलेगा।

चार सौ करोड़ की ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

इससे पहले चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर पुलिस चार सौ करोड़ की ठगी के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है।

आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी कंपनी में टेक्नीशियन के अलावा महत्वपूर्ण काम करते थे। अभी तक कंपनी के खिलाफ चार हजार से ज्यादा शिकायत मिल चुकी हैं। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि धौलपुर ठगी के मामले में अभी तक चार गिरफ्तारियां की जा चुकी थी। उसी मामले में दो और गिरफ्तारी की गई है, जिसमें अनूप श्रीवास्तव निवासी बरईपुर थाना देवरिया गोरखपुर उत्तर प्रदेश और दूसरा रोहित शर्मा निवासी वशिष्ठ पार्क थाना सागरपुर नई दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि यह दोनों आरोपी इस मामले में बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। यह दोनों फील्ड एजेंट के माध्यम से फर्जी कंपनियों को खुलवाने के काम करते हैं। ग्रामीण परिवेश के लोगों से डॉक्यूमेंट लेकर एक कंपनी खुलवाई जाती है। जिसमें उन लोगों को डायरेक्टर बनाया जाता है। इसके बदले उन्हें 20 से 25 हजार हर महीने दिए जाते हैं। फील्ड एजेंट कंपनी खुलवाकर इन दोनों आरोपियों को पूरा डाटा भेजा जाता था। जिसके बाद यह दोनों एक जगह किराए पर लेकर ऑफिस बनाते और कंपनी के नाम से पैसे के लेनदेन की एप्लीकेशन बनाकर इस काम को पूरा करते। दोनों आरोपियों ने कंप्यूटर के कोर्स किए हुए हैं। दोनों आरोपियों ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग ले रखी है। दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आया है, जो तफ्तीश हम कर रहे हैं, उसमें सैकड़ों कंप्लेन मिली हैं। जब सबसे पहले आरोपी पकड़े गए थे, तब चार सौ करोड़ का मामला सामने आया था। अब जांच में लग रहा है कि यह मामला एक हजार करोड़ या दो हजार करोड़ से कम नहीं है। यह रकम इससे भी ऊपर जा सकती है।

भरतपुर में करोड़ों की ठगी मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **आरोपी कंपनी में टेक्नीशियन का काम करते थे, एक ही कंपनी के नाम चार हजार शिकायतें दर्ज**

आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि 6 मार्च 2025 को हरिसिंह नाम के एक व्यक्ति ने धौलपुर सायबर थाने पर फिनो पेमेंट खाते के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करवाई थी। जब इस शिकायत की जांच की गई तो, बेहद चौकाने वाले मामले सामने आए। उसी खाते के खिलाफ करीब 3 हजार शिकायतें दर्ज थी। जो अब बढ़कर 4 हजार हो गई हैं। जांच में यह सामने आया कि इस गैंग का मुख्य सरगना शशिकांत और रोहित दुबे हैं। उन्होंने मिलकर एबंडेंस पेमेंट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक कंपनी खोली जिसका मुख्यालय बेंगलुरु (कर्नाटक) में बनाया। इस कंपनी में अनूप श्रीवास्तव ऑन बोर्डिंग का काम करता है। रोहित शर्मा टेक्निकल काम करता है। अनूप श्रीवास्तव शशिकांत का पुराना दोस्त हैं। रोहित शर्मा रोहित दुबे का पुराना दोस्त है। दोनों आरोपी कंपनी में शुरू से काम करते हैं। यह लोग कंपनी से सीधे संपर्क नहीं करते। एबंडेंस पेमेंट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के पास करीब कंपनी मर्चेंट थे। आरोपी लोगों को ऑनलाइन गेमिंग और निवेश के नाम का झांसा देकर ठगी करते थे।

चिकित्सक की मौत : सातवें दिन भूख हड़ताल पर बैठे रेजिडेंट

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में डॉक्टर रवि शर्मा की मौत के बाद रेजिडेंट्स डॉक्टर्स की हडताल बुधवार को भी जारी रही। मामले में सातवें दिन मांगें पूरी नहीं होने पर रेजिडेंट यूनियन के 4 सदस्य बुधवार सुबह 10 बजे से भूख हड़ताल पर बैठ गए। रेजिडेंट डॉ. जतिन प्रजापति, डॉ. तेजपाल यादव, डॉ. गौरव और डॉ. शालू भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इनका कहना है कि जब तक प्रिंसिपल डॉ. विपिन माथुर सहित पीजी हॉस्टल के वार्डन का इस्तीफा नहीं लिया जाता तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

नागौर के मकराना में दो दिन पहले डॉ. रवि के अंतिम संस्कार के बाद उनके चचेरे भाई रेजिडेंट डॉ. प्रशांत वापस उदयपुर आ गए। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि बिजली करंट से मेरे भाई की हुई मौत के मामले में कॉलेज प्रशासन ने घोर अन्याय किया है। उन्होंने कहा भाई डॉ. रवि जब यहां आए थे तब हमने फ्यूचर को लेकर कई बातें की थी। उन्होंने कहा था कि आरएनटी में एसआर शिप ज्वाइन करने के बाद वे यहीं सेटल हो जाएंगे। उसके साथ हुई बात मेरे जहन से नहीं निकल पा रही है। वे बोले मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ये क्या चल रहा है। 7 दिन हो गए लेकिन मांगें पूरी नहीं की गई।

बरसात से राहत मिली

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में बुधवार को दिनभर उमस से परेशान लोगों को दोपहर को बदलों ने राहत दी। दोपहर दो बजे बारिश शुरू हो गई। एक घंटे तक रुक रुककर चली बारिश से मौसम भी खुशनुमा हो गया। वहीं बरसात होने के कारण कई जगह पर पानी भर गया जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार मसूदा नगर पालिका क्षेत्र की सड़कों पर पानी भर गया। इससे वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश से सड़कें तालाब बन गई। लोगों के घरों में पानी ही पानी हो गया। घरों का घरेलू सामान जलमग्न हो गया। जगह-जगह से मार्ग क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन सड़क के पास बने अवरुद्ध गड्ढों में क्षतिग्रस्त हो गए।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड केकडी

क्रमांक-706-724 दिनांक-17/6/25

Notice Inviting Bid No:- 06/2025-26

Bids For Rate Contract for Patch Repair work & Other Maintenance work on Various roads under PWD Dn Kekri for the Year 2025-26 Procurement are Invited from interested bidders upto 6.00 PM of 27.06.2025 Other particulars of the id may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 195.12 Lacs.

UBN No - PWD2526 WSRC04917

(Bhim Singh Meena) Executive Engineer PWD Dn. Kekri

DIPR/C/8415/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक-643-651 दिनांक-18/06/2025

संशोधन ई-निविदा सूचना संख्याः 02/2025-26

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26, जो पत्र क्रमांक 409-417 दिनांक 02.06.2025 से जारी हुई है। जिसके प्रकाशन बावत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 418 दिनांक 02.06.2025 के द्वारा डी.पी.आर. को समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु भिजवाया गया है। जो डीआईपीआर के आदेश क्रमांक // 7512/2025 दिनांक 10.06.2025 तथा एसपीपी पोर्टल पर एनआईबी कोड सं. PWD2526A1019 से प्रकाशित हुई हैं। जिसकी तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
फार्म मिलने/ जमा कराने की तारीख	दिनांक 05.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 20.06.2025 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 05.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 26.06.2025 को सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	दिनांक 23.06.2025 अपरान्ह 3.00 बजे	दिनांक 27.06.2025 अपरान्ह 3.00 बजे

नोट- निविदा की शेष शर्ते यथावत् रहेगीं।

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा0नि0वि0 खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/8549/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.

E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांकः-नपाप./स्टोर शाखा/2025-26/825 दिनांकः- 23.06.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड/अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 30.06.2025 को 10:00 AM बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526A2853

UBN NO :

DLB2526GSOB09062	DLB2526GSOB09063
DLB2526GSOB09065	DLB2526GSOB09066
DLB2526GSOB09068	

राज.संवाद/सी/25/4923 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका परबतसर

पूर्व सीएम अशोक गहलोत को अपने ही गृह नगर जोधपुर में झटका लगा

अशोक गहलोत को प्रशासन ने एक स्कूल का लोकार्पण करने से रोका

जोधपुर, (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने ही गृह नगर जोधपुर में उस समय गहरा झटका लगा जब जिला प्रशासन ने एक स्कूल का लोकार्पण करने से रोक दिया। गहलोत को शहर के एक स्कूल की बिल्डिंग का 27 जून को उद्घाटन करना था। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसकी जानकारी हुई तो बाद जोधपुर जिला प्रशासन ने कहा दिए इस स्कूल के भवन का उद्घाटन शिक्षामंत्री मदन दिलावर से करवाया जाएगा।

विवाद सामने आया तो बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने स्कूल की बिल्डिंग के उद्धघाटन का कार्यक्रम ही कैंसिल कर दिया है। उन्होंने कहा हालांकि मैं यहां का एमएलए हूं अधिकार भी रखता हूं। इनके लोग होते तो लड़ लेते। हम ऐसा नहीं करते, इसलिए मना ही कर दिया। जानकारी के अनुसार इस बिल्डिंग की अनुशंसा और फंड की स्वीकृति उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए की थी। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे उन्होंने एक्स पर जोधपुर प्रवास का कार्यक्रम शेयर किया था। उनकी पोस्ट के बाद जिला प्रशासन ने शिक्षा मंत्री से उद्घाटन करवाने की जानकारी दी। इसमें बताया गया कि पहाड़गंज द्वितीय स्थित स्कूल भवन का विधिवत उद्घाटन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर करेंगे। इसकी तारीख मंत्री के जोधपुर प्रवास के अनुसार तय होगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह भवन समग्र शिक्षा अभियान के तहत बनाया गया है।

गौरतलब है कि गहलोत का जोधपुर से गहरा नाता है और वे यहां से कई बार विधायक रह चुके हैं। भाजपा सरकार बनने के बाद पहली बार उन्हें खून का घूंट पीना पड़ा है। कांग्रेस इसे गहलोत के जनाधार और उनकी विकास योजनाओं की स्वीकार्यता से जोड़ रही है, वहीं भाजपा इसे सरकारी मर्यादा और अधिकार क्षेत्र का मामला बता रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद भाजपा-कांग्रेस के बीच सिर्फ एक स्कूल भवन के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सत्ता परिवर्तन के बाद पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं का श्रेय किसे मिले, इस पर सियासी दंगल है। फिलहाल, न तो सरकार और न ही गहलोत की ओर से इस मुद्दे पर कोई औपचारिक बयान आया है, लेकिन माना जा रहा है कि कांग्रेस इस विवाद को जनता के बीच ले जाकर भाजपा सरकार पर पूर्ववर्ती योजनाओं का श्रेय छीनने का आरोप लगाने की रणनीति पर मंथन कर रही है। वहीं, भाजपा अपने मंत्री के हाथों उद्घाटन को सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा बता रही है।

दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल को लेकर बुधवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके पद से हटाने की साजिश उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा दिल्ली और जयपुर में रची जा रही है। अशोक गहलोत ने कहा कि यह षड्यंत्र पूरी तरह तैयार हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री इस खतरे को समझ नहीं पा रहे हैं। बता दें गहलोत अपने पांच दिवसीय जोधपुर दौरे पर हैं। आगे उन्होंने कहा कि मैं बार-बार मुख्यमंत्री को आगाह कर रहा हूं, लेकिन वह हमारी बात को गंभीरता से नहीं ले रहे। अगर वह भ्रम में रहे, तो उन्हें ही नुकसान होगा। गहलोत ने जोर देकर कहा कि पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाना एक बड़ा फैसला है, जिसे बदलना ठीक नहीं।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने रोड पर ही शव रख जाम लगाया

जोधपुर, (कासं)। जिले से होकर गुजरने वाले ओसियां-चेराई रोड पर मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में जनों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे हाइड्रा वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत, जबकि दूसरे युवक की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने रोड पर ही शव रखकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद लोग शव उठाने को राजी हुए।

ओसियां पुलिस के मुताबिक, चेराई के रामनगर निवासी हरीश मेघवाल (20) पुत्र जेठाराम और चेराई बड़ा बास निवासी जीतू सिंह पुत्र लादू सिंह की मौत हुई है। ये दोनों मजदूरी कर साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ओसियां-चेराई रोड पर हाइड्रा वाहन चालक ने साइकिल सवारों को चपेट में ले लिया।

बताया जा रहा है कि हाइड्रा चालक वाहन को तेज रफ्तार में चला रहा था। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मौके पर जुटे लोगों ने गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी समेत पुलिस टीम पहुंची। मौके पर मौजूद लोगों ने हाइड्रा वाहन रालोपा नेता का बताया। लोगों ने चालक के खिलाफ कार्रवाई और मृतकों को मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। आरोपी पर सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर रात नौ बजे तक लोग धरने पर बैठे रहे। पुलिस ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया, तब जाकर लोग शव उठाने के लिए राजी हुए।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.)

फोन नम्बरः (0141)2227938/2227710,2227715, फैक्सः (0141)2227360,2227761, E-mail: jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

संशोधित निविदा सूचना-02 दिनांक :- 24/06/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)69/cc/2025/05 dated 27.05.2025 UBN No. MML2526SLOB00024	कसनाऊ-मातासुख लिग्नाईट परियोजना, नागौर (पिन कोडः 341001) पर पाँच (05) बोलेरो -07 सीटर या समकक्ष वाहन (ए. सी. डीजल टैक्सी परमिट) मय वाहन चालक किराये पर लेने हेतु। (उपरोक्त वाहन का मॉडल वर्ष 2022 या उसके बाद का होना आवश्यक है) अनुमानित राशि-105.00 लाख, धरोहर राशि – 210,000/-, निविदा राशि- 4720/- (अहस्तान्तरणीय) (जीएसटी सहित) और रू 2000/- (ई टेंडर शुल्क एमडी, आरआईएसएल) निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 30.06.2025 सांय 05.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समय दिनांक 01.07.2025 को प्रातः 11.00 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/4956 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT

RUHS HOSPITAL, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033

Ph. : 0141-279577 Email: supdt.hms@ruhsraj.org

No. :- RUHS HMS/Store/2025-26/5047 Date :- 19/06/2025

ई-निविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान चिकित्सालय में उच्च कुशल मैन पावर मशीन विद मैन की सेवाओं के उपापन हेतु निर्धारित दर संविदा प्रपत्र अनुसार ई-उपापन प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 80 लाख)

(UBN : CMS2526SLRC00039)

1.	Bid Download Start Date/Time	19/06/2025 from 06:00 PM onwards
2.	Bid Submission Start Date/Time	19/06/2025 from 06:00 PM onwards
3.	Bid Submission End Date/Time	30/06/2025 at 02:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	30/06/2025 at 03:00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/25/4981 Medical Superintendent, RUHS Hospital, Jaipur

फ्लाइट में महिला के बैग में कारतूस मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर से दिल्ली फ्लाइट में जाते महिला के बैग में कारतूस मिला। महिला के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल महिला की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि उसके पिता आर्मी में कर्नल रह चुके है। संभवतः यह कारतूस उन्हीं का होगा जो कि भूलवश बैग में आ गया होगा। फिलहाल पुलिस प्रकरण की जांच में जुटी है। एयरपोर्ट थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि मंगलवार को जोधपुर से दिल्ली जा रही एक फ्लाइट में महिला के सामान की चैकिंग में कारतूस मिला। इस पर सीआईएसएफ की एसआई मिनाक्षी चौधरी की तरफ से महिला पांचवी रोड महेश हॉस्टल के पास रहने वाली यशोदा राजपुरोहित के खिलाफ आम्र्स एक्ट में रिपोर्ट दी गई। थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि संभवतः महिला के बैग में यह कारतूस भूल से आया होगा। उसके पिता आर्मी में कर्नल पद पर रह चुके है। उसके पास में यह कारतूस कहां से आया इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 774 Date :- 18/06/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 15/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project MJSA 2.0 Block – Hindaun, Sapotra & Nadoti of estimated value INR 15.51 Lacs [03 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 29-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0344

UBN NO. :- WSC2526WSRC00588, 00586, 00587

Raj.Samwad/C/25/4978 Superintending Engineer and Project Manager

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांकः- एफ.10/2025-26/4790 दिनांकः- 20.06.2025

:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::
(UBN NO. DLB2526WSOB08563)

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

आयुक्त नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4883

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल कोटा

email : nnksouth@gmail.com,websites : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/388-402 दिनांक :- 23.06.2025

ई-निविदा संशोधन सूचना 01

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 18/2025-26 क्रमांक 328 – 342 दिनांक 16.06.2025 में वर्णित क्रम संख्या 01 के कार्य के नाम को "नगर निगम कोटा दक्षिण के छावनी स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य" पढ़ा जावें। संवेदक ई-निविदा संशोधन सूचना प्रपत्र नगर निगम कोटा की वेबसाईट http://kotamcsouth.org.com, www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, से प्राप्त कर सकेंगे।

शेष यथावत रहेगा।

अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4995

विदेशी युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

- **मोबाइल के एड शूट के लिए उदयपुर आई थी फ्रेंच युवती**
- **यह एड शूट का काम आरोपी की कंपनी द्वारा ही किया जा रहा था**

उदयपुर, (निसं)। विज्ञापन की शूटिंग के लिए उदयपुर आयी फ्रेंच युवती के साथ दुष्कर्म मामले में उदयपुर पुलिस ने चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया निवासी आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुष्पराज कास्टिंग कॉल कंपनी का मालिक है। विदेशी युवती वीवो मोबाइल के एड शूट के लिए उदयपुर आयी थी। यह एड शूट का काम आरोपी की कंपनी द्वारा ही किया जा रहा था। आरोपी पुष्पराज कई बड़े ब्रांड के एड, सीरियल्स और गानों की कास्टिंग कर चुका है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) ने कहा है कि उसके साथ हनी ट्रैप हुआ है। उसे बॉलीवुड के कुछ लोग फंसा रहे हैं। पुष्पराज चित्तौड़गढ़ के गंगरार तहसील क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब आठ साल से उदयपुर में रह रहा है। सूत्रों के अनुसार पुष्पराज उदयपुर के सिटी पैलेस में शूट हुई सलमान खान की मूवी प्रेम रतन धन पायो और होटल रेडिसन में शूट हुई अक्षय कुमार की मूवी खेल खेल में कास्टिंग की थी। क्राइम पेट्रोल से लेकर कई सॉन्ग और ऐड के लिए कास्टिंग कर चुका है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि विदेशी युवती के साथ दुष्कर्म के आरोप में पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा को गिरफ्तार किया गया है। फ्रांस नागरिक युवती पिछले लंबे समय से दिल्ली रह रही है। उन्होंने बताया कि युवती अंबामाता थाना इलाके के एक होटल में रुकी थी। घटना के बाद युवती को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। उसकी हालत खतरे से बाहर है। वह वीवो मोबाइल के एक विज्ञापन शूट के लिए 22 जून को उदयपुर आयी थी।

इस विज्ञापन शूटिंग का काम आरोपी पुष्पराज की कंपनी कास्टिंग कॉल द्वारा किया जा रहा था। ऐसे में पुष्पराज ही इस कार्य को कर रहा था। इनके एड शूट टूप में और भी कई टीम मेंबर थे। इन्होंने 22 जून को पीछोला के नजदीक अमरई घाट, आस-पास के रेस्टोरेंट, सज्जनगढ़ फोर्ट सहित अन्य जगह एड शूट किया। दिनभर शूटिंग के बाद 22 जून की रात इनका पूरा टूप कैफे में गए। वहां इन सभी ने डिनर पार्टी की। टूप मेंबर होने से पुष्पराज भी डिनर पार्टी में शामिल था। डिनर पार्टी के दौरान युवती पुष्पराज के कहने पर उसके साथ स्मोकिंग के लिए बाहर निकली। दोनों कार से ड्राइव पर गए। इसके बाद आरोपी पुष्पराज युवती को उसके फ्लैट पर ले गया, जहां युवती ने आरोप लगाया है कि पुष्पराज ने उसके साथ सैक्सुअल असॉल्ट किया है।

युवती ने 23 जून की सुबह आरोपी पुष्पराज के खिलाफ बडगांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई। युवती के स्टेटमेंट लिए गए और कैफे और आरोपी के फ्लैट पर जाकर सभी साक्ष्य एकत्रित किए गए। फ्रांस दूतावास को सूचना दी गयी, इसके बाद पुलिस की एक टीम ने आरोपी पुष्पराज को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा ने बताया कि इस केस की तफ्तीश पूरी कर सात दिन में चालान पेश करने का प्रयास किए जाएगा। यह प्रकरण केस ऑफिसर स्कीम के तहत लिया जाएगा और पुलिस का प्रयास करेगा कि कोर्ट में इसकी समय से ट्रायल शुरू होकर मामले की जल्द से जल्द सुनवाई पूरी हो।

इधर, उदयपुर में बढ़ते अपराध को लेकर और बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस आरोपी को लेकर एसपी ऑफिस पहुंची। वहां पहले से ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। ये लोग उसे मारने दौड़े। कुछ ने आरोपी का हाथ खींचा। पुलिस आरोपी को अंदर लेकर गई और छोटा फाटक बंद कर दिया। इसके बाद भी गुस्साए कांग्रेसी नहीं माने और एसपी ऑफिस के बाहर हंगामा करते रहे। गेट कूदकर एसपी के चैंबर तक पहुंच गए थे। एडिशन एसपी उमेश ओझा और डीएसपी कैलाश चंद्र ने कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारियों को समझाया। करीब 15 मिनट तक यह घटनाक्रम चलता रहा।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा

email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/373-387 दिनांक :-21.06.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या : 21/2025-26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 30.40 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 20.06.2025 से दिनांक 26.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण हेतु विभिन्न प्रकार के छायादार एवं सजावटी पौधों की आपूर्ति का कार्य।	30.40

NIB Code No. DLB2526A2747 UBN No. DLB2526WSOB08754

राज.संवाद/सी/25/4996 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/84 - 86 Date : 20/06/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 23/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 867.03 लाख (14 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	21.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 02.07.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	21.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 02.07.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	03.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00138 To ITU2526WSOB00151

राज.संवाद/सी/25/4984 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/78 - 80 Date : 18/06/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 21/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 747.01 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	20.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 10.07.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	20.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 10.07.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	11.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00134, ITU2526WSOB00135

राज.संवाद/सी/25/4986 अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

सूरतगढ़ में उर्वरक घोटाले की जांच जारी

- **एक फर्म पर मामला दर्ज करवाया, अब तक 29 सैम्पल भेजे**
- **सूरतगढ़ के 5 स्थानों पर छापेमारी कर 29,110 उर्वरक बैग और 8664 बोतलें जब्त की हैं**

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सूरतगढ़ में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की अगुआई में रविवार 22 जून से शुरू हुई उर्वरक घोटाले की जांच बुधवार 25 जून को चौथे दिन भी जारी है। कृषि विभाग की टीमों ने अब तक सूरतगढ़ के 5 स्थानों पर छापेमारी कर 29,110 उर्वरक बैग और 8664 बोतलें जब्त की हैं। इनमें यूरिया, डीएपी, नैनो यूरिया, जैविक खाद, बायो फर्टिलाइजर और सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हैं। अब तक 29 नमूने लिए जा चुके हैं। एक फर्म पर एफआईआर दर्ज हुई है। कई फर्मों के विक्रय पर 2 से 21 दिन तक रोक लगाई गई है। अब तक की कार्रवाई में सूरतगढ़ रीको इंडस्ट्रियल एरिया, सब्जी मंडी के पास, वर्धमान मिल क्षेत्र और मारुति नंदन धर्म कांटा सहित पांच जगहों पर गोदामों की जांच हुई।

सहायक निदेशक (कृषि) सुरजीत कुमार बिश्नोई ने बताया कि एक गोदाम में कार्रवाई अब भी जारी है। सब्जी मंडी के पास स्थित गोदाम से उपनिदेशक (कृषि) विनोद कुमार गौतम ने उर्वरकों के नमूने लिए। अशोका फर्नीचर के सामने एक बड़े गोदाम से डिप्टी डायरेक्टर (उद्यान) प्रीतिबाला गर्ग और कृषि अधिकारी विकास कुमार ने कोरोमंडल इंटरनेशनल, श्रीराम फर्टिलाइजर्स और राम फास्फेट लिमिटेड की खाद के नमूने लिए। वर्धमान मिल क्षेत्र में गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर और कोरोमंडल की खाद की जांच की गई। मारुति नंदन धर्म कांटा स्थित एक ऑफिस से उपनिदेशक (कृषि) केशव कालीराणा ने इफको कंपनी का 3504 लीटर नैनो यूरिया और 60 लीटर नैनो डीएपी जब्त किया। नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। इस फर्म के खिलाफ सूरतगढ़ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके अलावा 23692 बोतल तरल उर्वरक और 5571 मीट्रिक टन सूक्ष्म पोषक तत्वों के विक्रय पर रोक लगाई गई है। जांच में सामने आया कि कई गोदामों में स्टॉक रजिस्टर नहीं मिले। फर्म का नाम और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैंक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

हाऊसिंग बोर्ड के 4 इंजीनियर्स की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द कर नगरीय विकास विभाग ने बुलाया

इनमें से तीन आवासीय अभियंता रूडसिको में और एक पुलिस मुख्यालय में कार्यरत था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय विकास विभाग ने हाऊसिंग बोर्ड के 4 इंजीनियर्स की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द करके इन्हें मूल विभाग में वापस बुलाया है। इनमें से तीन आवासीय अभियंता रूडसिको तथा एक अभियंता पुलिस मुख्यालय जयपुर में कार्यरत थे। अब इन इंजीनियर्स को वापस बुलाने के पीछे चर्चाएं हैं कि जलदाय विभाग अथवा अन्य विभागों से हाऊसिंग बोर्ड में सेवाएं दे रहे अभियंताओं को हटाकर वापस मूल विभाग में भेजा जायेगा।

- इन इंजीनियर्स को वापस बुलाने के पीछे चर्चाएं हैं कि जलदाय विभाग अथवा अन्य विभागों से हाऊसिंग बोर्ड में सेवाएं दे रहे अभियंताओं को जल्द हटाकर मूल विभाग में भेजा जाएगा
- आवासीय अभियंता पृथ्वीसिंह 13 साल, अरविंद माथुर 11 साल व राजेश व्यास 5 वर्ष से रूडसिको में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए थे। वहीं दानाराम गनेवा पिछले 7.5 वर्ष से पुलिस मुख्यालय में कार्यरत थे।

सूत्रों के मुताबिक नगरीय विकास विभाग के शासन उप सचिव द्वितीय राकेश कुमार गुप्ता-प्रथम ने गत 18 जून को आदेश जारी कर 4 आवासीय अभियंताओं राजेश व्यास, अरविंद माथुर, पृथ्वी सिंह शेखावत और दानाराम गनेवा की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द की है। मजेदार बात यह है कि इनमें से पृथ्वीसिंह पिछले करीब 13 साल, अरविंद माथुर करीब 11 साल तथा राजेश व्यास 5 वर्ष से रूडसिको में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए थे। इनके अलावा दानाराम गनेवा भी पुलिस मुख्यालय में पिछले करीब 7.5 वर्ष से कार्यरत थे।

सूत्रों की मानें तो राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड में जलदाय विभाग के कुछ इंजीनियर्स प्रतिनियुक्ति पर आए थे, परंतु स्थानांतरण के बावजूद भी वे यहां से रिलीव होने का नाम नहीं ले रहे है। इनमें राम निवास सिंघल और गीतराम मीणा शामिल है।

इन्होंने अपने मूल जलदाय विभाग के 15 जनवरी के तबादला आदेश की पालना करने के बजाय उल्टा राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण जयपुर से स्टे ले लिया। ऐसे में आवासन मंडल तो इन्हें नहीं हटा पा रहा है, परंतु जलदाय विभाग भी इनके स्टे ऑर्डर को वैकेंट करवाने के बजाय चुप्पी साधे बैठा है।

ऐसे में अब माना जा रहा है कि, नगरीय विकास विभाग ने हाऊसिंग बोर्ड के इन 4 इंजीनियर्स की प्रतिनियुक्ति रूडसिको और पुलिस मुख्यालय से रद्द करके वापस बुलाया है, ताकि आवासन मंडल में इंजीनियर्स की कमी भी दूर हो और उन्हें अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर आए अभियंताओं के भरोसे नहीं बैठना पड़े।

एक इंजीनियर को 2 कमरे दिए, दूसरे के पास बैठने तक की जगह नहीं?

जयपुर विकास प्राधिकरण में जलदाय विभाग से द्वारा लगाए गए एक्सईएन से हो रहा सौतेला व्यवहार

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण में अधिशाषी अभियंता दिनेश कूकना को भले ही आयुक्त आनंदी ने रिलीव कर दिया हो, परंतु जलदाय विभाग से जेडीए में आए इंजीनियर्स को काम देने के बजाय जेडीए प्रशासन दूसरे चहेते इंजीनियर्स को काम सौंप रहा है।

- सूत्रों के मुताबिक जलदाय विभाग की जे.डी.ए. में "कैडर स्ट्रैंथ" में अधिशाषी अभियंता के दो पद स्वीकृत हैं।

यह चर्चाएं इसलिए हो रही है क्योंकि, जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर जेडीए में लगे दिनेश कूकना के पास पी.एच.ई. प्रथव व द्वितीय दोनों का चार्ज था, अब उन्हें ट्रांसफर के करीब 5 माह बाद जेडीए से रिलीव करने के बाद जोन-6 के अधिशाषी अभियंता अमृत सिंह को अधिशाषी अभियंता (पी.एच.ई. द्वितीय) का कार्यभार सौंपा गया है।

सूत्रों की मानें तो जलदाय विभाग द्वारा जेडीए में भेजे गए इंजीनियर नीरज पीपलोदा को वहां बैठने के लिए जेडीए प्रशासन द्वारा कमरा तक नहीं दिया जा रहा, ऐसे में अब इंजीनियर को मजबूरना अधीनस्थ कार्मिकों के कमरे में बैठकर अपना कार्य करना पड़ रहा है। जबकि उनके साथ जेडीए में लगाए गए अन्य अभियंता दिलीप लाम्बा को पी.एच.ई. प्रथम का चार्ज तुरंत सौंप दिया गया था। उधर नीरज पीपलोदा को द्रव्यवती नदी प्रोजेक्ट में लगा दिया गया, जबकि नियमानुसार जलदाय विभाग के इंजीनियर्स को पिछले 25 सालों से जेडीए में पी.एच.ई. का ही चार्ज दिया जा रहा था। क्योंकि नियमानुसार जलदाय विभाग की जेडीए में "कैडर स्ट्रैंथ" में अधिशाषी अभियंता के दो पद स्वीकृत हैं।

सूत्रों ने बताया कि नागरिक सेवा केन्द्र बिल्डिंग में 307 नंबर कमरे में पूर्व में जलदाय इंजीनियर दिनेश कूकना बैठते थे, जब यहां नवनियुक्त इंजीनियर नीरज पीपलोदा ने बैठना शुरू किया तो बुधवार दोपहर को जोन-6 के इंजीनियर अमृत सिंह ने वहां बैठकर मीटिंग लेने की बात कही। इस पर नीरज पीपलोदा ने सहमति दे दी, लेकिन अमृत सिंह ने कहा कि अधीक्षण अभियंता ने निर्देश दिए हैं कि अब से इस कमरे में भी अब मैं ही बैठूंगा।

इस पर नीरज पीपलोदा ने कहा कि, आपके पास जोन-6 का दफ्तर पूर्व से आवंटित हैं, कृपया मुझे तो यहां बैठने दें, जैसे ही मुझे विभाग कोई अन्य कमरा अलॉट कर देगा तो मैं वहां बैठना शुरू कर दूंगा। क्योंकि द्रव्यवती नदी प्रोजेक्ट में फिलहाल अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल कार्यरत हैं, उनके पास कोर्ट का स्टे ऑर्डर भी है। ऐसे में वहां बैठने की कोई जगह नहीं है। इस बात पर अमृत सिंह नहीं माने और उन्होंने नीरज को कहा कि आप जाकर स्वयं अधीक्षण अभियंता से बात करो, मुझे मालूम नहीं।

सूत्रों का कहना है कि जलदाय विभाग ने जब से दिनेश कूकना को जेडीए से हटाया है, तब से इंजीनियरिंग विंग के कुछ अफसर नवनियुक्त अधिशाषी अभियंता नीरज पीपलोदा से मनमुटाव किए हुए हैं।

'बारिश का पानी नहीं रुके, जल्द हटाएं ब्लॉकेज'

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बुधवार को हेरिटेज निगम के लांगड़ियावास स्थित प्लांटस का निरीक्षण किया। इस दौरान निगम आयुक्त ने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, आरडीएफ प्लांट में निरीक्षण किया और निगम अधिकारियों से प्लांट्स की कार्यप्रणाली को जाना।

इसके अलावा आयुक्त निधि पटेल ने दिल्ली रोड, मीणा पेट्रोल पंप,

- हैरिटेज आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने दूसरे दिन भी किया फील्ड निरीक्षण
- लांगडियावास में कचरा प्रोसेसिंग प्लांट्स का भी निरीक्षण किया

मानबाग, नाग तलाई नाले पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान निगम आयुक्त ने सड़वा मोड पर नाले में कचरा होने पर सफाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने कहा कि बारिश का पानी नालों में बहकर निकल जाएं, इसके लिए नालों में कचरे से आ रही रुकावट को दूर किया जाएं। जिससे कि पानी सड़क पर नहीं आएं।

निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने जयसिंहपुरा खोर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। जिसमें आयुक्त ने निगम की इंजीनियरिंग विंग से प्लांट की कार्यप्रणाली को जाना। इस दौरान उन्होंने एसटीपी परिसर में अपने नाम का एक पौधा भी लगाया। निरीक्षण के दौरान एसटीपी में चले रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। जिसमें निर्माण कार्य की स्थिति संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान निगम के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियंता चरण सिंह मीणा मौजूद थे।

बनीपार्क में विजय पथ कॉलोनी की दीवार तोड़कर रास्ता बनाया

जयपुर। राजधानी जयपुर के हृदयस्थल बनीपार्क की प्रतिष्ठित आवासीय कॉलोनी विजय पथ में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब रविवार सुबह राजस्थान रोडवेज़ के अधिकारियों ने किसी पूर्व सूचना के बिना कॉलोनी की पिछली दीवार को तोड़ दिया और सीधे कॉलोनी के भीतर गेट बनाने का प्रयास किया।

- स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजस्थान रोडवेज प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना और नोटिस रविवार को छुट्टी के दिन यह तोड़फोड़ की

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई बिना किसी वैध अनुमति, नोटिस या निवासियों की जानकारी के की गई, जिससे यहाँ रहने वाले परिवारों में आक्रोश की लहर दौड़ गई। इस अवैध कार्य के विरोध में कॉलोनीवासियों ने तुरंत एकत्र होकर शांतिपूर्ण विरोध किया। विधायक एवं वार्ड पार्षद भी मौके पर पहुँचे और अधिकारियों को फटकार लगाई। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि, यह सिर्फ़ एक दीवार नहीं थी, बल्कि कॉलोनी की सुरक्षा थी। चूंकि यह कॉलोनी पूरी तरह आवासीय क्षेत्र है, जिसमें स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं रहती है। यहां पिछले रास्ते से रोज़ाना बसों, टैक्सियों और अनगिनत बाहरी लोगों की आवाजाही होने से सुरक्षा पूरी तरह खतरे में पड़ जाएगी। पहले से ही इस क्षेत्र में शराबियों और असामाजिक तत्वों की आवाजाही एक गंभीर समस्या है, यदि यह रास्ता खुलता है तो हालात और बिगड़ेंगे। यह रास्ता विजय पथ, जगदीश मार्ग, भृगु मार्ग और कांती चंदर रोड जैसे शांत आवासीय इलाकों के लिए एक बड़ा खतरा बन जाएगा।

लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, सरकारी तंत्र द्वारा यह एकतरफा फैसला लिया गया है और जन विरोध को भी नज़रअंदाज़ कर दिया गया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब कार्यवाही रविवार को चुनी गई, जब अधिकांश कार्यालय बंद होते हैं और लोग अपने घरों में आराम कर रहे होते हैं। यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं, यह सब कुछ छुपाकर जल्दबाज़ी में किया गया, ताकि कोई विरोध न हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि, पिछले वर्षों में दो बार- वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत की सरकारों के कार्यकाल में इसी मुद्दे पर जनता की आपत्ति को स्वीकारते हुए यह प्रस्ताव रद्द किया गया था। अब एक बार फिर से इसे बिना किसी संवाद, बिना सुनवाई शुरू करना जनतंत्र और जनसंवेदनाओं का अपमान है।

युवक का अपहरण करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने एक युवक के अपहरण करने के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पकड़े गए दोनों बदमाशों ने मंगलम सिटी कालवाड़ से स्कॉर्पियो कार में युवक का अपहरण किया, जिसे बाद में नाकेबंदी अधिक होने पर मोखमपुरा पर छोड़ गए थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने एक युवक के अपहरण करने के मामले में राहुल बाना (21) निवासी गांव बंशीपुरा थाना जोबनेर जिला जयपुर ग्रामीण हाल कालवाड रोड थाना करधनी और युवराज चौधरी (21) निवासी गांव तिबारिया थाना जोबनेर जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों ही आरोपित पीड़ित युवक को नहीं जानते। ये लोग युवक का अपहरण कर उसे अपने साथ ले जाने और फिर परिवार से फिरौती मांगने वाले थे। लेकिन उस से पहले ही पुलिस की नाकेबंदी को देख कर इन लोगों ने युवक को छोड़ दिया। दोनों बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि 21 जून की रात को थाना करधनी पर सूचना मिली की अभिषेक सैन (21) पुत्र गोरी शंकर निवासी पुरबीयो का बास बडलो का चौक थाना घंटाघर जोधपुर हाल मर्गलम सिटी कालवाड़ रोड थाना करधनी जयपुर को मंगलम सिटी कालवाड रोड से कुछ अज्ञात बदमाश बिना नंबरी काले रंग की स्कॉर्पियो गाडी में जबरदस्ती डाल कर ले गये है। सूचना पर जयपुर शहर के आसपास नाकाबंदी करवाई गई, इस पर अज्ञात अपहरणकर्ताओं द्वारा अजमेर रोड मोखमपुरा के आस पास अभिषेक सैन को कार से उतार कर चले गए।

हैरिटेज नगर निगम मनाएगा तीन दिवसीय तीज महोत्सव

महापौर कुसुम यादव ने तीज महोत्सव के आयोजन पर बैठक ली।

जयपुर। श्रावण महीने में आने वाले तीज त्यौहार को हैरिटेज निगम भव्य महोत्सव के रूप में मनाने जा रहा है। बुधवार को महापौर कुसुम यादव ने निगम अधिकारियों को इस संदर्भ में दिशा निर्देश दिए।

महापौर कुसुम यादव ने कहा कि पारंपरिक तीज त्यौहार हमारी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ा हुआ है। शहरवासियों की भावनाएं तीज त्यौहार से जुड़ी हुई है। ऐसे में आयोजन को भव्य रूप में मनाया जाएं। जिसमें मेंहदी प्रतियोगिता, साफा प्रतियोगिता, लहरिया उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हों। इसके लिए महापौर कुसुम यादव ने 26,27 और 28 जुलाई को तीन दिवसीय तीज महोत्सव के लिए निगम अधिकारियों को तैयारी करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम ताल कटोरा और पौंड्रिक पार्क में आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हेरिटेज निगम की महिला उत्थान समिति चेयरमैन अंशु शर्मा, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति चेयरमैन ज्योति चौहान, उपायुक्त उद्यान मोनिका सोनी, लोक वाहन समिति चेयरमैन रजत विश्नोई, स्वास्थ्य समिति चेयरमैन पवन शर्मा नटराज उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

सांप को बैग में रखकर अस्पताल पहुंचा युवक

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज में एक युवक सांप लेकर अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंच गया। जिससे वहां हड़कंप मच गया।

यह घटना 3 दिन पहले की बताई जा रही है। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि युवक अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर बैग से सांप रखकर लाया। इस दौरान अस्पताल के स्टाफ और मरीजों के परिजन उसे देखकर हैरान हो गए। हालांकि अस्पताल के स्टाफ ने स्थिति को संभाल लिया और युवक को भर्ती कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक को सांप ने डसा था, जिसके बाद वह सांप को लेकर अस्पताल पहुंचा था।

आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल का कहना है कि 3 दिन पहले एक युवक बैग में सांप लेकर अस्पताल आया था। उसने बताया कि सांप ने उसे काट लिया है और वह जाना चाहता है कि यह सांप कितना जहरीला है। जिससे उसका उपचार किया जा सके। जिसके बाद युवक को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया।

उर्स में क्लासिकल म्यूजिक के कलाकारों ने जमाया रंग

जयपुर। संसार चंद्र रोड स्थित दरगाह मीर कुर्बान अली में स्थित हजरत सैय्यद महबूब उर रहमान नियाजी रहमतुल्ला अलैह के उर्स का आगाज़ क्लासिकल म्यूजिक नाइट के साथ हुआ। पिछले 4 सालों से लगातार क्लासिकल म्यूजिक का प्रोग्राम आयोजित हो रहा है, इस कार्यक्रम में देश-विदेश में फेम कलाकार अपनी प्रस्तुति देने आते हैं। हर साल की तरह इस बार भी दुनिया भर में देश का नाम रोशन करने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुति देने पहुंचे।

शुरुआत बॉलीवुड सिंगर जावेद हुसैन ने हमद के साथ की, सितार वादन पर जगदीश मुथीया ने अपनी कला का मुजाहिरा किया, वायलिन और तबले की जुगलबंदी उभरते हुए युवा कलाकार जियांग हुसैन, सुजान हुसैन और गुलज़ार हुसैन ने अपनी प्रस्तुति से मौजूद लोगों से वाहवाही लूटी, पारीक ब्रदर्स ने सूफियाना कलाम पेश कर दोस्ती और दुश्मनी व गंगा जमुना तहजीब का मुजाहिरा किया, इंटरनेशनल सारंगी वादक साबिर खां व ऋषि शर्मा ने तबला जुगलबंदी के साथ अमीर खुसरो रहमतुल्लाअलेह का कलाम पेश कर महफिल में रंग जमाया तबले की धाप से शफाकत हुसैन ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया, आखिर में पूरी महफिल को अपने संतूर वादक से अनवर हुसैन नीलू ने महफ़िल को खुशगवार बनाया।

सभी कलाकारों को सज्जादा नशीन डॉक्टर सैयद हबीब उर रहमान नियाजी की ओर से शॉल ओढ़ाकर और मोमेंट पेश कर उनकी हौसला अफजाई की।

सार-समाचार

'यशराज आयुर्वेदा' का भव्य शुभारंभ

जयपुर। भागदौड़ भरी जिंदगी में जब तनाव, अनियमित जीवनशैली और खानपान से स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार की ओर लौटना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य के साथ राजधानी जयपुर में "यशराज आयुर्वेदा" का भव्य शुभारंभ हुआ। जिसमें जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल, साईटिका, माइग्रेन स्लिप डिस्क, डिप्रेशन, ब्लड प्रेशर डायबिटीज, तनाव से संबंधित बीमारियां स्टीम बाथ, पंचकर्म और चिरौप्रैक्टिक चिकित्सा का इलाज किया जाएगा। डॉ. अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने फीता काटकर औपचारिक उद्घाटन किया। राठौड़ ने कहा कि इस भागदौड़ भरी इस जिंदगी में सेहत का ख्याल रखना सबसे जरूरी है। वह यशराज आयुर्वेदा को शुभकामनाएं देते है और आशा करते है कि यह सेंटर जनमानस को प्राकृतिक और सुरक्षित चिकित्सा का मार्ग दिखाएगा। डॉ. अभिषेक शर्मा ने बताया कि यहां पंचकर्म, माइग्रेन, सर्वाइकल, डिप्रेशन, स्लिप डिस्क, साइटिका, डायबिटीज जैसी बीमारियों का बिना दवा और बिना सर्जरी इलाज किया जाता है। साथ ही भाप स्नान (स्टीम बाथ) और शरीर को शुद्ध करने वाली आयुर्वेदिक विधियां भी उपलब्ध है।

हाऊसिंग बोर्ड चेयरमैन का स्वागत

जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने बुधवार को नवनियुक्त चैयरमेन देवाशीष पुष्टि को गुलाब का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष दशरथ कुमार सिंह ने बताया कि चैयरमेन देवाशीष पुष्टि को आवासन मंडल की गतिविधियों में उनका पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बोर्ड अध्यक्ष ने कर्मचारी मंडल की ओर से किए गए स्वागत के लिए उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बोर्ड चेयरमैन का स्वागत करने में कार्यकारी अध्यक्ष भवानी प्रसाद सिंह, महामंत्री प्रदीप शर्मा, संयुक्त महासचिव गोविंद नाटाणी, रमेशचन्द्र शर्मा कोषाध्यक्ष मोहन सिंह, खेल मंत्री तारा सिंह, कार्यालय मंत्री मोहम्मद यूसुफ सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर चैयरमेन ने आवासन मंडल की गतिविधियों को लेकर भी आवासन मंडल के कर्मचारियों से चर्चा की। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के सभी पदाधिकारी ने उनकी नियुक्ति पर राज्य सरकार का आभार एक बार फिर प्रकट किया।

12 देशों में आईडीएफसी की यूपीआई शुरु

जयपुर। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहक अब अपने इंटरनेशनल मोबाइल नंबर के ज़रिए यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। बैंक के एनआरई या एनआरओ खाताधारक अपने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मोबाइल ऐप के माध्यम से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के रीयल-टाइम यूपीआई ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। इस सुविधा के तहत ग्राहक सिर्फ बैंक के ऐप के जरिए ही नहीं, बल्कि अन्य यूपीआई-सक्षम ऐप्स से भी अपने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक खाते को लिंक कर सकेंगे। यह सर्विस ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, हांगकांग, मलेशिया, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, यूएई, यूके और यूएसए के एनआरआई ग्राहकों के लिए लागू होगी और महज़ भारतीय रुपए में भारत के भीतर होने वाले ट्रांजेक्शन्स के लिए ही मान्य होगी। यह जानकारी आशीष सिंह, हेड- रिटेल लाइबिलिटीज़, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने दी है।

ट्रेडिंग के नाम पर 10.66 लाख रु. ठगे

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने ट्रेडिंग और आईपीओ के नाम पर एक युवक से 10.66 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार जादौन नगर दुर्गापुरा निवासी पवन कुमार काला ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास सोशल मीडिया ऐप पर ट्रेंडिंग और आईपीओ में निवेश करने पर मोटा मुनाफे की बात कहीं गई और उसे एक लिंक भेजा गया। इस पर उसने लिंक पर क्लिक कर दोनों में निवेश करना शुरू कर दिया।

11 साल बाद इनामी लुटेरा पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम को को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने 11 साल पहले भीलवाड़ा के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में हुई एक लूट के मामले में फरार चल रहे पन्द्रह हजार के इनामी बदमाश शाहिद मेव को डूंगरपुर जिले के रतनपुर बॉर्डर से धर दबोचा है। हरियाणा के नुहू जिले का रहने वाला यह शातिर अपराधी इतने लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि 2014 की लूट का यह इनामी आरोपी पिछले एक दशक से अधिक समय से ओडिशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हैदराबाद और तमिलनाडु जैसे राज्यों में वाहन चलाकर फरारी काट रहा था। वह इतना चालाक था कि कभी अपना मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं करता था, बल्कि अपने साथियों के फोन का उपयोग करता था, जिससे उसका पता लगाना बेहद मुश्किल हो रहा था। फरारी के दौरान वह शिमला में भी एक बार जेल जा चुका था। एजीटीएफ टीम ने जमीनी स्तर पर सूचनाएं जुटाई और आरोपी का लगातार पीछा किया। इसी दौरान टीम को पता चला कि शाहिद राजस्थान आया हुआ है और गुजरात भागने की फिराक में है। अथक प्रयासों और लंबी मशक्कत के बाद टीम ने आखिरकार उसे डूंगरपुर के रतनपुर बॉर्डर पर घेर लिया और डिटेन कर लिया। आरोपी के बारे में थाना मांडलगढ़ पुलिस को सूचित किया जा चुका है। गौरतलब है कि पांच दिसंबर, 2014 का है। पीडिड़त ivरलाल धाकड़ ने माण्डलगढ़ स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से 20 हजार निकाले थे। तभी दो-तीन युवकों ने उन पर हमला कर रकम लूट ली और फरार हो गए थे।

श्री शिव महापुराण कथा से पूर्व निकाली भव्य कलशयात्रा

जयपुर। श्री शिव महापुराण कथा समिति, जयपुर की ओर से 26 जून से 4 जुलाई तक बनीपार्क में जंगलेश्वर महादेव मंदिर के पास होने वाली शिव महापुराण कथा से पूर्व बुधवार को बनीपार्क के राम कुटीर से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। भक्ति और आस्था से सराबोर माहौल में जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर कुसुम यादव ने वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा को रवाना किया तो उपस्थित शिव भक्तों ने जयकारों से आसमान को गूंजायमान कर दिया। आसमान में छाई काली घटा और रिमझिम बारिश में निकली कलश यात्रा में आषाढ़ माह में सावन का अहसास करा दिया।

श्री शिव महापुराण कथा समिति, जयपुर के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि कलश यात्रा में 500 से अधिक महिलाएं एक ही रंग की वेशभूषा में सिर पर कलश रखकर मंगल गीत गाती चल रहीं थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोलेनाथ के जयकारे लगाते चल रहे थे। सजी धजी बग्गी से भगवान भोलेनाथ की स्वरूप झांकी के साथ निकली कलशयात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। विभिन्न मार्गों से होते हुए कलश यात्रा कांतीचंद्र रोड बनीपार्क के जंगलेश्वर महादेव मंदिर के पास स्थित श्री शिव महापुराण कथा पहुंची। यहां श्री शिव महापुराण कथा समिति, जयपुर के अध्यक्ष पं. सुरेश शास्त्री, उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक मनोज पंसारी, उपाध्यक्ष त्रिलोक खंडेलवाल, दीपक गोयल, श्रीराम कोडिया ने आरती उतारी।

लव मैरिज से नाराज 3 भाइयों ने लाठी व पत्थरों से पीटकर की थी जीजा की हत्या

आरोपियों ने पत्थर से जीजा को तब तक मारा, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया

जयपुर। जयसिंहपुरा थाना इलाके में बहन की लव मैरिज से नाराज तीन भाइयों ने जीजा की लाठी व पत्थरों से वारकर दिनदहाड़े हत्या करने वाले आरोपितों को पकड लिया है।

पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपित हत्या करने के बाद रींगस पहुंचे और एटीएम से रुपए निकाल कर वहां से नए कपड़े खरीदने के बाद निजी ट्रेवल्स बस की टिकट खरीदकर पाप धोने के लिए सांवलिया सेठ पहुंच गए। आरोपियों ने पत्थर से जीजा को तब तक मारा गया, जब तक जीजा ने दम नहीं तोड़ दिया। चित्तौड़गढ़ के मंडफिया से बस से जयपुर आते समय पुलिस को भनक लग गई और दोनों आरोपियों को सिंधी कैंप पर पुलिस ने डिटेन कर

- हत्या के बाद आरोपियों ने रींगस में नए कपड़े खरीदे, उसके बाद अपना पाप धोने सांवलिया सेठ मंदिर गए

पूछताछ की और अजय सैनी (21) पुत्र ग्यारसी लाल, ओमप्रकाश सैनी (20) पुत्र चन्दालाल सैनी और रणजीत सैनी (25) पुत्र ग्यारसी लाल को गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि बहन पायल की लव मैरिज से परिवार की बदनामी हो रही थी और एक भाई की शादी की बात चल रही थी, लेकिन पायल की शादी के बाद वो बात भी टूट गई। इसी कारण हत्या करने की प्लानिंग की गई। बता दें कि तीनों ने 21 जून को जयसिंहपुरा खोर में मौका मिलते ही जीजा गोविंद प्रजापत (27) का बेरहमी से हत्या कर दी।

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस मामले को लेकर एक टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान की। जांच में पता चला कि आरोपियों के परिवार को जानकारी थी कि उनके बच्चे मारपीट की घटना करेंगे, लेकिन हत्या कर देंगे, इसका पता नहीं था। पुलिस ने शाहपुरा, अचरोल, कोटपूतली में सीसीटीवी फुटेज चेक किये। जांच में सामने आया कि 2 बदमाशों ने शाहपुरा में एटीएम से पैसे निकालकर कपड़े खरीदे थे, फिर रींगस गए। हालांकि पुलिस ने रींगस, खाटू श्याम जी, सीकर, सालासर बालाजी मंदिर सहित बस स्टैंड के सीसीटीवी चेक किए, लेकिन वहां सुराग नहीं मिला। जांच में आरोपियों के अजमेर, फिर वहां से चित्तौड़गढ़ के सांवरिया सेठ मंडफिया गए थे। इसके बाद पुलिस को आरोपी अजय सैनी और ओमप्रकाश सैनी मण्डफिया से जयपुर के सिंधी कैंप आने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस सादे कपड़ों में सिंधी कैंप पहुंची और दोनों को पकड़ लिया। घटना में मर्डर की प्लानिंग करने वाला, गाड़ी और पैसे देने वाले आरोपी के भाई रणजीत सैन को भी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
THURSDAY
26 June 2025
A-B

Canoeing the Waters

There is a special day for just about every hobby nowadays, and canoeing doesn't miss out on the fun, with its very own day of aquatic paddling celebration. Canoeing is a fantastic hobby, and along with being environmentally friendly and relaxing, it is also a great form of outdoor exercise that's suitable for all ages. It's no surprise that canoeing gets its own day of celebration, with so many fans around the world. Canoeing is an easy activity to learn, and with some basic safety gear, anyone can hit the water and enjoy this healthy hobby.

#MEDVANCEMENT

Laser to Vaporize Heart Blockages

By using focused light energy, the laser technology targets and vaporizes the plaque inside the blocked blood vessels.

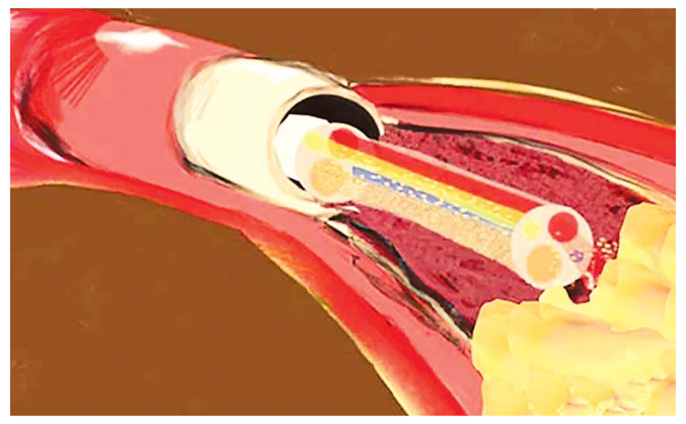

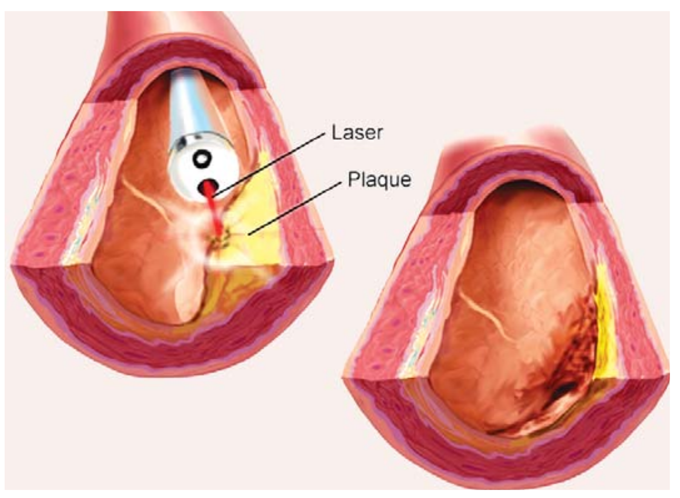

In a significant medical breakthrough, Nagpur has introduced an advanced laser technology aimed at vaporizing blockages inside heart vessels, a revolutionary step forward in the treatment of cardiovascular diseases. The novel procedure promises to reshape the way heart conditions are managed, providing a more effective, precise, and minimally invasive solution to what has traditionally been a challenging medical issue.

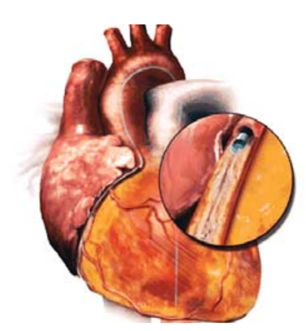

Heart blockages, which are often caused by the buildup of plaque (a mixture of fat, cholesterol, and other substances), can severely restrict blood flow, potentially leading to heart attacks, strokes, or other life-threatening cardiovascular conditions. Typically, doctors use stents or bypass surgery to treat such blockages, both of which involve significant recovery time and come with certain risks.

However, the new laser therapy offers a groundbreaking alternative. By using focused light energy, the laser technology targets and vaporizes the plaque inside the blocked blood vessels with pinpoint accuracy. The process breaks down the obstruction, restoring normal blood flow without the need for invasive surgery or stenting. The precision of the laser ensures that the surrounding tissue remains unharmed, reducing the risk of complications and speeding up recovery times for patients.

Doctors are particularly excited about the potential of this therapy because it combines the power of modern technology with the need for minimally invasive treatments. The procedure is less traumatic for patients, requiring only small incisions or no incisions at all, and can be performed under local anesthesia in a relatively short time. Many patients can return home the same day or the day after the procedure, a stark contrast to the prolonged hospital stays, often required after more traditional heart surgeries.

Additionally, the laser technology could greatly benefit those with complex blockages in difficult-to-reach areas of the heart, where traditional surgical methods might not be effective. This advancement opens up new possibilities for treating high-risk patients who previously had limited treatment options due to the location or severity of their blockages.

Experts are hopeful that this technology could revolutionize the field of cardiology, not just by offering a safer and more efficient treatment, but also by making heart disease management more accessible to a wider range of patients. As more clinical trials and research are conducted, the therapy's efficacy and long-term benefits will become clearer, but initial results are promising.

With heart disease being one of the leading causes of death worldwide, any advancement that can reduce the impact of blockages and improve outcomes for patients is a welcome step forward. As the laser technology gains traction, it has the potential to become a standard treatment option in cardiovascular care, changing the way doctors approach heart vessel blockages and, ultimately, saving countless lives.

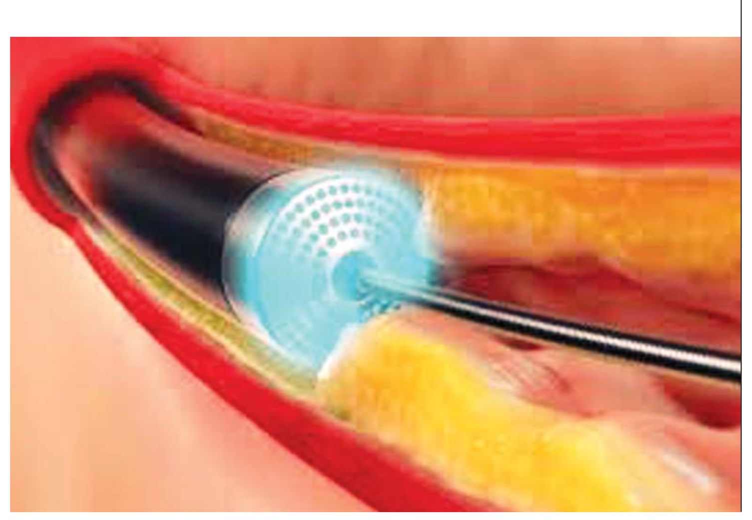

Russia Prolongs U.S. Seeks Ukraine's Wealth!

This kaleidoscope of divergent positions was clear when the Ukrainian Defense Minister Rustem Umerov and President Volodymyr Zelenskyy suggested that Ukraine knew nothing about Russia's condition that sanctions should be lifted. As far as Kyiv is concerned, the ceasefire in the Black Sea is already in effect and applies not only to ships, but also to ports. The moratorium on strikes against energy facilities, according to the Ukrainian side, has been in effect since 25 March.

#CEASEFIRE

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

The ceasefire talks between Russia and US in Saudi Arabia did not result in any breakthrough, and presently, there is a collision between the US pursuit to end the war and Russia harping on addressing its core concerns.

The concluding statements from the White House and Kremlin suggest that the parties agreed to a moratorium on strikes against energy infrastructure, but it is unclear how compliance will be monitored, which is evident from the reported violations. The US also announced a ceasefire in the Black Sea, but Russia responded by making it clear that the condition for its commencement would be the lifting of certain sanctions.

Following the talks in Riyadh, the White House issued two separate statements: one on the outcome of talks with Russia and the other with Ukraine. The content of the two texts is the same that the parties agreed to return to safe navigation, eliminate the use of force, and not use commercial vessels for military purposes in the Black Sea. It also stated that the parties agreed to develop measures to ensure compliance with the moratorium on strikes against energy facilities and to continue working towards achieving a durable and lasting peace.

Russia in its statement said that it would agree to a Black Sea ceasefire only if a number of conditions were met. The West must lift sanctions against Rosselkhozbank (the state-owned Russian Agricultural Bank) and reconnect it and other Russian banks involved in the food trade to the SWIFT international payment system. This kaleidoscope of divergent positions was clear when the Ukrainian Defense Minister Rustem Umerov and President Volodymyr Zelenskyy suggested that Ukraine knew nothing about Russia's condition that sanctions should be lifted. As far as Kyiv is concerned, the ceasefire in the Black Sea is already in effect and applies not only to ships, but also to ports. The moratorium on strikes against energy facilities, according to the Ukrainian side, has been in effect since 25 March.

Russia's Stance

The talks were meant to be a prologue to peace. But it seems that Russia is making it clear that it is the US who is pressing for a quick ceasefire, implying that President Putin is in a strong position and can dictate terms while continuing to use violence as leverage against Ukraine. There is also a feeling that Ukraine's fighting reserves will dwindle from early summer, since it is highly unlikely that the Trump administration will agree another military aid package for Kyiv. Europe struggles to fill the gap.

There will be goodwill gestures, along with minor concessions like the energy ceasefire, to keep Trump's belief in Russian commitment to negotiations alive. For Russia, conditions are favourable with relations with the US shifting from deeply antagonistic under President Joe Biden to friendly under Trump.

Since his return, Trump has demonstrated that he is ill-disposed to Ukraine and is ready to negotiate directly with Russia, excluding both Ukraine and its European partners, and, if necessary, force President Zelenskyy into accepting US demands.

Following the Oval Office meeting with President Trump, Ukraine has taken steps to mend relations with the US administration by accepting a US proposal for a 30-day ceasefire, and most recently, a ceasefire on energy infrastructure.

Trump has also continued to demonstrate that he attaches little importance to NATO. Defense Secretary Pete Hegseth stated clearly that the US does not support NATO membership for Ukraine, a commitment from the Trump administration on a major Russian red line.

The waning of US support to Ukraine has created an opportunity for Putin to impose conditions that will weaken Ukraine's ability to resist over the long term, including limits on the size of the Ukrainian Army and preventing the deployment of European forces on Ukrainian territory. The US no longer considers the Russian regime an outright adversary and has refused to identify Russia as the aggressor and openly discusses 'enormous economic opportunities' and the prospect of normalisation, something that, until now, was unthinkable. Putin also recognizes that Trump faces little domestic opposition as the Democrats are currently unable to respond to Trump's assault on the Federal government and change in the US hard and soft power positions built up over decades. The net result is that the Russian President is in a position where he sees the opportunity to impose a Russian-designed peace settlement on Ukraine. Putin holds strong cards and Moscow's position is that it seeks a comprehensive agreement rather than interim measures. However, two key obstacles remain. The determination of Ukraine to reject a peace deal and keep fighting; and the readiness of a 'coalition of the willing,' led by France and the UK, to continue to provide economic and military support to Ukraine.

Russia's Approach to Negotiations

Though President Trump in his address to Congress said that Russia has sent 'strong signals that they are ready for peace.' But Russia's fundamental objectives remain unchanged. No NATO membership for Ukraine; recognition of Russia's annexation of four provinces; Ukraine's demilitarization and denazification; and the lifting of sanctions.

Russia's Deputy Foreign Minister Sergei Ryabkov has said that Russia cannot accept US proposals to end the war in Ukraine in their current form because they do not address problems that Moscow regards as having caused the conflict. He suggested that Moscow and Washington have so far been unable to bridge differences, which Russian President Vladimir Putin raised when he said US ceasefire proposals needed reworking.

In the Kremlin's s statement, issued after the call, Putin underlined the need to stop military assistance and intelligence sharing to Ukraine. This was justified as a means to prevent an 'escalation of the conflict and work towards resolving it by political-diplomatic means.'

Trump is clearly not yet ready to make this concession, even though he stopped and then restored both military aid and intelligence provision to persuade Kyiv to accept a ceasefire. Nevertheless, Putin has set the expectation that a halt in US military support for Ukraine is a prerequisite for an agreement. Later, while visiting Russia's newest nuclear submarine, the Arkhangelsk, on 27 March, President Vladimir Putin said that a temporary administration should be installed in Ukraine to lead the country to elections. Feeling relatively secure in its current position and ready to exploit the US administration's stated commitment to ending the war through diplomacy, Russia has two options. Either continue hostilities or attempt to gain an advantage through diplomatic means. For Ukraine, the fear is if a comprehensive ceasefire takes place, Russia will treat it as an operational or strategic pause, to strengthen its position before launching a decisive strike.

Agriculture Exports

Though, Washington commits to 'help restore Russia's access to the world market for agricultural and fertilizer exports,' the problem is that there are no formal sanctions against Russian food producers and exporters. Moscow obtained exemptions from the sanctions regime for food and fertilizers back in 2022.

But despite the official exemptions from the restrictions, Western Companies avoid doing business with Russians because of compliance costs and the risk of sanctions. This has pushed up transaction costs as not all ports want to accept Russian cargo and it is difficult to find cargo ships and insurers.

Moscow needs to get restrictions lifted on access to Western financial infrastructure: insurance, logistics, and payment systems. And the key is the lifting of restrictions against Rosselkhozbank, which would therefore significantly simplify Russia's foreign trade operations. Bloomberg reported on 28 March that Russia is demanding that the EU reconnect the Rosselkhozbank to the SWIFT international banking system as a precondition to implementing a Black Sea ceasefire.

However, SWIFT falls under the jurisdiction of Belgium, and it must comply with EU laws. For Russia to reenter SWIFT and reestablish corresponding banking relationships, the EU will need to be involved. The Trump administration would have to put pressure on Europe.

The US has a long history of leveraging economic power and restrictive economic measures to advance its national security objectives. It also has a history of offering sanctions relief as a bargaining tool in negotiations to achieve its desired end states. Sanctions and the economic pain they inflict can effectively bring an adversary to the negotiating table, and sanctions relief can often get the adversary to agree to a deal.

Conclusion

Presently, there seems to be far too many 'moving parts' in the ceasefire talks, the pace of which seems to be slowing down. The US brokered moratorium is also not working due to multiple reports of violation.

But the positive fact is that talks have commenced and diplomacy is now back at the guiding principle which is evident from the appointment of the Russian Ambassador Alexander Darchiev to Washington.

In addition, Kirill Dmitriev, Putin's investment envoy, stated he saw a 'positive dynamic' in relations between Moscow and Washington after holding two days of meetings in Washington, but said more meetings were needed to sort out differences.

The other green shoots in the relationship are President Vladimir Putin agreeing to mediate a new nuclear agreement between the US and Iran after reportedly being asked to by President Donald Trump on a phone call in February. In a meeting hosted by Saudi Arabia, US Secretary of State Marco Rubio allegedly followed up on the President's request with his Russian counterpart, Foreign Minister Sergey Lavrov. President Putin now seems to be in a position where he sees the opportunity of imposing a Russian-designed peace plan as Trump's administration has shown itself to be comfortable with a global order where great powers dictate terms to smaller countries, and seek to expand into others' territory, with the US openly questioning the sovereignty and borders of allies and neighbours like Greenland, Panama and Canada.

By giving little ground, Russia seems ready to prolong negotiations while its Army continues its battlefield advances using negotiations as a tool to accelerate victory, setting conditions that will later become part of a final agreement. For Ukraine, which is suffering from violence of conflict, peace remains its greatest aspiration. They are also eager to see a deal that would protect Black Sea shipping, particularly 'the cessation of shelling of Ukrainian ports, Odesa, Kherson and Mykolaiv.' However, the credibility and reliability of any peace arrangements are absolutely critical. However, a ceasefire is important as that's a scorecard of generational consequence.

rajeshsharma1049@gmail.com

#HEALTH

Pregnant? Watch Your Medicines

If you are pregnant, planning to become pregnant, you must understand the risks involved with taking teratogenic drugs.

One in 16 pregnant women take harmful teratogenic drugs, a review of more than 3 million pregnancies shows. Teratogenic drugs can cause pregnancy loss, birth defects, and other health problems for the unborn child. The new findings highlight the need for women and their providers to carefully examine medications taken during pregnancy.

"If you are pregnant, planning to become pregnant, you must understand the risks involved with taking teratogenic drugs," says study author Almut Winterstein, professor and chair of the department of Pharmaceutical Outcomes and Policy in the University of Florida College of Pharmacy, part of University of Florida Health.

"Talk with your provider about your medications and review drug labels to ensure that the medications you are taking are not putting your unborn child at risk," says Winterstein, who also directs the Center for Drug Evaluation and Safety.

A teratogen is a substance that interferes with the normal development of a fetus. Hundreds of such drugs have been identified, including medications to treat seizures, migraines, obesity, acne, hypertension, bipolar disease, and cancer.

For the study in the *American Journal of Obstetrics and Gynecology*, the researchers investigated more than 200 teratogenic drugs and evaluated their exposure among 3.4 million pregnancies identified in a national private insurance database from 2006 to 2017. Prenatal exposure was defined by the mother taking at least one teratogenic drug during pregnancy.

Using teratology drug databases, the medications were separated into two classes based upon their known teratogenic effect. About 140 drugs were known to have definite teratogenic effects, and another 65 were identified as having potential teratogenic effects. The proportion of pregnancies with exposure to definite teratogens decreased slightly over the 12-year study period from 1.9% to 1.2%, while exposures for potential teratogens increased from 3.4% to 5.3%.

"While declining exposure rates among teratogenic drugs with definite risk are encouraging, the rising prenatal exposure to drugs with potential risk calls for more assessment," Winterstein says. "To have 1 in 16 women and their unborn baby exposed to a teratogenic medication is simply too high, and we must identify strategies to improve pregnancy outcomes."

The researchers also examined age and risk for prenatal exposure to teratogenic drugs and found that teenagers and women in their 40s had the greatest risk. Winterstein says both of these groups are known to have more unintended pregnancies and the drug exposure may have been accidental, which points to the need for more information about effective birth control and family planning when using teratogenic drugs. The researchers were particularly interested in prenatal exposure during more recent years, following the enactment of the FDA Amendment Act of 2007. That legislation allowed the US Food and Drug Administration to require drug manufacturers to implement a risk evaluation and mitigation strategy for certain medications with serious safety concerns.

Those mitigation strategies are designed to reinforce safe medication-use behaviours, such as a pregnancy test before a teratogenic drug is started. Only a few medications require this extra safety precaution.

The researchers found the 12 drugs with mitigation protocols in the study to be used infrequently and contributed to only a small portion of prenatal exposures. The study's authors conclude that more research and regulatory action are needed to optimize the use of medications during pregnancy.

"There is much to do to address the evidence available regarding the risk-benefit of many drugs during pregnancy, and the availability of adequate risk-mitigation programs that ensure that pregnancies are not unnecessarily exposed to teratogenic drugs," Winterstein says.

"In the meantime, women and their providers must rely on the written information that is provided about the teratogenic risk for drugs during pregnancy."

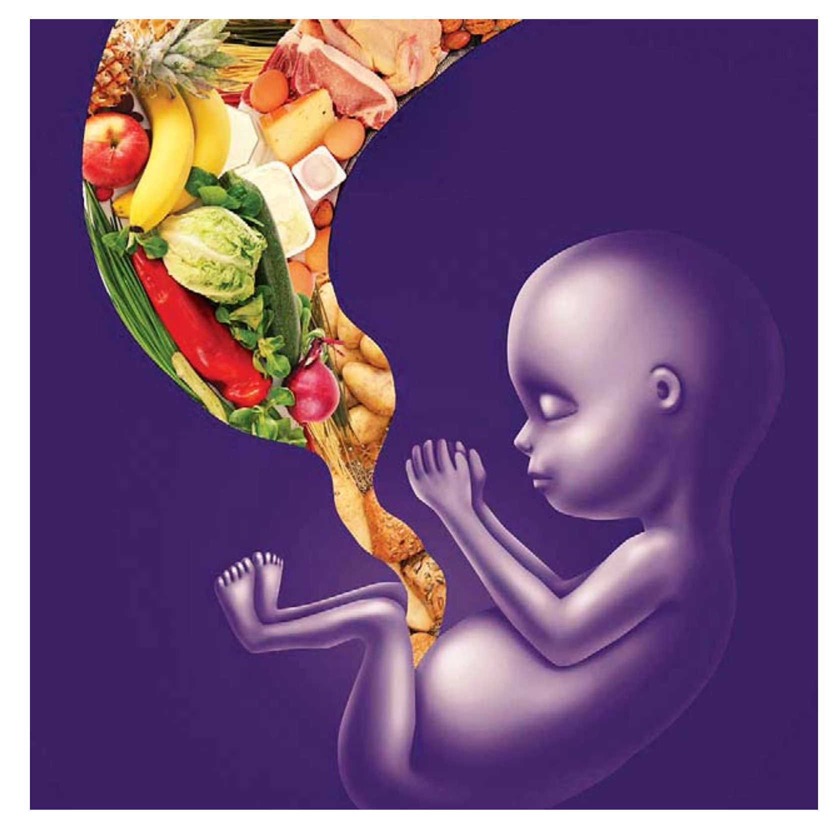

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

अजमेर : जे.एल.एन. अस्पताल के रेजिडेंट की पेन डाउन हड़ताल शुरू

उदयपुर में रेजिडेंट डॉक्टर की मौत मामले में रेजिडेंट डॉक्टर पेन डाउन हड़ताल पर गए

अजमेर, (कासं)। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर बुधवार से पेन डाउन हड़ताल पर चले गए हैं। उदयपुर मेडिकल कॉलेज में वाटर कूलर में करंट लगने से रेजिडेंट डॉक्टर रवि शर्मा की मौत के विरोध में रेजीडेंट डॉक्टर्स आंदोलनरत हैं। मृतक डॉक्टर के परिवार को न्याय, सहायता और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

चिकित्सकों ने जेएलएन अस्पताल परिसर के गार्डन में मरीजों को देखा।

रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिलराज मीणा ने बताया कि चार दिन से रोज दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर सांकेतिक विरोध किया जा रहा था, लेकिन सरकार द्वारा कोई संतोषजनक समाधान नहीं दिया गया, जिससे मजबूर होकर बुधवार से सभी डॉक्टर पेन डाउन हड़ताल पर हैं। सभी रेजिडेंट डॉक्टर आपातकालीन ईकाई के बाहर एकत्रित हुए और मृतक साथी डॉक्टर रवि शर्मा को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विरोध प्रदर्शन करते हुए अस्पताल प्रशासन व राज्य सरकार से जल्द से जल्द मांगें पूरी करने की चेतावनी दी। रेजिडेंट डॉक्टरों की प्रमुख मांग है कि जिस लापरवाह अधिकारी के कारण डॉ. रवि शर्मा की जान गई, उस पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हेराफेरी करने वालों पर भी कार्रवाई की जाए। मृतक डॉक्टर के परिवार को सहायता राशि व सरकारी नौकरी देने की भी मांग की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि सरकार जल्द उनकी मांगें मान लेती है तो वे हड़ताल वापस ले लेंगे।

गार्डन में लगाई ओपीडी, देखा मरीजों को :-डॉ. दिलराज मीणा ने बताया कि संपूर्ण कार्य बहिष्कार के चलते जेएलएन अस्पताल में आने वाले मरीजों को कोई परेशानी न हो इसके मद्देनजर रेजिडेंट चिकित्सकों ने अस्पताल के गार्डन में ही ओपीडी लगाई और इमरजेंसी सर्विस में सभी मरीजों को इलाज दिया, जिससे हड़ताल के कारण किसी भी मरीज को चिकित्सा सुविधा के लिए परेशानी न उठानी पड़े।

अवकाश रद्द किए :-जेएएलन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल को देखते हुए सभी कार्मिकों के अवकाश रद्द कर दिए हैं। डॉ. सामरिया व डॉ. खरे लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सीनियर और सीनियर रेजिडेंट्स को मरीजों को चिकित्सा देने के लिए तैनात कर दिया है, सीनियर चिकित्सकों ने व्यवस्थाओं को संभाला है।

डॉ. शर्मा की मौत पर ब्राह्मण समाज ने उठाई न्याय की मांग : महाराणा भूपाल अस्पताल में कार्यरत रेजिडेंट डॉक्टर रवि शर्मा की करंट लगने से हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बुधवार को ब्राह्मण समाज ने जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष नरेश मुदगल ने बताया कि पूर्व में भी वाटर कूलर में करंट आने की शिकायतें की गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही के चलते डॉक्टर की दर्दनाक मौत हुई। आरोप है कि प्रशासन ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हेराफेरी की। ब्राह्मण समाज ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए, साथ ही डॉ. शर्मा के परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

सायबर ठगों को खाते उपलब्ध कराने वाले दो जने गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। सायबर थाना पुलिस ने ठगों को फ्रॉड की राशि के लिए खाते उपलब्ध करवाने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों ने ऑनलाइन ठगी करने वाले ठगों को करीब 25 से 30 खाते उपलब्ध करवाए थे। वहीं एक खाते में फ्रॉड के 82 लाख रुपए आने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

■ एक खाते में 82 लाख आने पर मामला खुला, दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी

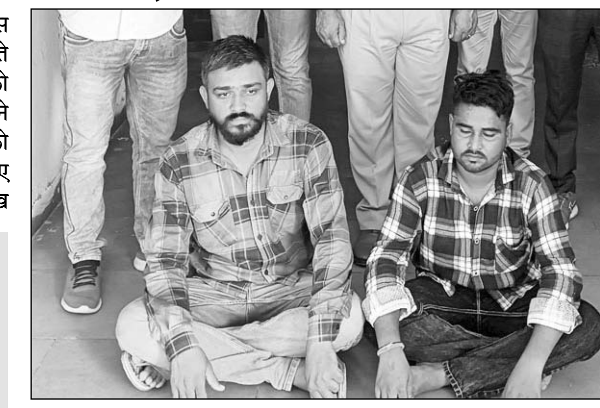

सायबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सायबर थाने के थानाधिकारी गिरधारीलाल ने बताया कि डूंगरपुर जिले के बथडी निवासी लालशंकर रोत ने सायबर थाने में 19 जून को एक रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि नवम्बर 2024 में उसके गांव का विक्रम मालीवाड अपने 3 साथियों के साथ घर पर आया था। जिसने एक स्कीम में पैन कार्ड मुफ्त में मिलने की बात बताई थी, जिसके लिए एक खाता खुलवाने के लिए कहा था। जिस पर विक्रम और उसके साथियों ने मेरे नाम से एक सिम खरीदी और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एक खाता खुलवाया। वहीं, उस खाते की बैंक डायरी, एटीएम व चेक बुक अपने पास रख ली। साथ ही जल्द ही पैन कार्ड आने की बात कही थी। कुछ दिन पहले लालशंकर बैंक गया और खाते का स्टेटमेंट मांगा तो बैंक वालों ने बताया कि तुम्हारे खाते में 82 लाख रुपए का संदिग्ध लेनदेन हुआ है। जिसके चलते खाते को फ्रीज कर दिया है। जिसके बाद लालशंकर ने आरोपी विक्रम मालीवाड, उसके साथ महावीर सिंहए घनश्याम कलाल और एक बैंक कार्मिक कौशल प्रजापत के खिलाफ धोखाधडी की रिपोर्ट सायबर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी महावीरसिंह व विक्रम मालीवाड को डिटेन कर पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि दोनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर लालशंकर सहित अन्य करीब 25 से 30 लोगों को पैन कार्ड व लोन दिलाने के नाम पर खाते खुलवाए और मोटा कमिशन लेकर उन खातों को ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले सायबर ठगों को दिए थे। वहीं, लालशंकर के खाते में भी फ्रॉड की राशि जमा हुई है। जिस पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है। सायबर थाना पुलिस आरोपियों से पूछताछ के साथ अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है।

सायबर थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने गरीब और अनपढ़ लोगों को झांसे में लेकर उनके खाते खुलवाए। ये खाते सायबर ठगों को दे दिए। ठगों ने देशभर में 8 लोगों से ठगी की 1 करोड 61 लाख 19 हजार 919 रुपए की राशि डलवाई। जिसमें से 82 लाख रुपए रुपए की राशि सिर्फ एक खाते ने डाली गई। हालांकि पुलिस उन खातों की जांच कर रही है। पुलिस मामले में ठगों के सरगना तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

प्रदेश के दो बी.एड. कॉलेजों को लेकर आर.टी.आई. में खुलासा

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के दो बीएड कॉलेजों को लेकर आरटीआई में शिक्षा विभाग ने माना कि दोनों सरकारी बीएड कॉलेज उनके अधीन नहीं हैं। बावजूद इसके शिक्षा विभाग सिर्फ बिल्डिंग के कारण इन दोनों कॉलेजों को छोड़ना नहीं चाहता। बचाने के लिए ना सिर्फ अपना स्टाफ लगाया, बल्कि यहां एनटीटी कोर्स भी शुरू कर दिया।

■ शिक्षा विभाग ने माना कि दोनों सरकारी बीएड कॉलेज उनके अधीन नहीं हैं

बीकानेर के सरकारी बीएड टीटी कॉलेज की मान्यता रद्द हो गई। इसलिए वहां एडमिशन नहीं हो रहे। इसकी वजह कि यहां जो स्टाफ है वो स्कूली शिक्षा स्तर का है, जबकि बीएड के स्टूडेंट्स के लिए कॉलेजों में पढ़ाने लायक शिक्षक चाहिए। स्कूल शिक्षा ऐसे शिक्षकों की भर्ती कर नहीं सकता, इसीलिए एनसीटीई ने इसकी मान्यता रद्द हो गई। यहां बीएड में एडमिशन नहीं हो सकते। इसका अब एक ही रास्ता बचता है कि बीकानेर के कॉलेज को उच्च शिक्षा विभाग या महाराजा गंगासिंह विवि और अजमेर वाले को एमडीएस विवि के अधीन दे देना चाहिए ताकि दोनों सरकारी कॉलेज बच सके। अगर शिक्षा विभाग के अधीन रहे तो दोनों ही कॉलेजों पर ताला लगने की नौबत आ जाएगी। हैरानी की बात ये है कि शिक्षा विभाग आरटीआई में ये मान रहा कि ये कॉलेज उनके अधीन ही नहीं हैं। फिर भी इस कॉलेज को बचाने के लिए एनटीटी कोर्स और नया स्टाफ लगा रहा है। इसका सीधा सा मतलब निकाला जा रहा है कि शिक्षा विभाग सिर्फ बिल्डिंग बचाने के चक्कर में कोर्स और स्टाफ दे रहा है जबकि बीएड की मान्यता को लेकर शिक्षा विभाग को कोई चिंता नहीं। अगर यही रवैया रहा तो वो दिन दूर नहीं जब सरकारी बीएड कॉलेज का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। इस कॉलेज की मान्यता सितंबर 2022 में रद्द हो गई थी।

माधव गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र एवं गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री रावत

भीलवाड़ा, (निसं)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को भीलवाड़ा जिले के नौगांव स्थित माधव गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र एवं गौशाला का निरीक्षण किया। मंत्री रावत ने परिसर में स्थित श्री सांवलिया सेठ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान संस्थान के अध्यक्ष एवं गौ सेवा क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश द्वारा जल संसाधन मंत्री को संस्थान की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

■ जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने श्री सांवलिया सेठ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

■ रावत ने संस्थान में गौ संरक्षण, पंचगव्य चिकित्सा अनुसंधान, जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की

इस अवसर पर मंत्री रावत ने संस्थान में गौ संरक्षण, पंचगव्य चिकित्सा अनुसंधान, जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं वैदिक परंपराओं का प्रभावी संवाहक है। उन्होंने कहा कि संस्थान की प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख किया। पंचगव्य चिकित्सा अनुसंधान केंद्र में गौमूत्र, गोबर, दूध, दही एवं घी के उपयोग से आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कर विभिन्न रोगों के उपचार में सफलता प्राप्त की जा रही है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में जैविक खाद, कीटनाशकों एवं गौ-अमृत के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्थान का उद्देश्य गौपालकों एवं कृषकों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा सके। मंत्री रावत ने कहा कि यह केंद्र केवल एक गौशाला नहीं, बल्कि ग्रामीण नवाचार, पारंपरिक चिकित्सा एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक प्रेरणादायक मॉडल है। राज्य सरकार ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के अंत में मंत्री रावत ने संस्थान के कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और राज्य सरकार की ओर से यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंत्री रावत का स्वागत किया गया।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत का मंदिर की ओर से स्वागत किया गया।

बॉर्डर के जिलों में ''पोर्टेबल आरोग्य मैत्री भीष्म क्यूब'' स्थापित होंगे

बीकानेर, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान के बॉर्डर एरिया वाले जिलों के मेडिकल कॉलेजों में पोर्टेबल आरोग्य मैत्री भीष्म क्यूब स्थापित किए जाएंगे। इनमें 200 घायलों तक के उपचार के लिए सर्जिकल उपकरण और दवाएं होंगी। युद्ध जैसी स्थिति में इन्हें हवाई मार्ग से कहीं भी ले जाया जा सकेगा।

■ ''पोर्टेबल आरोग्य मैत्री भीष्म क्यूब'' में 200 घायलों का उपचार किया जा सकेगा

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय ने बीकानेर के एसपी मेडिकल कॉलेज में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित और मैत्री क्यूब स्थापित करने के लिए सहमति मांगी है। इसे आपातकालीन स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्वदेशी तकनीक से विकसित भीष्म क्यूब की तैनाती की पहल माना जा रहा है। यह क्यूब 200 घायलों के उपचार के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें दो क्यूब शामिल हैं, जिनमें 338 आवश्यक चिकित्सा उपकरण जैसे उन्नत ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट, सर्जिकल उपकरण, ऑपरेशन थिएटर, मिनी आईसीयू, वेंटिलेटर, पोर्टेबल डायग्नोस्टिक उपकरण और आरएफआईडी एकीकृत इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली शामिल है।

हाल के सीमा पर हमलों और आपातकालीन तैयारियों की आवश्यकता को देखते हुए बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में एक भीष्म क्यूब स्थापित करने का प्रस्ताव परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिया है। केंद्र सरकार इस क्यूब की खरीद, डिलीवरी और डॉक्टरों, नर्सों व पैरामेडिकल के प्रशिक्षण का पूरा खर्च वहन करेगी। इसे मिनटों में तैनात किया जा सकता है, जिससे संकट के बाद महत्वपूर्ण 'गोल्डन ऑवर' के दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सकती है।

उन्नत चिकित्सा उपकरण - पोर्टेबल वेंटिलेटर, मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर और सर्जिकल उपकरणों सहित चिकित्सा आपूर्ति की एक व्यापक श्रेणी से सुसज्जित है।

डॉ. गुंजन सोनी, प्रिंसिपल, एसपी मेडिकल कॉलेज बीकानेर का कहना है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय का पत्र आया है। भीष्म क्यूब को लेकर विस्तृत दिशा निर्देशों का इंतजार है। इससे आपात परिस्थितियों में घायलों को तत्काल उपचार मिल सकेगा।

शराब ठेके में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में ब्यावर मार्ग स्थित एक वाइन शॉप में चोरों ने खिड़की तोड़कर अंग्रेजी शराब की बोतलें और नगदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात का पता सुबह सेल्समैन के शॉप पहुंचने पर चला। सेल्समैन ने बताया कि सुबह जब वह शॉप पर पहुंचा और शॉप का लॉक खोला तो अंदर शराब की बोतलें बिखरी पड़ी थी। खिड़की टूटी मिली। कैश काउंटर में रखी नकदी भी गायब थी। सेल्समैन की सूचना पर मांडल पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात की जानकारी लेते हुये कार्रवाई शुरु की। पुलिस वारदात स्थल के आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों से पूछताछ शुरु की। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

■ पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की

साठ लाख रुपये की शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

दो अलग-अलग वाहन पिकअप ट्रोला में भरी मिली शराब को जब्त किया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल पुलिस ने बुधवार को अवैध अंग्रेजी शराब के 413 कार्टून जब्त कर तस्करी में प्रयुक्त दो अलग-अलग वाहन पिकअप ट्रोला को जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उक्त बरामद अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत साठ लाख रूपये आंकी गई है। तस्करी में प्रयुक्त जब्त पिकअप ट्रोलों की कीमत बीस लाख रूपये है।

पुलिस ने शराब सहित आरोपियों को पकड़ा।

जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत हाइवे नाकाबंदी, संदिग्ध स्थानों एवं वाहनों की संघन तलाशी ली जाकर जिला पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। मोटाराम गोदारा अति. पुलिस अधीक्षक, जालोर एवं अन्नराजसिंह राजपुरोहित आरपीएस वृताधिकारी वृत भीनमाल, के निकटतम सुपरविजन में रामेश्वर भाटी निपु. थानाधिकारी पुलिस थाना भीनमाल के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए रात्रि को मुखबिर की सूचना पर थाने के सामने नाकाबंदी कर दो वाहन पिकअप ट्रोलों को रूकवाकर चालकों के नाम पता पूछकर तलाशी ली गई तो प्रथम वाहन पिकअप में अवैध शराब भरे तमाम कॉर्टूनों को नीचे उतारकर गिनती की गई, तो इनकी तादाद 203 कॉर्टून अंग्रेजी शराब व बीयर एवं द्वितिय पिकअप ट्रोला में भरे कॉर्टूनो को नीचे उतार कर गिनती की गई तो इनकी तादाद 210 कॉर्टून अंग्रेजी शराब व बीयर राजस्थान निर्मित बरामद किये गये। वहीं पिकअप चालकों व पास वाली सीट पर बैठे जालमसिंह पुत्र उतमसिंह निवासी कोडका पुलिस थाना करडा, सुरेश कुमार पुत्र गणेशाराम निवासी कोडका, पुलिस थाना करडा व कृष्ण कुमार पुत्र बगदाराम देवासी, निवासी कोडका, पुलिस थाना करडा, द्वारा बिना लाईसेंस व परमिट के अवैध राजस्थान निर्मित शराब कब्जे में रखकर परिवहन करने पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। आरोपियो ने आबकारी शराब परिवहन संबंधित फर्जी मिमो बनाया जाकर बिना परमिट के अवैध शराब परिवहन की गई।

आना सागर चौपाटी स्ट्रीट वेंडर को अदालत बड़ी से राहत मिली

अजमेर, (कासं)। न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नगर उत्तर अजमेर की न्यायाधीश तृप्ति जैन ने आना सागर चौपाटी के स्ट्रीट वेंडर को बड़ी राहत प्रदान करते हुए 30 जून 2025 तक अस्थाई निषेधाज्ञा आदेश जारी कर राज्य सरकार जरिए जिला कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त को पाबंद फरमाया है।

आना सागर चौपाटी के स्ट्रीट वेंडर को कोर्ट ने राहत दी।

■ अस्थाई निषेधाज्ञा आदेश जारी करने के आदेश जारी किये

आनासागर चौपाटी के 32 स्ट्रीट वेंडर की ओर से पेश याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिका कर्ताओं के अधिवक्ता संजीव रोहिल्ला, विवेक पाराशर, रानू व्यास, उदय सिंह शेखावत के तर्कों से सहमत होते हुए अंतरिम निषेधाज्ञा जारी करने के आदेश दिए, जिसकी दस्ती भी तत्काल ही याचिकाकर्ताओं व नगर निगम को प्रदत्त की गई है। याचिकाकर्ताओं द्वारा अदालत में वादपत्र व अस्थाई निषेध आज्ञा का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत न्यायालय से याचिकार्ताओं ने ये अनुतोष चाह की उन्हें यथा स्थान वंडर जॉन नई चौपाटी रीजनल कॉलेज के सामने अपना व्यापार व्यवसाय का संचालन करने दे और उनके व्यापार, व्यवसाय में नगर निगम व राज्य सरकार के अधिकारीगण व कर्मचारीगण ठेकेदार असाइनिज को दखलअंदाजी नहीं करने के लिए पाबंद करने व उनके व्यवसाय में किसी प्रकार की बाधा अड़चन, रुकावट, अवरोध डाले बिना संचालन करने दे तथा उनके वेन ठेले इत्यादि को किसी भी प्रकार से न जप्त करें न जप्त करावे तथा नियम अनुसार माहवारी शुल्क किराया जमा कर नवीनीकरण करे। उक्त मामले में न्यायाधीश तृप्ति जैन ने सुनवाई करते हुए स्ट्रीट वेंडर की याचिका को अंतरिम तौर पर स्वीकार करने के आदेश पारित किया, जिससे स्ट्रीट वेंडर को अदालत से बड़ी राहत मिली है।

याचिकाकार्ताओं कि अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि याचिकाकार्ताओं द्वारा विधिवत रूप से अपने व्यवसाय का पंजीकरण करवा रखा है और उसे संबंध में तमाम शुल्क नियमानुसार जमा करवाया जा रहा है तथा फूड लाइसेंस भी प्राप्त कर रखा है और पिछले 8 वर्षों से बतौर स्ट्रीट वेंडर उक्त वेंडिंग जॉन नई चौपाटी रीजनल कॉलेज के सामने अपना व्यापार व्यवसाय का संचालन किया जा रहा है। याचिकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने अदालत में याचिकर्ताओं के शैक्षणिक दस्तावेज भी पेश किया, जिसमें बताया गया कि कई स्ट्रीट वेंडर स्नातक व स्नातकोत्तर हिंदी में अंग्रेजी माध्यम से डिग्री होल्डर है, बावजूद बेरोजगारी से परेशान होकर स्ट्रीट वेंडर का काम करने को मजबूर में विवश है, उसके बावजूद उन्हें कार्य करने से अधिकृत लाइसेंसधारी ने शुल्क जमा करने में बिजली के बिलों का भुगतान करने कचरा संग्रहण की राशि जमा करने वह तमाम शुल्क अदा करने के बावजूद भी उनकी आजीविका के अधिकार से रोका जा रहा है तथा प्रशासन द्वारा जो भारत सरकार के विधि पर न्याय मंत्रालय द्वारा पारित अधिनियम पत्र विक्रेता जीविका संरक्षण और पाठ विक्रय विनियमन अधिनियम 2014 के प्रावधानों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही है, जबकि अधिनियम में प्रावधान है कि किसी भी स्ट्रीट वेंडर को 30 दिन के नोटिस दिए बिना बिना उचित कारण के नहीं हटाया जा सकता न ही उन्हें कहीं शिफ्ट किया जा सकता है।

इस संबंध में याचिकाकार्ताओं कि अधिवक्ताओं ने निगम पर आरोप लगाया कि पथ विक्रेताओं के संबंध में कमेटी बनाने का भी प्रावधान है जिसमें 40 प्रतिशत सदस्य स्ट्रीट वेंडर्स के होने जरूरी है, जबकि आज तक ऐसी कोई कमेटी स्ट्रीट वेंडर को साथ लेकर आज तक नहीं बनाई गई है उक्त वेंडरों के अधिकारों को संरक्षित करने के लिए उनकी आजीविका यह भी प्रावधान है कि उनकी आजीविका उनके जीवन स्तर में सुधार करने का प्रयास सरकार में प्रशासन को करना चाहिए और उन्हें किसी प्रकार की हानि नहीं होने दी जानी चाहिए और यदि उन्हें किसी प्रकार की हानि होती है तो उसकी क्षतिपूर्ति का भी प्रावधान है, अधिनियम में पथ विक्रेताओं को पहचान पत्र जारी करने उनकी सामाजिक सुरक्षा करने और कल्याणकारी स्कीम बनाने व उनका बीमा करने का भी प्रावधान है, लेकिन उनका कल्याण करने की बजाय प्रशासन उनके अनर्थ करने पर जुटा है ऐसे में याचिकर्ताओं ने मजबूर होकर अदालत की शरण लेनी पड़ी प्रकरण की आगामी सुनवाई 30 जून 2025 को नियत की गई है।

विदेशी पिस्टल सहित एक गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक विदेशी पिस्टल सहित 13 जिंदा कारतूस बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में हथियार तथा कारतूस जीतू जोड़ी एवं प्रवीण जोड़ी से लेना सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस मामले आरोपी से पूछताछ कर रही है। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि गश्त के दौरान एजीटीएफ टीम चूरू की सूचना पर तारानगर पुलिया के पास आरोपी सुभाष सिंह राजपूत निवासी महलाना उतरादा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक विदेशी पिस्टल 13 जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने मामले मेंआर्म्स एक्ट तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस सम्बन्ध में ए जी टी एफ़ प्रभारी आईपीएस निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि बदमाशों को सहयोग करने संपर्क में रहने और उनको फॉलो करने वालों की सूची तैयार की जा रही है तथा तथा ऐसे लोगों पर पुलिस कड़ी निगरानी रखे हुए हैं जिनके खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है की हमारे पूजनीय **श्री प्रदीप कुमार भारद्वाज** का निधन मंगलवार दिनांक 24.06.2025 को हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार गुरुवार दिनांक 26.06.2025 को प्रातः 11 बजे हीरापुरा शमशान घाट पर होगा एवं तीये की बैठक शुक्रवार दिनांक 27.06.2025 को सांय 4 से 5 बजे क्लब हाऊस, प्लेटिनम अमलटास, कनकपुरा, सिरसी रोड, जयपुर पर रखी गई है।
शोकाकुलः समस्त भारद्वाज परिवार 7425809599

खोया पाया

मेरे RHB प्लॉट नंबर 68/289 प्रताप नगर, सांगानेर के समस्त कागज कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करे। त्रिलोक चंद अग्रवाल 9999457401

मेरे मकान 232/22 प्रताप नगर सांगानेर का मूल आवंटनपत्र न.3570, मालवीय नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें- मनीष 7792835859

मेरे मकान सं. 85/262, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 9414778643

I, Ajay Jain s/o Late Shri Rajendra Jain, r/o A-6, Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur, have lost the original Share Certificate and Allotment Letter of my Flat no. 121 (Membership No. 69), Sitaram Co-Operative Group Housing Society, Plot No. 102, Sita Ram Apartments, IP Extension, Delhi 110092 at Amrapali Marg, Vaishali Nagar, Jaipur. If anyone finds the file containing these papers kindly return at the above mentioned address and contact me on 9829050908.

I, Abhay Jain s/o Late Shri Rajendra Jain, r/o A-6, Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur, have lost the original Share Certificate and Allotment Letter of my Flat no. 224 (Membership No. 76), Sitaram Co-Operative Group Housing Society, Plot No. 102, Sita Ram Apartments, IP Extension, Delhi 110092 at Amrapali Marg, Vaishali Nagar, Jaipur. If anyone finds the file containing these papers kindly return at the above mentioned address and contact me on 9829050908.

दो आरोपी सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। जोबनेर पुलिस ने सरपंच पति को गोली मारकर जान से खत्म करने की धमकी देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी जोबनेर सुहेल खान ने बताया कि पुलिस थाना जोबनेर व गोविन्दगढ मे दर्ज हत्या के प्रकरणों में जेल में बंद आरोपी सूरज कुमावत व मुकेश मांडिया तथा पोक्सो एक्ट प्रकरण में जेल में बंद आरोपी ओमप्रकाश जाखड की सेन्ट्रल जेल में बंद होने के दौरान तीनों की आपस मे जानकारी हो गई थी तथा बाद में आरोपी ओमप्रकाश की जमानत होने पर जेल से बाहर आ गया था। सेन्ट्रल जेल में बंद आरोपी सूरज कुमावत व मुकेश मांडया द्वारा दिनांक 19/06/2025 को सेन्ट्रल जेल की एसटीडी से जमानत पर चल रहे मुल्जिम ओमप्रकाश पुत्र मन्नाराम जाट निवासी भूरा जाखड की ढाणी तन जोरपुरा थाना जोबनेर जिला जयपुर के मोबाईल फोन से कॉल डायवर्ड कर सरपंच पति आनन्दीलाल कुमावत के मोबाईल फोन पर फोन कर कहा कि दो दिन से तेरे पीछे केम्पर लगी हुई है। आरोपियों ने कहा कि 17 लाख रूपये ले लो और तुम्हारी जमीन की रजिस्ट्री करा दो नही तो 2-3 रोज के अन्दर गोली मार कर खत्म कर दिया जावेगा, जैसे शौकान कुमावत के गोली मारी थी वैसे ही गोली मारकर खत्म कर दिया जायेगा। पुलिस थाना जोबनेर पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए जान से मारने की धमकी देने वाले दो आरोपियों सूरज कुमावत व मुकेश कुमार मांडिया को प्रोडेक्शन वारण्ट पर जेल से प्राप्त कर बाद पूछताछ जुर्म प्रमाणित पाया जाने पर गिरफ्तार किया गया तथा तीसरे सह आरोपी ओमप्रकाश कुमावत जो जेल से पोक्सो के मामले में जमानत पर चल रहा था को डिटेन कर पूछताछ की तो वारदात में स्वयं के मोबाइल से जेल में बंद आरोपियों की कॉल डायवर्ट सरपंच पति के मोबाइल पर करके सहयोग करना पाया गया जिस पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

जोबनेर पुलिस ने सरपंच पति को गोली मारकर जान से खत्म करने की धमकी देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बेसहारा परिवार को आर्थिक सहायता

श्रीमाधोपुर । निकटवर्ती ग्राम हांसपुर (श्रीमाधोपुर) में सगे भाई शंकर व सुभाष की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी ऐसे में आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार की सर्व समाज के मानवतावादी सहयोग कर्ताओं ने आर्थिक संबल प्रदान किया। समाजसेवी विमल कुमार पबडी श्रीमाधोपुर ने बताया कि शंकर व सुभाष बहुत ही गरीब परिवार से थे जो मजदूरी करके बच्चों का पालन पोषण कर रहे थे एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई थी उनकी मृत्यु के बाद उनकी विधवा पत्नियों के ऊपर सारी जिम्मेदारी आ गई थी ।

इस खबर को सोशल मीडिया पर पढ़कर स्थानीय ग्राम वासियों ने व सर्व समाज के सदस्यों ने एक आर्थिक सहायता के लिए एक मिशन चलाया जिसमें लगभग 676 सहयोग कर्ताओं के सहयोग करने के बाद रुपए 5 लाख 61 हजार की राशि एकत्रित कर 25 जून बुधवार को सर्व समाज के सदस्यों व स्थानीय ग्रामीणों ने सुभाष एवं शंकर को श्रद्धांजलि अर्पित करके स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी में पीडित परिवार को राशि सौंप दी । इस राशि में प्रत्येक बच्चों के नाम एफडी करवा दी गई शेष बची राशि बूढी मां को दे दी गई । मिशन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहयोग कर्ताओं को ठाम वासियों ने बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण प्रकाश शर्मा पुत्र कल्याणमल शर्मा, श्रीमती संतोष देवी पत्नि प्रकाश शर्मा निवासी- प्लॉट नं. 02 भोमिया कॉलोनी हाज्यावाला सांगानेर जयपुर का पुत्र रिंकू शर्मा अपनी पत्नि नीरजा शर्मा से प्रताडित होकर तथा कभी- कभी उसकी बातो में आता रहता है तथा यह दोनो मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नही है इसलिये मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र रिंकू शर्मा व पुत्रवधु नीरजा शर्माको अपनी समस्त प्रकार की चल-अचल सम्पति में से बेदखल कर दिया है अब मेरे अभिभाष्यगण की सम्पति में उसके पुत्र व पुत्रवधु का कोई हक, हिस्सा, संबंध व सरोकार नही है जो भी व्यक्ति/फर्म/संस्था इनसे कोई लेनदेन, संव्यवहार करेगा वह स्वंय जिम्मेदार होगा इसमें मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नही होगी सूचित रहे। दिनांक - 26.06.2025 भवदीय
कीर्ति वर्मा एडवोकेट मो. 9351522910

आम सूचना दिनांकः 25.06.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सुभाष चन्द्र सोनी पुत्र श्री जगदीश प्रसाद सोनी निवासी-ग्राम निमेड़ा, तहसील खंडेला, सीकर, राजस्थान की पुत्री विजेता सोनी मेरे अभिभाष्य के कहे में नहीं है तथा अपनी हरकतों से मेरे अभिभाष्य व उसके परिवारजनों को हैरान परेशान करती आ रही है तथा मेरे अभिभाष्य की मान प्रतिष्ठा को धूमिल कर रही है। मेरे अभिभाष्य ने उक्त पुत्री विजेता सोनी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुये इससे अपने समस्त संबंध समाप्त कर लिये हैं तथा मेरे अभिभाष्य के सरकारी सेवा से प्राप्त होने वाले लाभ-परिलाभों से भी मेरा अभिभाष्य उक्त पुत्री विजेता सोनी को बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्य व उसके परिवारजनों के विजेता सोनी से किसी प्रकार का कोई संबंध सरोकार शेष नहीं रहा है विजेता सोनी के किसी भी सामान्य व आपराधिक कृत्य, निजी एवं उसके द्वारा वित्तीय संस्था, संघठनों व व्यक्तियान के साथ किये गये लेन देन, संव्यवहार आदि के लिए मेरा अभिभाष्य व उसके परिवारजन जिम्मेदार नहीं होंगे। सूचित रहे। भवदीय जे.पी. शर्मा
(एडवोकेट, राज. उच्च न्यायालय) 9829059070

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती द्रौपदी पत्नि स्व. श्री निहालचन्द मेठानी निवासी-प्लाट नं. 88बी, सिंधी कॉलोनी, ख्वासजी का बाग, दुर्गापुरा, टोंक रोड, जयपुर का पुत्र अनिल कुमार मेठानी गलत लोगों की संगत में रहने के कारण एवं मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं होने के कारण मेरी अभिभाष्या अपने पुत्र अनिल कुमार मेठानी को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती है तथा मेरी अभिभाष्या के पुत्र अनिल कुमार मेठानी के साथ जो कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का लेन देन, व्यवहार, व्यापार आदि करेगा तो उसके संबंध में मेरी अभिभाष्या एवं मेरी अभिभाष्या के परिवारजनों तथा मेरी अभिभाष्या के स्वामित्व की चल अचल सम्पत्ति के संबंध में कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। उसके लिए आप स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।
दिनांक-25/6/25 (श्रवण शर्मा) एडवोकेट मोबाइल 7891312141

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, झुन्झुनूं।
प्रार्थीया-इन्दुमती देवी बनाम अनिल कुमार वगैरह
आवेदन पत्र करवाये जाने पत्थरगढ़ी अः धारा 111, 128 भू-राजस्व अधिनियम 1956
मुकदमा नम्बर 103/2024

प्रेषित :-
1. अनिल कुमार पुत्र बनवारीलाल निवासी ग्राम गुढ़ागौड़जी पटवार हल्का गुढ़ागौड़जी, तहसील गुढ़ा, जिला झुन्झुनू (राज.)।
2. सुनिल वशिष्ट पुत्र बनवारी, निवासी ग्राम गुढ़ागौड़जी पटवारी हल्का गढ़ागौड़जी तहसील गुढ़ा, जिला झुन्झुनू (राज.)।
3. मन्दिर श्री रघनाथजी निवासी ग्राम गुढ़ागौड़जी पटवार हल्का गुढ़ागौड़जी, तहसील गुढ़ा, जिला झुन्झुनू (राज.)।

उक्त प्रार्थीया इन्दुमती देवी ने इस न्यायालय में यह प्रार्थना पत्र पेश किया है कि (नकल संलग्न है)
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए तारीख 23-07-25 को समय 10:00 बजे पुर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा।
यह तारीख 24.6.25 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।
मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी झुन्झुनू (राज)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर (सीकर)
क्रंमाक-राजस्व/2025/2306 दिनांक-18/6/2025
अभिवन छावल पुत्र कानाराम जाति मीणा निवासी पोस्ट आफिस के पास, नरेड़ी मौहल्ला ग्राम अजीतगढ़ तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर
उनवानी प्रकरण- बिशन सिंह वगैरह बनाम अभिनव छावल वगैरह
प्रार्थना पत्र 251 (ए) आर.टी.एक्ट.
मुकदमा नम्बरः- 127/2024
आपको जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 (ए) आर.टी. एक्ट. बाबत् रास्ता खुलवाने निकलवाने बाबत् इस न्यायालय मे पेश किया हैं। जिसकी फोटो प्रति संलग्न प्रेषित कर लेख हैं कि प्रार्थी के द्वारा चाहा गया रास्ता आप अप्रार्थीगण काश्तकार से रास्ता लिया जाना हैं। जिसके सम्बन्ध में आप उक्त रास्ता या उक्त रास्ते के अलावा किस खसरा नम्बर से रास्ता आप देना चाहते है, स्पष्ट करें। यदि आप काश्तकार द्वारा कोई उचित रास्ता प्रस्तावित नही किया जाता है तो प्रार्थी के निकटतम और लघुत्तम रास्ता पटवारी द्वारा तैयार करवाकर प्रस्तावित कर दिया जावेगा।
इस सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति हो तो दिनांक 02/07/2025 को प्रातः 10:00 बजे आप स्वंय या अपने प्लीडर के द्वारा उपस्थित होकर वजह जाहिर करे, अन्यथा प्रकरण का निपटारा एकपक्षीय रूप से कर दिया जावेगा।
यह नोटिस आज दिनांक. व न्यायालय मोहर से जारी किये गये। 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर संलग्न :- उपरोक्तानुसार
मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर (सीकर)

'गंगा के किनारे की सड़क 100 फुट चौड़ी होगी'

भरतपुर (निस)। भरतपुर में गोवर्धन गेट से चौबुर्जा गेट बाया केतन गेट,गोपालगढ़, घोड़ा घाट सुजानगंगा नगर के किनारे की सड़क को 100 फुट चौड़ा करने को पुरातत्व विभाग की हरी झंडी। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने जिला कलेक्टर भरतपुर को पत्र लिखकर कहा है कि अष्टधातु गेट से चौबुर्जा गेट तक बाया केतन गेट, गोपालगढ़ और घोड़ा घाट तक सडक का चौडाई करण किया जाए ,संरक्षित स्मारक लोहागढ़ एवं सुजान गंगा के सारे निर्मित सड़क को 100फुट चौड़ा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए विभाग ने जिला कलेक्टर को सड़क चौड़ाइ करण की आवश्यकता बताई है पुरातत्व विभाग के अनुसार सुजान गंगा के चारों ओर सड़क विशेषकर अष्टधातु गेट से केतन गेट गोपालगढ़ चौबुर्जा होते हुए घोड़ा घाट, सुजान गंगा नहर के सारे बनी हुई सड़क संरक्षित क्षेत्र में आती है इस सड़क के सहारे निर्माण व सड़क पर भारी ट्रैफिक का दबाव है जिसके कारण सुजान गंगा की मोटवाल जगह जगह से कमजोर हो गई है और टूट कर गिर भी रही है जो संरक्षित स्मारक के क्षतिग्रस्त होने का कारण है विभाग के अनुसार वर्तमान में सडक काफी सकरी है जिस पर यातायात का काफी दवाब है जिससे पर्यटक ठीक से स्मारक को देख नहीं पाते सडक के चौडे होने से पर्यटक हर ओर से स्मारक देख सकते हैं सडक के चौडी होने से अतिक्रमण का भार कम होगा और मोटवाल का जीवन बढ़ेगा सडक चौडी होने के बाद बेहतर लैंडस्केप और सौंदर्यकरण बढ़ेगा और जो भी पर्यटक इसको देखने आएंगे वे अच्छी छवि लेकर जाएंगे

पुरातन धरोहर संरक्षण समिति के अध्यक्ष दिनेश सिनसिनी ने पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के पत्र पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा पुरातन धरोहर संरक्षण समिति जिस मांग को लेकर आंदोलन कर रही थी,इस बात को सर्वेक्षण विभाग ने समझा है अब जल्दी से जल्दी सडक चौडाईकरण का कार्य शुरू होना चाहिए

वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ शर्मा ने पुरातत्व विभाग के निर्देशों की शीघ्र पालन करवाने की मांग की है

संयुक्त टीम का फील्ड निरीक्षण

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन पर नगर विकास न्यास एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा अलवर शहर के वर्षा जलभराव क्षेत्रों के दुरूस्तीकरण एवं वाटर रिचार्ज सिस्टम की संभावना तलाशने हेतु फील्ड निरीक्षण किया।

नगर विकास न्यास की सचिव श्रीमती धीगदे स्नेहल नाना ने बताया कि वन राज्यमंत्री संजय शर्मा द्वारा शहर में जल भराव की समस्या के निदान हेतु वाटर रिचार्ज सिस्टम आदि बनाए जाने के संबंध में जिला प्रशासन को एक पत्र प्रेषित किया था, जिसकी अनुपालना में जिला कलक्टर के निर्देशन पर संयुक्त टीम द्वारा शहर के अशोका टाकीज, गायत्री मंदिर रोड, घण्टाघर, अम्बेडकर सर्किल, भगसिंह सर्किल, बिजली घर का चौराहा एवं मंगलांसर रोड आदि क्षेत्रों का फील्ड निरीक्षण किया। मौके पर वर्षा जलभराव की स्थिति व उसके समाधान के संबंध में किए जाने वाले उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इन क्षेत्रों में वाटर रिचार्ज सिस्टम आदि बनाने की संभावनाओं को भी तराशा गया। उन्होंने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा उसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

मंत्री अविनाश गहलोत का स्वागत

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौशाला के सामने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत का विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व शहर अध्यक्ष नितिन जैन छाबड़ा के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं माली समाज के लोगों ने जगह-जगह राजस्थानी परंपरानुसार माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में देश व प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। इस अवसर पर जयपुर पार्षद अंकित वर्मा, महामंत्री जयनारायण कुमावत, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, हनुमान रजवास, रामगोपाल सेवलिया, पार्षद शंकरलाल सैनी, कमलेश किराड, संजय रैगर, लालचंद सैनी, गोवर्धन जैन, शंकर पडियार, जितेंद्र धारवाल, जितेंद्र विजय, नरेश कसाणा, ओमप्रकाश वर्मा, मदनलाल कुमावत, हनुमान गुर्जर, आशाराम डोई, सियाराम शर्मा व बुद्धराम मीणा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। इसी प्रकार ट्रक यूनियन पर माली सैनी समाज के तत्वावधान में तहसील अध्यक्ष रामअवतार सैनी के नेतृत्व में मंत्री अविनाश गहलोत का समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष रामसहाय मुंशी, पूर्व सरपंच शंकरलाल सैनी, नाथूलाल सैनी, डॉ. मूलचंद सैनी, राजेश सैनी कनेसर, रामकल्याण सैनी, प्रेमप्रभु गंगाड़ा, पूर्व पार्षद प्रहलाद सैनी, एडवोकेट किशनलाल सैनी, कन्हैयालाल सैनी, पूर्व पार्षद रमेश सैनी व सुरेश सैनी सहित समाज के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

राज्य सरकार पर निशाना साधा

अलवर। जिला कांठोस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने राजस्थान में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार होते हुए भी कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। आए दिन फायरिंग, तोडफ़ोड और लूटपाट की घटनाएं सामने आ रही हैं।

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर : DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/443
चूंकि प्रार्थी श्री Kamal Kant Maheshwari, Flat No. 501, Kings Landing Apartment, A-40, Vidyalaya Marg, Tilak Nagar, Jawahar Nagar, Jaipur, Rajasthan, 302004 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास JK Lakshmipat University, JK Lakshmipat University, Laliya Ka Bas, Mahapura, Ajmer Road, Jaipur, Rajasthan, 302026 के सम्बन्ध में अग्रिम जॉच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जॉच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जॉच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 24-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29/08/2025 — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर प्रथम

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ / 2025 / 111 दिनांकः 23.06.2025
ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 6/2025–26
नगर निगम ग्रेटर जयपुर हेतु सुपर सकर मशीन मय डम्प ट्रक आपूर्ति कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2526GLOB00878 पर देखी जा सकती है।
उपायुक्त (गैराज) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 5000

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
सेक्टर–9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड मानसरोवर जयपुर
क्रमांक :– जसअ / 2025 / 107 दिनांकः 20.06.2025
ई–निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) –29/2025–26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व http://sppp.raj.nic.in & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका sppp पोर्टल यू.बी.ई.एन. नं. JMC2526WSOB00877 है। उक्त निविदा को http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 19.06.2025 को अपलोड करवा दिया जायेगा।
अधिशाषी अभियन्ता मानसरोवर जोन नगर निगम जयपुर ग्रेटर
राज.संवाद / सी / 25 / 4895

सर,उच्च शिक्षा मंत्री जी से मुझे मिलवा दीजिए,मेरा काम करवा दीजिए,ऑपरेशन के बाद शायद मैं बोल नहीं पाऊंगा''

■ ''रुक्टा डेमोक्रेटिक ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर प्राचार्य अशोक आर्य को तुरंत हटाने की मांग की''

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ- रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक प्रो.रमेश बैरवा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल कैंसर पीड़ित अलवर कला कॉलेज लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा,आयुक्त कॉलेज शिक्षा डॉ.ओमप्रकाश बैरवा एवं वित्तीय सलाहकार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर जिनकी सेवानिवृति इसी 31 जुलाई को होनी है को लगातार टॉर्चर कर संस्थानिक हत्या (इंस्टीट्यूशनल मर्डर) पर आमादा है।

दलित प्रोफेसरों को लगातार प्रताडित कर रहे बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर के प्राचार्य अशोक आर्य को तुरंत हटाकर इनके खिलाफ कड़ी अनुशासनिक कार्यवाही की पुरजोर मांग की है।

अशोक आर्य के स्थान पर अन्य प्राचार्य को लगाया जाए जो भेदभाव नहीं करे। ताकि कैंसर पीडित लाइब्रेरियन की सकुशल सेवानिवृत्ति हो सके। शिक्षकों को दुर्भावनावश परेशान नहीं किया जाए। शासन प्रशासन बदनाम नहीं हो।

लाइब्रेरियन बुनकर 2016 में कैंसर ऑपरेशन के बाद से बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में पदस्थापित है। प्राचार्य अशोक आर्य के अत्याचारों से बुरी तरह परेशान है, भयभीत है। बुनकर की सेवानिवृत्ति सकुशल नहीं होने देने पर आमादा है। लाइब्रेरियन बुनकर द्वारा उचित प्रक्रिया अपनाने के बाद भी प्राचार्य पुस्तकालय की पुस्तकों का अपलेखन (राइट ऑफ) नहीं कर रहे हैं। छात्रों पर बकाया पुस्तकों का सारा ठीकरा बुनकर पर फोड रहे हैं। शिक्षकों एवं सहायक लेखा अधिकारी को दबाव में लेकर नियमों की खुली अनदेखी कर इनके खिलाफ लिखवा रहे हैं। बुनकर को आर्थिक और मानसिक हानि पहुंचा रहे हैं। प्राचार्य मीडिया को भी यह कहकर झूंठ बोल रहे हैं कि सत्र 2016 से पुस्तकालय का भौतिक सत्यापन नहीं करवाया। जबकि कोविड के समय को छोडकर भौतिक सत्यापन लगातार हुए हैं।

ऐसे हालातों में भी जब लाइब्रेरी के सफल संचालन के लिए जरूरी 10 बुक लिफ्टर में से एक भी नहीं है। लाइब्रेरियन के विरोध के बाद भी विद्यार्थियों से भौतिक सत्यापन का कार्य करवाया जा रहा है जो निपुण नहीं हैं। भौतिक सत्यापन की रिपोर्टों को प्राचार्य ने लेकर पटका हुआ है, निस्तारण नहीं किया। कई सत्रों की गुम पुस्तकों की राइट ऑफ प्रक्रिया को रोककर मनमाने तरीके से लाइब्रेरियन बुनकर के खिलाफ 4 लाख रूपये से ज्यादा की वसूली के आदेश निकलवा दिए हैं ताकि बुनकर की सकुशल सेवानिवृत्ति नहीं हो सके।

जिससे इनकी परेशानी और बढ़ जाएगी। बहुत मुश्किल हो जाएगी। क्योंकि कैंसर की बीमारी के कारण इनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही बहुत खराब है। आज भी उपचाराधीन है। फिर से जल्द ऑपरेशन होना है । लाइब्रेरियन बुनकर अपनी व्यथा इस प्रकार बता रहे हैं कि ''सर,उच्च शिक्षा मंत्री जी से मुझे मिलवाकर मेरा काम करवा दीजिए,ऑपरेशन के बाद शायद मैं बोल नहीं पाऊंगा'' इनकी पीडा है कि ''कैंसर से तो जैसे-तैसे मैं बच गया लेकिन यह प्राचार्य अशोक आर्य तो मेरी जान जरूर ले लेगा।''

नाम परिवर्तन

मैं, सुजॉय प्रमाणिक (SUJOY PARAMANICK) पुत्र श्रीकांत प्रमाणिक (SHRI KANT PARAMANICK) निवासी प्लॉट नं. 13/825, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, जो कि मेरी कक्षा 10वीं की मार्कशीट में मेरा और मेरे पिता का नाम सुजॉय प्रमाणिक (SUJOY PRAMANIK) पुत्र श्रीकांत प्रमाणिक (SHRIKANT PRAMANIK) तथा अन्य दस्तावेजों में सुजॉय प्रमाणिक और श्रीकांत प्रमाणिक के रूप में दर्ज है। हमारा सही नाम सुजॉय प्रमाणिक (SUJOY PARAMANICK) और श्रीकांत प्रमाणिक (SHRI KANT PARAMANICK) है।

I GYAN KOUR W/O army no 2979121H rank Ex SEP Late sahi Ram Gurjar R/O village Samaspur post khonchpuri teh.mahwa dist .dausa have changed my name From GAYAN KAUR is wrongly entered in service record To GYAN KOUR (DOB 1/7/1965) vide affidavit dated 20/06/25 before district notary dausa

I army no 15149402 H Ex NK mahender Swami S/O late Suga das swami resident of bhuri baraja tehsil kotputli district jaipur that have changed my daughter name which is wrongly entered in my service record from PUSHPA KUMARI To PUSHPA SWAMI vide affidavit dated 24/6/25 before district notary paota jaipur raj

It is for general information that I Suresh Chand S/O Babulal residing at Vpo pinan, tehsil-Rajgarh District-Alwar declare that name of mine has been wrongly written as Suresh Chand in my Reliance Nippo life insurance policy and in the other documents. My correct name is Suresh Kumar Bansal. I should be known by this name in the future.

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/398
चूंकि प्रार्थी श्री SOHAN LAL GURJAR, C.B ROAD BHURWARA RAJSAMAND RAJASHTAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के बन्तर्गत प्रन्यास लिटिल सीड्स वेल्फेयर सोसाइटी, PLOT NO B. 455 MAHESH NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निधारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/430
चूंकि प्रार्थी श्री JERRY VARUGHESE, 71, AGRASEN NAGAR, BARKAT NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN 302015 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के बन्तर्गत प्रन्यास सेन्ट थॉमस आर्थोडोक्स सीरियन चर्च सोसाइटी, 38, INDRA COLONY BANIPARK JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01/09/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/431
चूंकि प्रार्थी श्री DEEPAK GUPTA, 101 SHANTI NAGAR, JOSHI MARG KALWAR ROAD JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास रेज ऑफ होप, 2/89, SECTOR-2, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएं : कलेक्टर

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे में आमजन का काम सहज और सुलभ तरीके से हो इसकी अधिकारियों को सुनिश्चिता करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएं। ग्रामीणों से पहले ही आवेदन, शिकायतें एवं समस्याएं एकत्र कर ली जाएं, शिविर दिवस पर मौके पर ही समाधान किया जाएं। जिला कलेक्टर ने कहा कि प्री कैंप एक्टिविटी के तहत सभी विभाग ग्राम पंचायत में जनकल्याण की समस्याओं और योजनाओं से लाभान्वित किए जाने वाले पात्र लोगों को पूर्व में ही चिन्हित कर लें। उन्होंने मानसून सीजन को देखते हुए विद्युत, पेयजल, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, जल संसाधन विभाग को प्रो एक्टिव होकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। जिला कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रतिदिन कैंपों का निरीक्षण करने एवं किए जा रहे कार्यो का सत्यापन करने पर जोर दिया। उन्होंने उपवन संरक्षक मरिय शाइन ए को हरियालो राजस्थान की कार्य योजना के तहत जिले में अधिकाधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुडवाने के लिए आए आवेदनों का निस्तारण करने के लिए डीएसओ इंद्रपाल मीणा एवं एसीपी श्यामसुंदर जांगिड को समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में एडीएम रामरतन सौंकरिया, सीईओ परशुराम धानका, एडीएम बीसलपुर भूपेंद्र यादव, एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीणा समेत पखवाडे से जुडे सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े में अधिकारियों की बैठक ली।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
क्रमांक :– जसअ / 2025 / 113 दिनांकः 24.06.2025
ई–निविदा सूचना सं. – 110 से 112/2025–26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मालवीय नगर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण ई निविदा सूचना संख्या– 110 से 111 / 2025–26 दिनांक 23.06.2025 से एवं ई निविदा सूचना संख्या– 112 / 2025–26 दिनांक 25.06.2025 से नगर निगम जयपुर ग्रेटर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in से अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number (UBN) JMC2526WSOB00875 to JMC2526WSOB00876 o JMC2526WSOB00902 तक है।
अधिशाषी अभियंता (मालवीय नगर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 4997

कार्यालय नगरपालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
Email:- shrimadhopur.jaipur@yahoo.com
क्रमांक-न.पा.श्रीमा./2024-25/870 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-25/06/2025
श्री रूडमल, रमेश कुमार पुत्रगण श्री सावंरमल, निवासी वार्ड नं. 10 श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिए ऐसी भूमि के उपयोग प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्भित कर दिये है-श्रीमाधोपुर, जिला- सीकर (राज.) ने के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्भित कर दिये है

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भूखण्ड सं.	भूखण्ड की लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
जिला-सीकर नगरपालिका श्रीमाधोपुर	वार्ड नं. 10 हरिजन बस्ती श्रीमाधोपुर	पूर्व में प्रकाश रैगर का खाली प्लॉट, पश्चिम में गली, उत्तर में गंगाराम जांगिड़ का मकान व दक्षिण में गली	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरव-पश्चिम 49 फीट. उत्तर-दक्षिण 23 फीट कुल क्षेत्रफल 125.22 व.ग.

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69 क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा की किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदअनुसार निपटारा किया जावेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांकी 24/06/25 को जारी की गई।
(डॉ. अशोक कुमार) अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.
(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur-302015 Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico
F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2025-26/Tender/549 Date :- 23/06/2025
NIB No. 06/2025-26
Notice inviting online bid for Smritivan Track Renovation work in Jaipur
Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-Single envelope Bidding procedure for following works:

S. No.	Name of Work	Project Cost	Bid Security	Period of completion
1	Smritivan Track Renovation work	15.99	0.3198	03 month

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in from date 24.06.2025 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 07.07.2025 up to 1500 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.
UBN No.: RDP2526WSOB00026
NIB Code: RDP2526A0012
Raj.Samwad/C/25/4946 — Executive Director RUDSICO, Jaipur

संक्षिप्त

राजगढ़ में रुकेगी प्रयागराज ट्रेन

राजगढ़। कस्बे में प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की काफी समय से चली आ रही मांग बुधवार को पूरी हो गई। उत्साह एवं उल्लास पूर्ण माहौल में लालगढ़ प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट का भाजपा नेता बन्ना राम मीणा एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने गर्म जोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर भारत माता की जय भूपेंद्र यादव की जय के साथ लोगों ने नारे लगाए। पूर्व भाजपा नेता बन्नाराम मीणा ने लोको पायलट हेमंत वर्मा एवं अन्य का माल्यार्पण व साफा बांधकर स्वागत किया। इससे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया, भाजपा नेता मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित, प्रेमनाथ धामाणी, व्यापार संघ के अध्यक्ष बसंत गुप्ता, अशोक बजाज, राजगढ़ विकास मंच के अनिल गुप्ता, कला संगम के जगमोहन शर्मा, भारत विकास परिषद की अध्यक्ष पदमा गोयल, राजेंद्र जैन, बलवंत सलूजा, जगदीश सैनी, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, एवं अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री सांसद भूपेंद्र यादव के प्रयास केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया। इसदौरान क्षेत्रीय विधायक मांगेलाल मीणा, रेलवे स्टेशन मास्टर विजय मीणा, रेलवे के डीसीएम, वाणिज्य से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। राजगढ़ स्टेशन पर लालगढ़ प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के रुकने की खुशी में लड्डू बाट कर खुशी का इजहार किया गया। काफी वर्षों से राजगढ़ स्टेशन पर प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के ठहरने की मांग चल रही थी, जिसके पूर्ण होने पर सैकड़ो की संख्या में लोगों ने रेलवे स्टेशन पर जाकर कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान अनेक संस्थाओं के जुड़े प्रतिनिधि, महिला प्रतिनिधि एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष, भाजपा नेता एवं पार्षद मौजूद रहे।

कलेक्टर का स्वागत

टोंक। श्री व्यापार महासंघ टोंक के विभिन्न संघों की टीम एवं अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा नवनियुक्त जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल का शॉल पहनाकर व बुके भेंट कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस दौरान व्यापार महासंघ टोंक अध्यक्ष मनीष कुमार बंसल, महामंत्री आनंद वर्धन बम्ब, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रितु राज अग्रवाल, किराना संघ अध्यक्ष निर्मल छामुनिया, मंत्री प्रद्युम्न बम, महेश भगत, सर्राफा संघ संरक्षक गोपाल सोनी, अध्यक्ष अतुल गर्ग, मोनू छामुनिया, वस्त्र संघ अध्यक्ष पारस जयपुरीया, डिस्पोजल संघ अध्यक्ष सुनील जैन बोरदा, महामंत्री पवन जैन कंटान, मंत्री जीतू माहेश्वरी, महामंत्री पवन बिलासपुरिया, जवाहर बाजार संघ उपाध्यक्ष राम बाबु सोनी, मंत्री हेमंत जैन आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के भगवान भण्डारी ने जिला कलेक्टर को संगठन का सूक्ष्म परिचय भी दिया गया, साथ ही प्रतिनधि मण्डल ने अपना परिचय दिया।

4 साल बाद खोलेंगे दान पात्र

निवाई। उपखंड प्रशासन के आदेशानुसार तहसीलदार नरेश गुर्जर की मौजूदगी में श्री बद्रीनाथ धाम नटवाड़ा के दान पात्र को शुक्रवार को सुबह 11 बजे खोला जाएगा। तहसीलदार नरेश गुर्जर ने बताया कि बद्रीनाथ धाम मंदिर ट्रस्ट नटवाड़ा के अंतिम महंत तेजभारती गोस्वामी की 19 जनवरी 2021 में मौत हो गई थी। उसके बाद से मंदिर में रखे हुए दान पात्र को खोला नहीं गया। बद्रीनाथ धाम ट्रस्ट का वर्ष 2000 से सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग अजमेर में प्रकरण विचाराधीन है। सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग अजमेर द्वारा तहसीलदार को मंदिर का रिसीवर नियुक्त किया हुआ है। जिनकी देखरेख में गुरुवार को गठित टीम में शामिल भू अभिलेख निरीक्षक मोरपाल मीणा व जगदीशप्रसाद स्वामी, हल्का पटवारी राजेश मीणा, भवानीशंकर यादव, सुमित जैन व रामहेत मीणा सहित मंदिर कमेठी की मौजूदगी में 4 साल बाद शुक्रवार को सुबह 11 बजे दान पात्र खोला जाएगा।

दो माह से फरार चालक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अवैध खनन व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाये गये अभियान के तहत वृत्ताधिकारी निवाई मृत्युन्जय मिश्रा एवं थानाधिकारी निवाई सदर हीरालाल वर्मा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए थाने में दर्ज प्रकरण बीएनएस व एमएमडीआर एक्ट में दो माह से फरार आरोपी पहलवान पुत्र जगदीश जाति गुर्जर उम्र 34 साल निवासी हाडीखुर्द थाना बरोनी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने बाड़ा पदमपुरा जैन तीर्थ में श्री महावीर स्वामी जी के दर्शन किए

- सीएम के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी थे

जयपुर। चाकसू स्थित बाड़ा पदमपुरा जैन तीर्थ एक विशेष अवसर का साक्षी बना, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने यहां भगवान श्री महावीर स्वामी जी के दर्शन और पूजन कर प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।

दोनों वरिष्ठ नेताओं ने पूरी विधि-विधान और श्रद्धा के साथ भगवान महावीर स्वामी जी की पूजा अर्चना की। उन्होंने जैन साधु-संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा जैन धर्म के मूल सिद्धांतों-अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और संयम-को आज के सामाजिक जीवन में आत्मसात करने का आ ान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- बाड़ा पदमपुरा जैसे पवित्र स्थल न केवल हमारी आस्था के केंद्र हैं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों के स्त्रोत भी हैं। भगवान महावीर का जीवन और उनके उपदेश हमें सिखाते हैं कि त्याग, करुणा और संयम के माध्यम से हम समाज में स्थायी शांति और समरसता स्थापित कर सकते हैं। हमारी सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और सभी समुदायों के पवित्र स्थलों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। जैन मंदिर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि महावीर स्वामी जी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारों वर्ष पूर्व था। आज के समय में जब समाज में तनाव, असहिष्णुता और असंवेदनशीलता बढ़ रही है, ऐसे में जैन धर्म के सिद्धांत हमें आत्मिक शांति और सामाजिक संतुलन की दिशा दिखाते हैं। भारतीय जनता पार्टी इन मूल्यों को अपने संगठनात्मक कार्य में भी आत्मसात कर रही है।

इस धार्मिक अवसर पर जैन समाज के प्रमुख आचार्यगण, साधु-संत, स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूजा के पश्चात भजन-कीर्तन और मंगल आरती का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश की उन्नित, सौहार्द और नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। पूरे कार्यक्रम में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आत्मीयता का वातावरण बना रहा। मंदिर प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया तथा उनके सेवा और विकास कार्यों की सराहना की।

चाकसू स्थित बाड़ा पदमपुरा जैन तीर्थ स्थल पर सीएम भजन लाल शर्मा व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने पूजा अर्चना की।

डी के सोनी का जन्मदिन 27 को

मनोहरपूर। मनोहरपूर व्यापार मण्डल के पूर्व अध्यक्ष व भामाशाह डी के सोनी का जन्मदिन 27 जून शुक्रवार को आरहा है जिसकी तैय्यारी जोर शोर से की जारही हैं इस दिन डी के सोनी द्वारा गरीब बेसहारा यतीम आदि जरूरतमंदों की मदद की जाती है अस्पतालों में फल वितरण किए जाते है विद्यालयों में कॉपी पैन वितरण किए जाते है कबूतरों को ज्वार डाला जाता है गायों को रंजका दलिया गुड़ आदि डाला जाता है बेबस लाचारों व राहगीरों के लिए खाने की व्यवस्था की जाती है पत्रकारों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सोनी कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमी ईमानदार दयालु है सदैव गरीबो की मदद करते है हिन्दू मुस्लिम एकता को प्रगाढ़ करते है इनके दरबार मे जो भी आते है उनको खाली हाथ नही भेजते हैं! बढ़चढ़ कर चन्दा देते रहते है गायों को रंजका कबूतरों को ज्वार डलवाते है! रोजा अफ्तार करवाते हैं वृक्षारोपण करवाते हैं! सामूहिक विवाह सम्मेलनों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है।

पात्र व्यक्ति को मिले योजनाओं का लाभ : जिला कलेक्टर

- भरतपुर में कलक्टर कमर चौधरी ने शिविरों का निरीक्षण कर निर्देश दिए
- कलक्टर ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ की जानकारी देते हुये किसानों को उर्वरकों के उपयोग एवं उसके लाभ के बारे में भी अवगत कराया

भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडा के तहत आयोजित किये जा रहे शिविरों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन को शिविरों में अधिक से अधिक लाभ मौके पर प्रदान किये जायें। उन्होंने खानुआ, निभेरा एवं रूपवास में शिविरों का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलक्टर ने शिविर में लाभार्थियों को आवासीय पट्टे, मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी प्रदान किये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्ति को शिविर में मौके पर अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि शिविर से पहले सभी विभाग ग्रामीणों से संवाद कर समस्याओं को चिन्हित करें तथा पात्राता के आधार पर लाभ दिलवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिविरों के दौरान को राहत पहुँचाने के लिये सभी विभाग आपसी समन्वय रखते हुये कार्य करें। किसानों को राजस्व, कृषि, पशुपालन संबंधी विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर पात्रता के आधार पर लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गांवों में ढीले विद्युत तार ठीक करने, पेयजल टंकियों की सफाई एवं लीकेज को दुरूस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शिविर में कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजना के सत्यापन से वंचित नहीं रहे तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ भी मिले। जिला कलक्टर ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ की जानकारी देते हुये किसानों को उर्वरकों के उपयोग एवं उसके लाभ के बारे में भी अवगत कराने, पशुओं के टीकाकरण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, खाता विभाजन, आपसी सहमति से बटवारे, सीमाज्ञान, पत्थरगढी के कार्यों को पारदर्शिता के साथ पूरा करें। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर विभागीय उपलब्धि की जानकारी ली तथा अधिकारियों को सकारात्मक भावना के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने रूपवास भ्रमण के दौरान हरियालौ राजस्थान के तहत पौधारोपण कर उपखण्ड पर आवंटित पौधारोपण के लक्ष्यों की समीक्षा की तथा सभी विभागों को लक्ष्यों के अनुरूप अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं देखरेख के निर्देश दिये।

शिविरों में मिली राहत तो लाभान्वितों ने आभार जताया

- संभागीय भरतपुर डॉ टीना सोनी ने शिविर में महिला बाल विकास विभाग का स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में मौजूद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को भी स्टॉल पर रहने को कहा।

डीग, भरतपुर (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के तहत जिले की चयनित ग्राम पंचायतों में बुधवार को अभियान के दूसरे दिन शिविरों का आयोजन किया गया।

शिविरों की समीक्षा करने के लिए संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ टीना सोनी एवं जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल ने उपखंड कुम्हेर के ग्राम पला में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविर में विभिन्न विभाग द्वारा संचालित स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर उपस्थित अधिकारियों और कार्मिकों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पात्रतानुसार और सरकार की मंशानुरूप लाभ प्रदान करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि पखवाड़े का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

निरीक्षण के दौरान संभागीय भरतपुर डॉ टीना सोनी ने शिविर में महिला बाल विकास विभाग का स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में मौजूद आंगनवाडी कार्यकर्ता को भी स्टॉल पर रहने को कहा। उन्होंने चिकित्सा विभाग के डेस्क पर जाकर दी जा रही दवाईयों की जानकारी ली एवं विभिन्न टेस्ट्स के बारे में पूछा। उन्होंने विशेष रूप से बीपी उपकरण को देखा और शिविर में अभी तक किए गए बीपी चेक के रजिस्टर का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होंने कृषि विभाग से मृदा स्वास्थ्य कार्ड में पंजीकरण, पाइपलाइन, फार्म पौंड, तारबंदी, कृषि यंत्र, बीज मिनीकिट आदि की जानकारी ली। अधिकारी ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड संठाहण 20, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण 48, 1294 मीटर पाइपलाइन, 800 मीटर तारबंदी, 4 कृषि यंत्र, 50 बीज मिनीकिट आदि कार्य पूरा कर लिया गया है। साथ ही, आगामी शिविरों में ओर कार्ड वितरण किए जाएंगे।

संभागीय आयुक्त ने कृषि विभाग के डेस्क पर नाइट्रोजन, सल्फर और फास्फोरस की पर्याप्त मात्रा फसलों के अनुसार किसानों को बताने के निर्देश दिए है। उन्होंने जलदाय विभाग और विद्युत विभाग को विशेष रूप से निर्बाध बिजली देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुबह बिजली की कटौती कम करें जिससे आमजन को समस्या का सामना न करना पड़ें। उन्होंने बिजली व जलदाय विभाग को समन्वय स्थापित करते हुए सेवाओं को नियमित रखने के निर्देश दिए। इस दौरान शिविर में मरघटो पर अतिक्रमण की समस्या सामने आई जिस पर डॉ सोनी ने लकड़ी व बबूल से किए गए अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त सितारा मुख्य सड़क, सहती स्कूल के पास अतिक्रमण आदि समस्याओं का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। शिविर में ग्राम रणधीरपुरा में कृषि भूमि का सह खातेदारी के बीच आपसी सहमति से विभाजन करवाने के संदर्भ में उन्होंने प्रशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे ही विभाजन के प्रकरण को आपसी सहमति से सुलझाया जाए। निरीक्षण के दौरान विद्युत विभाग की सफलता की कहानी भी सामने आई जिसे संभागीय आयुक्त ने स्वयं अधिकारी से सुना। विभागीय अधिकारी ने कहा कि अजय शर्मा पुत्र हरमुख सिंह निवासी सहती का बंदरों द्वारा सर्विस लाइन खराब कर दी गई थी जिससे बिजली आने में समस्या हो रही थी। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा कैंप ग्राम पला में आकर अपनी समस्या को विद्युत विभाग के अधिकारी को बताया। अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एफआरटी की गाडी और कर्मचारी को भेजकर मीटर की सर्विस शुरू की। संभागीय आयुक्त ने समाज कल्याण विभाग को पेंशन सत्यापन से बचे पेंशनर्स जिनकी उम्र अधिक है अथवा जो ईमित्र या बीडीओ कार्यालय में नहीं आ सकते, उनका सत्यापन ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से घर-घर जाकर करवाने के निर्देश दिए। जिन दिव्यांग जनों को नए प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं, उनके प्रमाण पत्र बीसीएमओ द्वारा शिविर के दौरान शिविर के प्रभारी अधिकारी /सरपंच इत्यादि के माध्यम से वितरित करवाया जाए।

छात्रावास में साफ पानी देने की मांग

अलवर। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति अलवर द्वारा माइनरिटी गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं की समस्याओं पर दिए गए ज्ञापन के परिणाम स्वरूप जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने छात्राओं के माता- पिता तथा अभिभावकों के साथ मीटिंग की।

अभिभावकों तथा छात्राओ ने छात्रावास में पीने के साफ पानी तथा खाने की गुणवता सुधारने की मांग की। साथ ही वार्डन तथा गार्ड द्वारा परेशान करने की शिकायत की।

लम्बी बातचीत के बाद जिला अल्पसंख्यक अधिकारी ने 15 जुलाई तक वार्डन के पद पर सरकारी कर्मचारी लगाने तथा गार्ड रामप्रकाश को जल्दी हटाने की बात कही।

साथ ही जल्द ही नए तथा पानी की नई मोटर लगवाने और खाने की गुणवत्ता सुधारने का आश्वासन दिया। छात्राएं बहुत मुश्किल से संतुष्ट हुईं। छात्राओं का कहना है कि अगर दिएगए आश्वासन पूरे नहीं किए गए तो हम आंदोलन करेंगे।

अनिशा सायरा जायदा मनीषा अफसाना सानिया सुमैया इमराना अस्तुरन फौजिया सपना मानसी मुस्कान मंसार शकीला अंजुमा अमिशा आबिदा सहित अनेक छात्राएं तथा इनके अभिभावकों ने जिला अल्पसंख्यक अधिकारी से मुलाकात की।

विद्युत तंत्र को सुदृढ़ कर आमजन को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें : उर्जा मंत्री

भरतपुर (निस)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्युत तंत्र को सुदृढ कर आमजन को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करते हुये अधिकारी सकारात्मक सोच के साथा

- विद्युत लॉस में कर्मी लाने के लिये सभी अधिकारी स्वप्रेरित होकर कार्य करें अन्यथा संबंधित अभियन्ताओं की जिम्मेदारी तय की जायेगी।

कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्युत लॉस में कर्मी लाने के लिये सभी अधिकारी स्वप्रेरित होकर कार्य करें अन्यथा संबंधित अभियन्ताओं की जिम्मेदारी तय की जायेगी। जिले में सरकार द्वारा 24 जीएसएस का निर्माण कराया गया है जबकि पिछले शासन में 8 जीएसएस स्थापित किये गये थे। ऊर्जा मंत्री बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक में योजनाओं की प्रगति एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये।

विद्युत सबस्टेशनों के निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से किये जाकर गुणवत्ता के साथ पूरा करायें। उन्होंने कहा कि जो संवेदक समय पर कार्य पूरा नहीं करें उन्हें ब्लेकलिस्ट की कार्यवाही करें जिससे निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा बताई गई समस्याओं का समय पर निराकरण कराकर, फोन नहीं उठाने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सभी अभियन्ता अपने-अपने क्षेत्रों के विद्युत सबस्टेशनों की नियमित जांच कर विद्युत फीडर सुधार कार्य, जीएसएस पर साफ-सफाई, लाईन दुरूस्त करने के कार्यों को बारीकी के साथ मॉनिटरिंग करें।

उर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत चोरी करने वाले क्षेत्रों में आर्मड केबल डालें तथा ऐसे क्षेत्रों में आकस्मिक कार्यवाही कर विद्युत छीजत रोकने का प्लान बनाऐं। उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य को गति देने, फीडर सुधार कार्य गति के साथ करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विद्युत छीजत रोकने के लिये तंत्र में सुधार के साथ चोरी रोकने के लिये सम्पूर्ण डिवीजन में एक साथ टीम बनाकर आकस्मिक कार्यवाही को अंजाम दें।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने भरतपुर में अधिकारियों की बैठक ली।

सार-समाचार

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का स्वागत

टोंक। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का बुधवार को बनास पुलिया पर माली समाज जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया के नेतृत्व माली समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान माली समाज के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया, छात्रावास अध्यक्ष अजय सैनी सांखला ने साफा, तस्वीर देकर और समाज के जिला प्रवक्ता सीताराम सोलंकी, संजय सांखला, समाजसेवी कमलेश सोलंकी, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड जिला संयोजक नवरत्न सैनी, अमित सांखला, दिनेश सैनी आदि लोगों ने माला व दुपट्टा पहनाकर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का स्वागत किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने समाज के लोगों को सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ लेने और जन-जन तक योजनाओं को पहुंचने आव्हान किया।

रात्रि चौपाल में आमजन को लाभ मिला

पावटा। पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाडे के तहत जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी के निर्देशन में जिला कार्ययोजना के अनुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन कर आमजन को लाभांवित किया गया। बुधवार 25 जून को उपखंड पावटा में तुलसीपुरा और पांचूडाला में और विराटनगर में भाबरु, ढाणी गैसकान और केरली में कैंप आयोजित हुए। शिविरों में आमजन को पात्रता अनुसार योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। वही कोटपुतली बहरोड़ जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने ग्राम पंचायत पाछूडाला में रात्रि चौपाल का आयोजन कर कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य "गरीबी मुक्त राजस्थान" बनाना है, जिसके तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 5,000 गांवों को चयनित कर वहां के सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने हेतु योजनागत सहायता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पखवाड़े का संचालन समन्वयपूर्ण एवं प्रभावी रूप से हो, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। जिला कलेक्टर गोस्वामी ने निर्देश दिए कि शिविर मैं ज्यादा से ज्यादा पात्र आमजन को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने बताया कि शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के लक्षित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित पत्थरगढी एवं सीमाज्ञान प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। पात्र लाभार्थियों को स्वामित्व पट्टों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। मृदा नमूनों का संठाहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण समयबद्ध किया जाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जाए। नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के कार्य में तेजी लाई जाए। गोस्वामी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक रास्तों और जल संरचनाओं से अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाया जाए और लंबित राजस्व प्रकरणों में आपसी सहमति बनाकर त्वरित निर्णय लिए जाएं। जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समन्वय से कार्य करते हुए पखवाड़े के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सजग रहने की अपील की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में आए आमजन के प्रार्थना पत्र को पंजीकृत कर सभी पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करें। आमजन को योजनाओं की ज्यादा से ज्यादा जानकारी देकर जागरूक करें। इस दौरान कोटपुतली एडीएम ओमप्रकाश सहारण, उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय, तहसीलदार संजय खेडड, शशिधर यादव सहित ग्राम पंचायत प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत 26 जून, गुरुवार को उपखंड पावटा में चौबाला और राजनौता में, विराटनगर में जयसिंहपूरा और छींतोली में कैंप लगेंगे।

बहु ने प्रेमी से विवाह किया

टोंक। सोप थाना क्षेत्र में एक विधवा ने अपने प्रेमी के साथ भाग कर आर्य समाज में शादी कर ली, भागने के दौरान उसने लाखों रुपये और जेवर लेकर चली गई, जिसकी उसकी सास ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीडिता सास के अनुसार बहु मैना 22 जून को अपने दोनों नाबालिग बेटों के साथ घर पर थी, तभी परिवार के अन्य सदस्य महावीर धाकड़ के यहां दावत में गए थे। परिजन जब वापस घर लोटे तो मैना घर पर नहीं मिली, जिसकी रिश्तेदारों में भी तलाश की गई, जिसके बाद उसकी थाना सोप में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बाद में 24 जून को सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि मैना ने रामेश्वर गुर्जर पुत्र गिर्राज गुर्जर निवासी थाना कोलवा, जिला दौसा से प्रेम विवाह कर लिया है। इसके बाद जब घर के सामान की जांच की गई तो पता चला कि घर से सभी जेवर और नकदी गायब हैं। पीडिता धापू ने बताया कि उसके अपने सोने के मांदड़िया, गुटियां, कानों की बालियां, मैना के सोने के टोप्स, मंगलसूत्र, अंगूठी, पायजेब, कमरबंद, झुमकियां और श्योजी की पत्नी का 25 ग्राम सोने का हार व 700 ग्राम चांदी की कनकती गायब है। इसके अलावा घर में रखी फसल की बिक्री की 3.50 लाख रुपये नकद, किरायेदार से मिले 50 हजार रुपये और बेटे की मृत्यु पर सरकार से मिली सहायता राशि की एफडी पर लिया गया 1.80 लाख रुपये का लोन भी लेकर वह फरार हो गई। धापू ने बताया कि उसके पास दो नाबालिग पौत्र हैं, जिनकी देखरेख वह कर रही है। उसने बहू के खिलाफ थाने में प्रकरण दर्ज कराकर कार्यवाही कराने की मांग की है। पुलिस ने मामले में आरोपी मैना के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'आगामी चुनाव को लेकर कार्यकर्ता हो एकजुट'

निवाई। कांग्रेस कमेटी वनस्थली मंडल के तत्वावधान में वनस्थली मोड पर स्थित एक निजी फार्म हाउस पर प्रभारी राजेंद्र चौधरी, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा व पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा का कांठोस के कार्यकर्ताओं ने स्वाग किया। प्रभारी राजेंद्र चौधरी ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया। जिलाध्यक्ष बैरवा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से आ ान करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आने वाले पंचायतराज एवं नगर निकाय के चुनाव में अपनी भागेदारी निभाते हुए कांठोस के प्रत्याशियों को जिताएं। विधायक प्रशांत बैरवा ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि चुनाव में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कांग्रेस प्रत्याशी को जीताकर कड़ी से कडी जोंडे। जिससे विकास कार्य अधिक से अधिक हो सकें। वनस्थली मंडल अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी पलेई ने बताया कि पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा के कार्यकाल में संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क निर्माण, बिजली विभाग संबंधित प्रत्येक विभाग के कई अनगिनत कार्य करवाएं गए है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी, शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष राजेश चौधरी, पप्पू मीणा, मंडल अध्यक्ष गुंसी मदनलाल मीणा, रजवास मंडल अध्यक्ष नमोनारायण मीणा, पंचायत समिति सदस्य हंसराज मीणा व शहर सचिव तनवीर कुरेशी सहित ग्राम पंचायत डांगरथल, खणदेवत, वनस्थली, पलेई व बिडोली पंचायत के कई कार्यकर्ता मौजूद थे

दो माह से फरार चालक गिरफ्तार

निवाई। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के अन्तर्गत एमएमडीआर एक्ट के दर्ज एक प्रकरण में 2 माह से फरार चल रहे चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन के मामले में 2 माह से फरार आरोपी चालक पहलवान पुत्र जगदीश गुर्जर निवासी हाडी खुर्द को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

खेल जगत

मेरा मानना है कि शार्दुल ठाकुर की जगह टीम में कुलदीप यादव को आना चाहिए क्योंकि बर्मिंघम की पिच ऐसी होगी जहां कलाई के स्पिनर को थोड़ी मदद मिलेगी।
- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय कप्तान, शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप को टीम में लेने की सलाह देते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड को मैनेज करने वाले प्लान में कोई बदलाव नहीं होगा। भले ही टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच हार 5 विकेट से हार गई है। लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट निकाले थे और कुल करीब 25 ओवर गेंदबाजी की थी। दूसरी पारी में उनको विकेट नहीं मिला लेकिन 19 ओवर फेंके थे। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, मुझे लगता है कि हमारे लिए बुमराह के कार्यभार का प्रबंधन करना ज्यादा अहम है क्योंकि अभी काफी क्रिकेट बाकी है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक जमाने में रूट अब दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर महान सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में 68 अर्धशतक लगाए थे।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

कोलंबो 25 जून। असिता फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो और सोनल दिनुशा (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को बंगलादेश

के 220 रन पर आठ विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत खराब रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को बोल्ड कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोमिनुल हक ने शादमान इस्लाम के साथ पारी को संभलने का प्रयास किया। धनंजय डीसिल्वा ने मोमिनुल हक (21) को आउट कर बंगलादेश को दूसरा झटका दिया। इसके थोड़ी देर बाद ही विश्वा फर्नांडो ने कप्तान नजमुल शान्तो (आठ) को अपना शिकार बना लिया। चौथे विकेट के रूप में शादमान इस्लाम (46) को थरिंडु रत्नायके ने आउट किया। मुशफिकुर रहीम और लिटन कुमार दास ने बंगलादेश की पारी को कुछ देर संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 67 रनों की साझेदारी हुई। सोनल दिनुशा ने 48वें ओवर में लिटन कुमार दास (34) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। दिनुशा ने इस के बाद मुशफिकुर रहीम (35) को आउटकर बंगलादेश को छठा झटका दिया। मेहदी हसन मिराज (31) को विश्वा फर्नांडो ने आउट कर श्रीलंका को सातवीं सफलता दिलाई। दिन का आखिरी विकेट नईम हसन (25) के रूप में गिरा। उन्हें ए. फर्नांडो ने बोल्ड आउट किया। स्टंप के समय बंगलादेश ने आठ विकेट पर 220 रन बना लिये है और तैजुल इस्लाम (नौ) और इबादत हुसैन (पांच) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। श्रीलंका की ओर से सोनल दिनुशा और विश्वा फर्नांडो, असिता फर्नांडो ने दो-दो विकेट लिये। थरिंडु रत्नायके और धनंजय डीसिल्वा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

कॉल्विन शील्ड : जयपुर पहली पारी में 301 रन पर ऑलआउट

जयपुर, 25 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में खेले जा रहे मल्टी डेज फाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर जयपुर पहली पारी में 301 आल आउट। टीम के लिए आयुष अमेरिया 46 , मानेन्द्र सिंह 45 , रोहन राजभर 43 , भावित कुमावत 38 , अभिजीत तोमर 35 व हिमांशु राणा नाबाद 35 रन का योगदान दिया। श्रीगंगानगर के गेंदबाज अजय सिंह कुकना 60 /4, शोभित मिश्रा 18/2 , मानव सुथार 69/ 2 व सलाऊद्दीन ने 88/2 विकेट लिये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीगंगानगर ने अपनी पहली पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 35 रन बना लिए थे। टीम के लिए अंकित शर्मा नाबाद 13 व राहुल गर्ग नाबाद 12 बनाकर खेल रहे हैं। जयपुर के गेंदबाज दीपक चौधरी 4 पर 2 विकेट लिये।

एमी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 25 जून। अंडर-16 अरावली कप में एमी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 237 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए! यथार्थ भारद्वाज ने 72 और तविश शर्मा ने 69 रनों का योगदान दिया। के एल क्रिकेट अकादमी की ओर से आयुष ने 4 और ओजस सैनी ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी के एल क्रिकेट क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 207 रन 9 विकेट के नुकसान पर बना सकी। दीनदयाल सैनी ने सर्वाधिक 44 रनों का योगदान दिया। एमी क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य वाधवा और तविश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच तविश शर्मा को चुना गया।

400 से अधिक एथलीटों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली, 25 जून। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए दुनियाभर के 400 से अधिक निशानेबाजों ने पंजीकरण कराया है।

तीसरे राउंड में 85.29 मीटर का थ्रो किया
नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक अपने नाम किया

नई दिल्ली, 25 जून। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में आयोजित ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में गोल्ड मेडल जीतकर एक और इंटरनेशनल जैविलन टूर्नामेंट में देश का नाम रोशन किया है। नीरज ने तीसरे राउंड में 85.29 मीटर का थ्रो किया, जिसे कोई दूसरा एथलीट पार नहीं कर पाया। साउथ अफ्रीका के डोव स्मिट ने दूसरे राउंड में 84.12 स्थान पर रहे। जबकि ग्रेनेडा के पीटर एंडर्सन ने अपने पहले प्रयास में 83,63 मीटर भाला फेंका।बता दें कि, इससे पहले नीरज ने पेरिस डायमंड लीग जीती थी।

उन्होंने यहां विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के गोल्ड टूर्नामेंट में नौ खिलाड़ियों के बीच 85.29 मीटर का थ्रो फेंकते हुए खिताब जीता। दक्षिण अफ्रीका के डाउ स्मिट ने 84.12 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर के पहले थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

दूसरे दौर के बाद चोपड़ा तीसरे स्थान पर थे जिनकी शुरूआत फाउल से हुई लेकिन उसके बाद 83.45 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे दौर में 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वह शीर्ष पर आये।उनके अगले दो थ्रो 82.17 मीटर और 81.01 मीटर के रहे जबकि आखिरी थ्रो फाउल रहा। रियो ओलंपिक 2016 के स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी के थॉमस रोहलेर 79.18 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे।

जर्मनी के जूलियन वेबर ने इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया जिससे दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा को सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। पिछले दो सत्र में वह यहां फिटनेस कारणों से खेल नहीं सके थे। उनके कोच जान जेलेंजी ने यहां नौ बार खिताब जीता है। 27 वर्ष के चोपड़ा ने इस सत्र में मई में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की बाधा पार करके दूसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद पेरिस डायमंड लीग खिताब जीता। चोपड़ा यहां 2018 में आईएएएफ कांटिनेंटल कप में एशिया प्रशांत टीम का हिस्सा थे और 80 . 24 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे थे। अब वह बेंगलुरू में पांच जुलाई को नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे जिसमें पीटर्स और रोहलेर भी खेल रहे हैं।

और बेहतर प्रदर्शन किया होता... नीरज चोपड़ा

नीरज ने जीत के बाद कहा कि, मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं लेकिन इस बात की खुशी है कि खिताब जीता। मैं बचपन से ये टूर्नामेंट देखा करता था। मैंने जेलेज्नी और उसेन बोल्ट जैसे दिग्गजों को गोल्डन स्पाइक जीतते देखा और मुझे लगता था कि मैं भी एक दिन जीतूंगा। वह सपना सच हो गया है। मुझे पता है कि चेक गणराज्य में भालाफेंक काफी लोकप्रिया है। दर्शकों से हमें अपार समर्थन मिला । काश मैं और बेहतर प्रदर्शन कर पाता।

हमें कैच छोड़ना महंगा पड़ा : गिल

लीड्स, 25 जून। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमारे पास टेस्ट जीतने का मौका था, लेकिन कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट मैच शानदार रहा। हम इंग्लैंड की टीम को 430 रनों का लक्ष्य देने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हमने 31 रन जोड़कर अपने आखिरी पांच विकेट गवां दिये। उन्होंने कहा कि हमारे पास मैच जीतने का मौका था। कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा।

उन्होंने कहा कि आज भी, मुझे लगा कि पहले विकेट के बाद हमारे पास मौके थे। हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा। इस तरह के विकेट पर मौके आसानी से नहीं मिलते, लेकिन हमारी टीम युवा है, टीम में सीखने का जज्बा है। उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि पहले सत्र में हमने शानदार गेंदबाजी की और रनों पर अंकुश लगाया, लेकिन एक बार गेंद पुरानी हो जाने के बाद रन रोकना मुश्किल होता है। जब गेंद नरम हो जाए तो विकेट लेते रहना चाहिए। जाडेजा ने शानदार गेंदबाजी की, उन्होंने मौके बनाए। बुमराह कौन से गेम खेलेंगे इस सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मैच दर मैच तय होता है। एक बार जब हम लंबे ब्रेक के बाद अगले मैच के करीब होंगे तब देखा जायेगा। गौरतलब है कि लीड्स के मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े, जिससे उन्हें मैच गवाना पड़ा। अकेले यशस्वी जायसवाल ने चार कैच छोड़े। इससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को और रन बनाने का मौका मिला और उन्होंने जीत हासिल की।

हार के बाद गेंदबाजों के बचाव में उतरे हेड कोच
हमें गेंदबाजों समय देना होगा : गंभीर

लीड्स, 25 जून। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के दौरान भारतीय गेंदबाजों की अनुभवहीनता खुलकर उजागर हो गई लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा कि टीम के अधिकतर तेज गेंदबाजों का बचाव करते नजर आए। उन्होंने कहा कि कई गेंदबाज अभी अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं और उन्हें कुछ और समय देने की जरूरत है।

इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली नहीं दिखा और मेजबान टीम ने मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन 371 रन का लक्ष्य बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की लाइन और लेंथ में निरंतरता का अभाव दिखा।

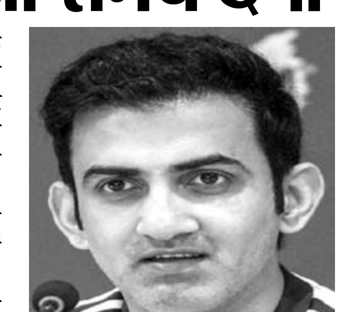

गंभीर ने भारत की पांच विकेट से हार के बाद संवाददाताओं से कहा कि, हमें उन्हें समय देना होगा। पहले हमारी टीम में चार तेज गेंदबाज होते थे जिन्होंने 40 से ज्यादा टेस्ट मैचों का अनुभव किया था। वनडे या टी20 मैचों में इसका इतना बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन टेस्ट मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका का दौरा करते हैं तो अनुभव काफी मायने रखता है। गंभीर ने आगे कहा कि, उनके करियर के अभी शुरुआती दिन हैं। अगर हम हर टेस्ट मैच के बाद अपने गेंदबाजों का मूल्यांकन करना शुरू कर देंगे। तो हम अच्छा गेंदबाजी आक्रमण कैसे तैयार कर पाएंगे। बुमराह और सिराज के अलावा हमारे पास तेज गेंदबाजी में उतना अनुभव नहीं है, लेकिन उनमें गुणवत्ता है और यही कारण है कि वे इस भारतीय टीम में हैं।

वहीं गेंदबाजी आक्रमण को लेकर गंभीर ने कहा कि, इस गेंदबाजी आक्रमण में से एक गेंदबाज ने पांच टेस्ट मैच खेले हैं, एक ने चार एक ने दो मैच खेले हैं, और एक ने अभी तक डेब्यू नहीं किया है। हमें उन्हें समय देना होगा। पहले हमारे पास 40 से ज्यादा टेस्ट मैचों के अनुभव वाले चार गेदंबाज होते थे। वनडे या टी20 मैचों में इसका इतना बड़ा असर नहीं होता लेकिन जब आप टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जाते हैं तो अनुभव मायने रखता है। अभी इस सीरीज के शुरुआती दिन हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

बर्लिन, 25 जून। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा दिया। आज यहां खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के टोबी मैलन ने दूसरे हाफ में 40वें मिनट में मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद भारत के रोहित ने (45वें) मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत के अजीत यादव ने (52वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में दोनों टीमें के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ लेकिन शुरुआती दो क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने में विफल रही। आखिरकार तीसरे क्वार्टर में टोबी मैलन ने मैदानी गोलकर ऑस्ट्रेलिया को 40वें मिनट में 1-0 की बढ़त बना ली। इसके पांच मिनट बाद ही भारत के रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर को गोलकर में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया।

एशिया कप 2025 में नहीं होगा पाक? ब्रॉडकास्टर के प्रोमो से तेज हुई अटकलें

नई दिल्ली, 25 जून। एशिया कप 2025 को लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। इस बार एशिया कप होगा कि नहीं इसे लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। साथ ही अगर टूर्नामेंट होगा तो पाकिस्तान इसका हिस्सा होगा? पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के रिश्ते में तनाव बना हुआ है। इस कारण से एशिया कप पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच भारत और इंग्लैंड टेस्ट के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर के एक प्रोमो से अटकलें लगने लगी हैं कि एशिया कप में पाकिस्तान शायद नहीं खेलेगा। दरअसल, 2 साल के लंबे इंतजार के बाद एशिया कप सितंबर में होने का प्रस्ताव है। 2026 के टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए ये टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इस बीच सोनी स्पोर्ट्स ने एशिया कप का एक प्रोमो जारी किया है। प्रोमो में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के टी20 कप्तानों की तस्वीर तो है लेकिन पाकिस्तान का कोई चेहरा नहीं है। सोनी स्पोर्ट्स इंग्लैंड और भारत टेस्ट सीरीज का आधिकारिक प्रसारणकर्ता है। मंगलवार को लीड्स टेस्ट के आखिरी दिन सोनी स्पोर्ट्स ने एशिया कप का प्रोमो चलाया। इससे ये इशारा मिल रहा है कि टूर्नामेंट होगा लेकिन प्रोमो के साथ जो तस्वीरें लगी हैं उससे ये अटकलें लगने लगी हैं कि पाकिस्तान की टीम एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगी।

सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर सोनी कप का उद्घाटन

जयपुर, 25 जून। जयपुर के सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर सोनी कप आज से शुरू हुआ जिसमें पहला मैच जीआर क्रिकेट अकादमी और आर्यन क्रिकेट अकादमी के बीच सोनी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। 20 ओवर में 7 विकेट खोकर जीआरक्रिकेट अकादमी ने 110 रन बनाए जिसमें जोगिंदर काकोरिया ने 30 रन, सचिन 22 रन,अनित राज 16 रन बनाए। आयरन क्रिकेट अकादमी के बॉलर हर्ष स्वामी, राहुल जाट और जुनैद प्रत्येक ने दो-दो विकेट लिए। 110 रन का लक्ष्य पाने के लिए ग्राउंड पर उतरी आर्यन मात्र 18 ओवर्स में खेल कर 18.1 बॉल्स खेल कर ऑल आउट हो गई। जीआरक्रिकेट अकादमी 52 रन से जीत हासिल कर लिया। आर्यन क्रिकेट अकादमी के शुभम वर्मा ने 12 रन और राहुल जाट ने 12 रन का योगदान दिया जीआर क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज पंकज शर्मा, सचिन प्रवीण शर्मा ने प्रत्येक ने दोनों विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच पंकज शर्मा रहे। आज इस उद्घाटन मैच में सोनी कप के संचालक एवं सोनी ग्रुप के डायरेक्टर और पूर्व रणजी खिलाड़ी विमल राय सोनी उपस्थित थे। सोनी ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया, साथ में सोनी स्टेडियम के मैनेजर असमत आलम भी थे।

टंग की गेंदबाजी, जैक क्रॉली, बेन डकेट की पारी ने मैच का रुख बदला : बेन स्टोक्स

लीड्स, 25 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश टंग के स्पैल के बाद जैक क्रॉली और बेन डकेट की धैर्यपूर्ण पारी ने मैच का रुख बदल दिया। पहले टेस्ट मैच में मंगलवार रात भारत को पांच विकेट से हराने के बाद कप्तान स्टोक्स ने कहा कि हमारे पास यहां इस मैदान को लेकर कुछ अच्छी यादें हैं, एक और इजाफा करना अच्छा रहा है। आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए एक अच्छे टेस्ट का हिस्सा बनना शानदार रहा है। वैसे टंग के स्पेल ने भी खेल का रुख बदला दिया था। इसके बाद डकेट और क्रॉली की अविश्वसनीय बल्लेबाजी ने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। क्रॉली और डकेट की साझेदारी शानदार रही। जिस तरह से क्रॉली ने संयम के साथ 60 रन बनाए वह भी महत्वपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा कि आप नहीं जानते कि गेंद फेंके जाने से पहले क्या होगा आप वहीं चुनते हैं जो आपको सबसे अच्छा लगता है। हमने सोचा कि गेंदबाजी करने का फैसला करते समय हमें जीतने का सबसे अच्छा मौका क्या देगा। विरोधी टीम को अच्छा खेलने की अनुमति है हमने पहले सत्र में अच्छी गेंदबाजी की फिर भी भारत ने भी पहले दिन अविश्वसनीय प्रदर्शन किया। मुझे नहीं लगता कि कभी भी अलग फैसला लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना आपको आत्मविश्वास देता है। इस सीरीज की शानदार शुरुआत रही। जीत में बहुत सारे कौशल का योगदान रहा है हम लंबे समय से मैदान में हैं, लेकिन हम प्रत्येक सत्र में इस दृष्टिकोण के साथ आए कि हम मैच को पूरी तरह से बदल देंगे। प्लेयर ऑफ द मैच बेन डकेट ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय मैच था, भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। पांचवें दिन की शुरुआत में जिस तरह से हमने मैच को खत्म किया वह अविश्वसनीय था। हम बिना विकेट खोए कल शाम खेलना चाहते थे। आज सुबह यह स्पष्ट था अगर हम रुककर बल्लेबाजी करते हैं, तो हम जीत जाएंगे। ड्रेसिंग रूम के लोगों का मानना है हमने पूरे दिन परिपक्वता दिखाई और जता दिया कि जीतना कितना मायने रखता है।

कई बार हम इस मैच में पीछे रह गए। हमारे गेंदबाजों को बहुत बड़ा श्रेय जाता है, जिन्होंने कम समय में पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर दिया। वरना अगर वह लक्ष्य में 50 से 60 रन और जोड़ देते तो मैच अलग होता। हमने क्रॉली को पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते देखा, वह शांत रहकर अच्छा खेला था। अच्छी गेंदों का सम्मान किया और खराब गेंदों को उचित स्थान पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, उन्होंने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रभाव को सीमित करना बहुत बड़ा था। हमने उन्हें बहुत संभल कर खेला। उन्हें सीधे बल्ले से खेलना मुश्किल था। अगर उन्हें विकेट मिल जाता तो यह एक अलग मैच होता, लेकिन रूट ने शांत रहकर लाजवाब बल्लेबाजी का नमूना पेश किया।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच होगी हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की खिताबी जंग

चेन्नई, 25 जून। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप के फाइनल में शुक्रवार को तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच खिताबी जंग होगी। आज यहां खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने अपनी-अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों पर शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। दिन के पहले सेमीफाइनल मैच में तमिलनाडु ने पुरुष वर्ग में हॉकी चंडीगढ़ को 3-0 से हराया। तमिलनाडु की ओर से विनोथ कुमार एपी ने (पहले) मिनट में एक बेहतरीन गोलकर खेल की शुरुआत की। इसके बाद सुदर्शन एस ने (40वें) और कप्तान एडम एंटनी सिंक्लेयर ने (54वें) मिनट में एक-एक गोल कर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। आज दूसरे सेमीफाइनल मैच में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 4-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के लिए लियोनार्ड कीथ परेरा ने (चौथे, 17वें) मिनट में दो गोल किए जबकि विक्रम पिल्ले ने (38वें) और कार्ल गोम्स ने (43वें) मिनट में भी एक-एक गोल करके अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारत हार के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंकतालिका में चौथे नंबर पर, इंग्लैंड बना नंबर-1

लीड्स, 25 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में भारतीय क्रिकेट टीम अपना पहला टेस्ट सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है। इस 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और भारतीय टीम की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में खराब हुई।

बेन स्टोक्स की कप्तानी में मेजबान इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई। वहीं भारतीय टीम इस अंकतालिका में चौथे नंबर पर है। टीम इंडिया को अपने पहले ही मैच में हार मिली और वो एक भी अंक अर्जित नहीं कर पाई।

लीड्स टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 371 रन का मुश्किल टारगेट दिया था, लेकिन भारतीय गेंदबाजी काफी खराब रही और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने मैच के आखिरी दिन जीत के लिए बचे 350 रन के लक्ष्य को आराम से हासिल कर लिया। इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर 373 रन बनाते हुए मैच जीत लिया और भारत को निराशा हाथ लगी।

फिलहाल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका की बात करें तो, भारत के खिलाफ जीत के बाद इंग्लैंड पहले स्थान पर काबिज हो गया है जिसने अपने पहले मैच में जीत से 12 अंक हासिल किए हैं। इस टीम की जीत का प्रतिशत 100.00 है तो वहीं इसमें दूसरे नंबर पर बांग्लादेश तो तीसरे नंबर पर श्रीलंका है।

ऋषभ पंत, डकेट की आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग हुई बेहतर

दुबई, 25 जून। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की हेडिंग्ले टेस्ट में खेली गई शतकीय पारियों के बाद दोनों खिलाड़ी आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ सातवें और आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से आज जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार पंत जहां 800 रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं डकेट भी पांच पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए हैं।

इसके आलवा शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जबकि जो रूट 889 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर, हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है, केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे पायदान पर है। डकेट के इंग्लैंड के साथी ओली पोप तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों के रैंकिंग में कुछ सुधार देखा गया है। जबकि भारतीय कप्तान शुभमन गिल मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए।

श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में उनके कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग में कुछ सुधार आया है, जिसमें मुशफिकुर रहीम सबसे आगे हैं, जिन्होंने गॉल में 163 रन की पारी खेली। रहीम टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान की छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि उनके साथी नजमुल हुसैन शांतो ने इसी मैच में दो शतक जड़ने के बाद 21 पायदान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष स्थान पर अपना स्थान बरकरार रखा है।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए कुछ खुशी की बात है, जो इसी टेस्ट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीन पायदान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। स्कॉटलैंड, नेपाल और नीदरलैंड के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला के समापन के बाद ताजा टी-20 रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं। नीदरलैंड के तेज गेंदबाज माइकल लेविट 16 पायदान ऊपर 14वें स्थान पर और स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर ब्रैंडन मैकमुलेन 20 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर ने टी-20 बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में जगह बनाई, जबकि स्पिनर मार्क वॉट ने दो पायदान की छलांग के साथ 38वें स्थान पर टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

आईएसपीएल से जुड़े स्टार सलमान खान, नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के होंगे मालिक

नई दिल्ली, 25 जून। आईएसपीएल यानी इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग से अब बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान का नाम भी जुड़ गया है। आईएसपीएल ने बुधवार को ऐलान किया कि खान उसकी नई फ्रेंचाइजी नई दिल्ली के मालिक होंगे। ये लीग टेनिस बॉल से खेली जाती है और इसमें 10-10 ओवर के मैच होते हैं।आईएसपीएल की कोर कमिटी में सचिन तेंदुलकर, एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य आशीष शेलार, मिनाल अमोल काले और सूरज सामत हैं। आईएसपीएल का दूसरा सीजन काफी हिट रहा था। उसे टीवी पर 2.8 करोड़ से ज्यादा दर्शकों का प्यार मिला था। पहले सीजन के मुकाबले दूसरे सीजन में टीवी व्यूअरशिप में 47 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला था। अब लीग में दो और फ्रेंचाइजी जुड़ी रही हैं। नई दिल्ली का तो ऐलान हो चुका है। दूसरी फ्रेंचाइजी अहमदाबाद का औपचारिक ऐलान भी आने वाले दिनों में हो सकता है और उसका भी मालिक कोई सेलिब्रिटी होगा। आईएसपीएल में पहले से ही बॉलीवुड का जबरदस्त तड़का लगा हुआ है। इसकी टीमों के मालिकों में अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, अक्षर कुमार, सूर्या, ऋतिक रोशन और राम चरण जैसे फिल्म स्टार हैं। अब इस लिस्ट में सलमान खान का नाम भी जुड़ गया है। आईएसपीएल की कोर कमिटी केसदस्य सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, आईएसपीएल के पिछले दो सीजन को देशभर में फैंस और शुभचिंतकों का बहुत सपोर्ट और प्यार मिला। ये निश्चित रूप से उन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है जो अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं और कठिन मेहनत करते हैं। नए सीजन में नई टीम जोड़कर जाना और नए फैन और सपोर्टर लाएगा।

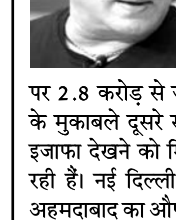

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर काला धब्बा : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतंत्र सेनानियों ने जेलों में यातनाएँ सहकर संविधान की रक्षा की

जयपुर, 25 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को देश में थोपा गया आपातकाल हमारे लोकतांत्रिक इतिहास पर काला धब्बा है। इस दौरान तत्कालीन सरकार ने मीसा और डीआईआर जैसे अलोकतांत्रिक कानूनों को लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आज़ादी और मौलिक अधिकारों का दमन किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के सेनानियों ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेलों में कड़ी यातनाएं झेलीं और लोकतंत्र को बचाने के लिए जो संघर्ष किया, वो एक अप्रतिम उदाहरण है।

शर्मा बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित "भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- संविधान हत्या दिवस-2025" कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान तत्कालीन सरकार ने लगभग एक लाख 40 हजार लोगों को अलोकतांत्रिक तरीके से कई महीनों तक कैद में रखा। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणी को भी जेल में बंद कर दिया गया। लेकिन लोकतंत्र के सजग प्रहरी ये सेनानी जीवन की परवाह किए बिना अपने संकल्प पर डटे रहे और आपातकाल का जमकर विरोध किया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण के लिए राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि को फिर से बहाल किया है। अब प्रदेश के सभी लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपये मासिक पेंशन और 4 हजार रुपये की मासिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रावधान भी किया गया है कि लोकतंत्र सेनानियों को पेंशन बिना किसी रुकावट के मिलती रहेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र सेनानियों का सान्निध्य पाकर उन्हें अत्यंत हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री ने भावी पीढ़ी से सेनानियों से उनके संघर्ष के संस्मरण सुनने और प्रेरणा लेने का आव्हान किया। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या की, मौलिक अधिकारों का हनन किया, मीसा जैसा कानून लाया गया, जिसमें अनिश्चितकालीन गिरफ्तारी का प्रावधान रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के संस्मरणों से संकलित 'लोकतंत्र रक्षा की कहानी-सेनानियों की जुबानी' पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में आपातकाल के 50 वर्ष पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लोकतंत्र सेनानी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपातकाल लगने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित "भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- संविधान हत्या दिवस-2025" कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लोकतंत्र सेनानी उपस्थित थे।

- **मुख्यमंत्री शर्मा ने बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में, आपातकाल लगने के 50 साल पूरे होने पर आयोजित सम्मेलन "भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- संविधान हत्या दिवस-2025" कार्यक्रम को संबोधित किया।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा, हमने राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि को पुनः बहाल किया है, जिसके तहत लोकतंत्र सेनानियों को 20,000 रूपए मासिक पेंशन और 4 हजार रूपए की चिकित्सा सहायता दी जा रही है।**

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी

फ्लोरिडा, 25 जून। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तीन अन्य चालक दल के सदस्य अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हो गए हैं। भारतीय समय के अनुसार, दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर मिशन को लांच किया गया। नासा ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजकर 30 मिनट पर डॉकिंग की टाइमिंग है। इस मिशन का संचालन भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कर रहे हैं। क्रू कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट पर एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर सवार होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा कर रहा है। इस मिशन का नेतृत्व अमेरिका की कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जिसमें शुभांशु शुक्ला मिशन पायलट हैं और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू और पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यात्रियों ने उड़ान भरी। कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होने के बाद चालक दल एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर परिक्रमा प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। नासा ने एक बयान में कहा कि मिशन का डॉकिंग समय गुरुवार, 26 जून को भारतीय मानक समय के अनुसार शाम 4.30 बजे है।

- **शुभांशु भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए थे।**

जयपुर-अजमेर हाईवे पर मैथेनॉल से भरा टैंकर पलटा, ड्राइवर जिंदा जला

मोखमपुरा के पास एनएच48 पर हुए हादसे में टैंकर पलटते ही आग लग गई

- **हाईवे पर चल रहे कई वाहन चालक अपनी गाड़ियाँ छोड़कर भाग गए।**
- **इस हादसे ने दिसंबर 2024 में हुई भांकरोटा दुखांतिका की भयावह यादें ताजा कर दीं, जब एलपीजी टैंकर में आग लगने से हुए हादसे 20 से ज्यादा लोग मारे गए थे व 35 से ज्यादा लोग झुलस गए थे।**

जयपुर, 25 जून। जयपुर-अजमेर हाईवे पर बुधवार को जयपुर ग्रामीण जिले के मोखमपुरा के पास केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर के पलटते ही टैंकर में भीषण आग लग गई। हादसे में वाहन चालक राजेन्द्र यादव टैंकर की केबिन में फंसने से जिंदा जल गया। इस हादसे ने गत वर्ष दिसम्बर में भांकरोटा के समीप इसी हाईवे पर हुए भयावह हादसे की यादें ताजा कर दीं।

थानाधिकारी संजय मीणा ने बताया कि बुधवार सुबह एनएच 48 पर मोखमपुरा में मेथेनॉल से भरा टैंकर पलटते ही उसमें आग लग जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस पहुंची और उच्च अधिकारियों और दमकल को सूचना दी, लेकिन दमकल आने से पहले ही वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया। टैंकर में लगी आग और धुंआ करीब 300 मीटर दूर से ही नज़र आ रहा था। इस कारण हाईवे पर चल रहीं दूसरी गाड़ियों के ड्राइवर भी डर गए।

दूदू, बगरू सहित जयपुर से एक दर्जन से ज्यादा दमकल वहाँ पहुंची, तब जाकर आग पर काबू पाया गया। हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, लेकिन पुलिस प्रशासन ने वाहनों को घटनास्थल के पास नहीं जाने दिया। काफी समय बाद पुलिस ने महला, जोबनेर, दूदू, मोखमपुरा स्टेट हाईवे से वाहनों को डाइवर्ट करके निकालने का प्रयास किया। हादसे की सूचना मिलते ही, एसडीएम बलवीर सिंह, तहसीलदार राघवेन्द्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल सहित, अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

टैंकर में भरा मेथेनॉल हाईवे पर बिखर गया। आग फैलने के डर से टैंकर के करीब चल रहीं गाड़ियां हाईवे पर ही रुक गईं। हादसे के करीब आधा घंटे बाद तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार सुबह जैसे ही हादसा हुआ, लोग अपने वाहनों को छोड़ कर खेतों की तरफ भागे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह जयपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक पलटा और आग का गोला बन गया। सभी लोग डर गए और कार से उतरकर पीछे की तरफ भागे। अन्य गाड़ी वालों ने भी कार रोकी और खुले स्थान की तरफ भागने लगे। गनीमत रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, हाईवे पर टैंकर पलटने के बाद आग लगते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दमकल वाहन और उच्च अधिकारियों को हादसे की सूचना दी। लेकिन 45 मिनट बाद पहली दमकल पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और वाहन चालक की जलकर मौत हो चुकी थी। सूत्रों ने कहा, समय रहते अगर दमकल पहुंचती तो शायद वाहन चालक की जान बच सकती थी। मुख्यमंत्री कार्यालय पर हादसे की सूचना के बाद जयपुर से एक दर्जन दमकल पहुंचीं, तब आग पर काबू पाया गया।

गौरतलब है कि दिसंबर-2024 में इसी हाइवे पर हुए एलपीजी टैंकर ब्लास्ट में 20 लोगों की मौत हो गई थी, वहीं, 35 से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए थे। बुधवार को जहां टैंकर पलटा, उस जगह की दूरी भांकरोटा से करीब 30 किलोमीटर है। स्थानीय लोगों का कहना है पिछले साल हुए हादसे के बाद भी प्रशासन ने कोई सबक नहीं सीखा है। कैमिकल या गैस से भरे टैंकर की सुरक्षा को लेकर कोई सख्ती नहीं हुई है।

अधिकांश अमेरिकावासी ईरान पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधे ही उत्साहपूर्वक समर्थन करते हैं- जबकि 88 प्रतिशत डेमोक्रेट और 60 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता इसका विरोध करते हैं। यह विभाजन ऐसे राष्ट्र को दर्शाता है जो नेतृत्व को लेकर असमंजस और संदेह से जूझ रहा है।

आम लोगों में गहरी चिंता है, 58 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि ये हमले अमेरिका के लिए और ईरान के खतरे को कम नहीं करेंगे बल्कि बढ़ा देंगे। यहां तक कि जो लोग हमलों का समर्थन करते हैं, उनमें से भी केवल 55 प्रतिशत ही मानते हैं कि इससे खतरा वास्तव में कम होगा। यानी बल प्रयोग का तर्क हमले समर्थकों को भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं कर पा रहा।

और भी अधिक चिंता की बात यह है कि केवल 32 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिका ने हमले से पहले पर्याप्त कूटनीतिक प्रयास किए। अधिकांश अमेरिकी जनता यह सवाल कर रही है कि क्या बल प्रयोग वाकई में जरूरी था - और क्या शांति के किसी विकल्प पर गंभीरता से विचार किया गया था?

इस पूरे मुद्दे के मूल में ट्रंप के सैन्य निर्णयों पर बढ़ता अविश्वास है, 55 प्रतिशत उत्तरदाता कहते हैं कि उन्हें ट्रंप पर "बहुत कम" या "बिल्कुल भी" भरोसा नहीं है कि वे बल प्रयोग को लेकर सही निर्णय लेंगे। केवल 45 प्रतिशत उन्हें "मध्यम" या "बहुत अधिक" भरोसेमंद मानते हैं। डेमोक्रेट में यह अविश्वास अत्यधिक (88 प्रतिशत) है, और स्वतंत्र मतदाताओं में भी यह काफी गहरा (62 प्रतिशत) है।

अमेरिकी जनता अब राष्ट्रपति के युद्ध-संबंधी अधिकारों पर नियंत्रण की मांग कर रही है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत मानते हैं कि ट्रंप को आगे किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेनी चाहिए। यहां तक कि उनकी खुद की पार्टी में भी 39 प्रतिशत रिपब्लिकन इस बात से सहमत हैं।

उम्र इस राजनीतिक विभाजन में एक और परत जोड़ती है। अमेरिका में 35 वर्ष से कम उम्र के अमेरिकी इन हमलों को लेकर सबसे अधिक संशय में हैं जहां 68 प्रतिशत विरोध में हैं वहीं 45 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें ट्रंप के सैन्य निर्णयों पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। युवा रिपब्लिकन समर्थकों में केवल 20 प्रतिशत ही इन हमलों का जोरदार समर्थन करते हैं, जबकि पुराने रिपब्लिकन में यह आंकड़ा 53 प्रतिशत है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर यह पीढ़ीगत अंतर आने वाले महीनों में असर डाल सकता है।

एक बात पर लगभग सर्वसम्मति है, वह यह है: अमेरिकी सैनिकों को जमीनी युद्ध में नहीं भेजना चाहिए। केवल 9 प्रतिशत लोग ईरान में जमीनी सैनिक भेजने का समर्थन करते हैं, जबकि 68 प्रतिशत इसका पूरी तरह विरोध करते हैं। यहां तक कि हवाई हमलों के समर्थक भी पूर्ण सैन्य तैनाती का 2 गुना से अधिक अनुपात में विरोध करते हैं।

यह सर्वेक्षण ईरान की जवाबी कार्रवाई और ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा से पहले किया गया था, और यह राष्ट्र की उस समय की कच्ची भावनाओं को दर्शाता है।

अंत में, यह सर्वेक्षण एक स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। अमेरिकी जनता एक और मध्यपूर्वी संकट से चिंतित हैं, वे एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर भरोसा नहीं करते, और उस व्यक्ति को लेकर और अधिख सशंकित हैं जो फैसले ले रहा है। ट्रंप ने भले ही हमला करने का आदेश दिया हो, लेकिन जनता का विश्वास जीतने की लड़ाई अभी बाकी है।

दिल्ली के नौसेना भवन का यूडीसी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

- **राजस्थान पुलिस की खुफिया विंग ने आरोपी विशाल यादव को गिरफ्तार किया**
- **इस गिरफ्तारी से देश की खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया है।**
- **सूत्रों ने बताया कि हरियाणा निवासी विशाल यादव पाकिस्तान की महिला हैंडलर के संपर्क में था, जो प्रिया शर्मा के नकली नाम से विशाल से बात कर रही थी।**

जयपुर, 25 जून। देश की राजधानी स्थित नौसेना भवन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में राजस्थान पुलिस की खुफिया विंग ने गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी ने देश की सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया है। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस ने यह बड़ी कार्रवाई करते हुए, विशाल यादव, निवासी पुनसिका रेवाड़ी, हरियाणा, को बुधवार 25 जून को शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत दबोचा है।

महानिरीक्षक पुलिस, सीआईडी सुरक्षा, विष्णुकांत गुप्ता ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों द्वारा की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान लगातार निगरानी रख रही थी। इसी निगरानी के दौरान यह जानकारी सामने आई कि नौसेना भवन दिल्ली में डायरैक्टोरेट ऑफ डॉकयार्ड में कार्यरत विशाल यादव सोशल मीडिया के माध्यम से एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलर के निरंतर संपर्क में था। यह महिला, जिसका छद्म नाम प्रिया शर्मा बताया जा रहा है, विशाल को पैसों का लालच देकर नौसेना भवन से सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं निकालने के लिए उकसा रही थी।

प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि विशाल यादव ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था और अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उसने देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया। वह महिला पाक हैंडलर को संवेदनशील सूचनाओं के एवज में अपने क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग अकाउंट में यूएसडीटी और सीधे अपने बैंक खातों में धनराशि प्राप्त कर रहा था।

संदिग्ध के मोबाइल फोन का फॉरेंसिक विश्लेषण करने पर जो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, वे और भी गंभीर हैं। उसके मोबाइल से मिली चैट और दस्तावेजों के अवलोकन से पता चला है कि विशाल यादव ने ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान भी नौसेना और अन्य रक्षा संबंधी गोपनीय सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को उपलब्ध कराई थीं। जो दर्शाता है कि वह लंबे समय से इस जासूसी रैकेट का हिस्सा था।

साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नए नियम के अनुसार, कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। जबकि दूसरे फेज में शामिल होने का ऑप्शन होगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।

धर्मशाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर डायवर्ट हो गया, जिससे शेडों में आराम कर रहे मजदूर बह गए। बहे हुए ज्यादातर मजदूर श्रीनगर के बताए जा रहे हैं। एक शव टिल्लू के पास और दूसरा नगूनी में मिला। नगूनी में गई एसडीआरएफ टीम से अभी संपर्क नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने जल विद्युत परियोजना पर पेड़ कटाई और मलबा डालने का आरोप लगाया, जिससे नाले का बहाव बदला।

'हमारे परमाणु ठिकानों को बहुत नुकसान हुआ'

तेहरान, 25 जून। ईरान ने आखिरकार कबूल कर लिया है कि अमेरिकी हमलों में उसके परमाणु ठिकानों को बुरा नुकसान हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई की तरफ से बुधवार को इसकी पुष्टि की गई है। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया कि यह नुकसान कैसा है और किस हद का हुआ है। अमेरिका ने रविवार 22 जून को बी-2 बॉम्बर्स और बंकर बस्टर बमों की मदद से ईरान के परमाणु अड्डों को निशाना बनाया था।

'28 दिन अवैध हिरासत में रखा, अब 5 लाख रु. का मुआवज़ा दे यूपी सरकार'

- **सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार के उल्लंघन का दोषी करार दिया**

नयी दिल्ली, 25 जून। उच्चतम न्यायालय ने जमानत आदेश के बावजूद 28 दिनों तक एक व्यक्ति को जेल में रखने को स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को उस व्यक्ति को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ बुधवार को बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह बात सामने आई थी कि गाजियाबाद जेल प्रशासन, 29 अप्रैल को पारित शीर्ष अदालत के आदेश और 27 मई के औपचारिक रिहाई आदेश के बावजूद आरोपी को रिहा करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

पीठ ने कहा, भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैं।न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की। उन्होंने गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा तीन और पांच (आई) के तहत गिरफ्तार किया गया वह व्यक्ति 24 जून तक हिरासत में रहा। अधिकारियों ने सफाई दी कि जमानत आदेश में एक उप-धारा की चूक के कारण व्यक्ति की रिहाई नही हो पायी थी।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा,स्वतंत्रता एक व्यक्ति को दी गई एक बहुत ही मूल्यवान और अनमोल अधिकार है। इसे इन बेकार की तकनीकी बातों पर समझौता नहीं किया जा सकता। जब इस अदालत ने एक वैध आदेश पारित करके स्वतंत्रता दी है, तो उसे कैसे छीना जा सकता है?

जेल अधिकारियों और राज्य प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा,क्या किसी उपधारा को छोड़ देना किसी को हिरासत में रखने का वैध आधार है। अगर हम स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम आज जन को क्या संदेश दे रहे हैं।

12 दिन का युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से इन्कार किया, लेकिन कहा कि अगर इज़रायल 4 बजे सुबह (तेहरान समय) तक हमले रोक दे, तो वह भी आगे नहीं बढ़ेगा। इज़रायल ने 24 जून की सुबह तेहरान के पास एक रडार स्ट्राइक की, लेकिन ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद हमले पर रोक लगा दी। इसका क्षेत्रीय और वैश्विक असर देखा गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई (वैस्ट टैक्सस इन्टरमीडिएट/ डब्ल्यु.टी.आई. 3.2 प्रतिशत नीचे, ब्रैंट 3.4 प्रतिशत नीचे) और अमेरिकी शेयर बाज़ार के वायदा सूचकांक (स्टॉक फ्यूचर्स) में बढ़त दर्ज की गई, जो कि क्षेत्रीय तनाव में कमी के प्रति राहत का संकेत था। इज़रायली हवाई अड्डों ने सामान्य नागरिक उड़ानें फिर से शुरु कर दीं; सैन्य प्रतिबंधों में ढील दी गई। भारत ने इस युद्धविराम का स्वागत किया और राजनयिक समर्थन की पेशकश की। युद्धविराम अत्यधिक नाजुक है: 24 जून को आरंभिक उल्लंघनों और मिसाइल हमलों से स्पष्ट है कि यह अभी भी अस्थिर ही है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का कहना है कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों ने उसके कार्यक्रम को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला है, पूरी तरह नष्ट नहीं किया।

ईरान की संसद ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से सहयोग रोकने की घोषणा की, जिससे पारदर्शिता को लेकर चिंता बढ़ गई है। आगे की संभावनाएँ देखी जाएं तो यह युद्धविराम अमेरिका, विशेषकर ट्रंप द्वारा जारी राजनयिक दबाव पर निर्भर है, साथ ही, दोनों पक्षों द्वारा आगे और हमले नहीं करने के निर्णय पर। स्थिति बेहद विस्फोटक व संवेदनशील है; किसी भी मिसाइल हमले या हवाई हमले से यह युद्धविराम टूट सकता है।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी को तरजीह देते हुये, उनकी अतिशयोक्ति से भरी प्रशंसा करने के लिए। सूत्रों के अनुसार, "अमित शाह ने भी नरेन्द्र मोदी को सलाह दी है कि वे शशि थरूर को भाजपा में शामिल न करें, क्योंकि वे "एक और सुब्रमण्यम स्वामी" साबित हो सकते हैं, यानी, वे राजनीतिक रूप से अनिश्चित और अप्रत्याशित हैं। शाह का मानना है कि थरूर राजनीतिज्ञ नहीं हैं।"शशि थरूर ने एक ट्वीट में कहा है कि वे भाजपा की गोद में बैठने नहीं जा रहे। माना जा रहा है कि वे भाजपा में शामिल नहीं होना चाहते, लेकिन इस बात से आहत हैं कि उनकी खुद की पार्टी के कुछ लोग उन्हें बाहर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। शशि थरूर प्रकरण की आख़िरी पंक्ति अभी नहीं लिखी गई है!!

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन कॉलेज के बाहर उसे पूर्व परिचित अभियुक्त मिला था। वह उसे घर छोड़ने के नाम पर अपने साथ ले गया।

रास्ते में अभियुक्त ने उसे नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई और वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे जयपुर में होश आया। तब अभियुक्त उसे बस से पटना ले गया और बाद में भोपाल ले आया। जहां उसने करीब एक सप्ताह तक उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि यहां से अभियुक्त उसे वापस जयपुर ले आया और मुहाना मंडी के पास किराए के कमरे में रखा और यहां भी अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

वहीं 20 अक्टूबर पुलिस आकर उसे लग गई। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसकी बहन की सगाई पीड़िता के भाई के साथ हुई थी और वह उसके घर आता-जाता था। इस दौरान उनके बीच प्रेम हो गया और पीड़िता ने अपने आप को वयस्क बताया था।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"आपने राजनीतिक, आर्थिक और मीडिया संस्थापन का मुकाबला किया और आपने उन्हें हरा दिया। अब सामान्य चुनाव में जीत की ओर बढ़ें"

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में ममदानी को क्वींस में आयोजित विजय के एक समारोह में यह कहते हुए उद्धृत किया गया, "मित्रो, हम कामयाब हो गये हैं। मैं न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए आपका डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनूँगा। हमने हारलेम से बे रिज तक जीत हासिल की है।" जब कुओमो ने चुनाव में हार स्वीकार की, तो उन्होंने कहा: "आज की रात हमारी नहीं थी। आज की रात उनकी थी। वे इसके हकदार थे। उन्होंने जीत हासिल की।" ममदानी की वेबसाइट में कहा गया है कि उन्होंने विधानसभा के भीतर और बाहर कामकाजी वर्ग के लिए संघर्ष किया, जिसमें टैक्सी चालकों के साथ भूख हड़ताल कर 450 मिलियन डॉलर से अधिक की ट्रांसफॉर्मेटिव ऋण राहत प्राप्त की, राज्य बजट में 100 मिलियन डॉलर से अधिक की रकम जुटाई और सबवे सर्विस को बढ़ाया, और एक सफल शुल्क-मुक्त बस पायलट प्रक्षेपण किया। इसके अलावा, न्यूयॉर्कवासियों को संगठित करके प्रस्तावित डर्टी पावर प्लांट की योजना रद्द करायी। उन्होंने अपनी वेबसाइट पर लिखा, "जीवन यापन की लागत (खर्च) कामकाजी लोगों के लिए बहुत अधिक है, लेकिन ज़ोहरान का मानना है कि सरकार इस लागत को कम कर सकती है और हमारे शहर में जीवन को आसान बना सकती है, वे किराया कम करने, विश्व स्तरीय सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने और परिवार पालने को आसान बनाने के लिए हर उपलब्ध साधन का उपयोग करेंगे।"

ममदानी ने वादा किया है कि वे मेयर बनने के बाद तुरंत सभी स्थिर किराएदारों के लिए किराया स्थिर कर देंगे और न्यूयॉर्क वासियों को घर बनाने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग करेंगे और किराया कम करेंगे।

फास्ट और मुफ्त बसों का वादा करते हुए, उन्होंने प्रचार में कहा कि वे मेयर बनने के बाद हर शहर की बस का किराया स्थायी रूप से समाप्त कर देंगे और उन्हें तेज़ गति देने के लिए प्राथमिकता लेन, बस क्यू जंप सिग्नल और डेडिकेटेड लोडिंग ज़ोन का निर्माण करेंगे, ताकि डबल पार्किंग करने वाले लोगों से बचा जा सके।

ममदानी न्यूयॉर्क के 6 सप्ताह से लेकर 5 साल तक की उम्र के सभी बच्चों के लिए मुफ्त देखभाल व्यवस्था लागू करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी परिवारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली प्रोग्रामिंग हो।

खाद्य कीमतों के नियंत्रण से बाहर होने के कारण, उनके प्रचार में वादा किया गया कि वे मेयर बनने के बाद शहर के स्वामित्व वाले किराना स्टोरों का एक नेटवर्क बनाएंगे, जो कीमतों को कम रखने पर केन्द्रित होंगे, न कि मुनाफा कमाने पर।

उन्होंने अपने प्रचार में कहा, ममदानी के पास जीवन यापन की लागत को कम करने के लिए शहर के स्वामित्व वाले किराना स्टोर, सार्वभौमिक बाल-देखभाल केन्द्र और अन्य साहसिक प्रस्तावों की योजना है, और उन्हें यह भी पता है कि इसके लिए पैसा कहां से आयेगा। उनकी "राजस्व योजना" के तहत, कॉर्पोरेट टैक्स दर को न्यू जर्सी के 11.5 प्रतिशत से मैच करने तक बढ़ाया जाएगा, जिससे 5 बिलियन डॉलर की आय होगी। और वे न्यूयॉर्क के सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोगों, जो सालाना 1 मिलियन डॉलर से अधिक कमाते हैं, पर फ्लैट 2 प्रतिशत टैक्स लगाएंगे (इस समय शहर की आयकर दर लगभग समान है, चाहे आप 50,000 डॉलर कमाते हों या 50 मिलियन डॉलर)।" उन्होंने यह भी कहा कि वे सामान्य खरीदारी-सुधार लागू करेंगे, बिना निविदा वाले अनुबंधों को समाप्त करेंगे, अधिक टैक्स ऑडिटर्स नियुक्त करेंगे, और भ्रष्ट मकान मालिकों से जुर्माना वसूलने के लिए कड़ी कार्रवाई करेंगे, जिससे अतिरिक्त 1 बिलियन डॉलर की राशि जुटायी जाएगी। उनके प्लेटफॉर्म के अनुसार, "न्यूयॉर्क बहुत महंगा है। ज़ोहरन लागत को कम करेंगे और जीवन को आसान बनाएंगे।" न्यू यॉर्क सिटी मेयर चुनाव 4 नवंबर, 2025 को होना है।

ममदानी के बारे में दिलचस्प विवरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने अपनी किशोरावस्था में ही अपनी मां मीरा नायर को हैरी पॉटर फिल्म निर्देशित करने का एक प्रस्ताव ठुकराने और इसके बजाय "द नेमसेक" फिल्म निर्देशित करने के लिए राजी किया था। 2018 में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में वीर सांघवी को दिये एक इन्टरव्यू में, नायर ने इस बारे में खुलासा किया था कि उन्हें हैरी पॉटर के पांचवे भाग "ऑर्डर ऑफ द फीनिक्स" को निर्देशित करने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन ममदानी ने उन्हें अपना मन बदलने के लिए राजी कर लिया। 67-वर्षीय फिल्म निर्माता मीरा नायर ने कहा था, "मैंने यह प्रस्ताव इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि मैं "वैनिटीफेयर" को निर्देशित करने में व्यस्त थी। मेरी सास, जो मेरे लिये माँ जैसी थीं, का न्यूयॉर्क में चिकित्सकीय लापरवाही के कारण देहान्त हो गया था।" उन्होंने कहा, "मैं गहरे दुख में थी। लेकिन उस समय मैंने झुम्पा लाहिरी का खूबसूरत उपन्यास "द नेमसेक" पढ़ा। यह भी एक माता-पिता के निधन के बारे में था। फिर मैंने तय किया कि इस पर एक फिल्म बनाऊं। इसके बाद मुझे हैरी पॉटर निर्देशित करने का प्रस्ताव मिला।"

उन्होंने आगे बताया, "मैंने अपने 14 साल के बेटे से इसके बारे में पूछा। उसने मुझसे कहा कि हैरी पॉटर बनाने के लिए बहुत से अच्छे निर्देशक हैं, लेकिन ऐसा केवल एक निर्देशक है, जो "द नेमसेक" बना सकता है।"

मीरा फिर "द नेमसेक" निर्देशित करने लगीं, जो समीक्षकों की नज़र में, अब तक की उन सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक रही, जो किसी पुस्तक के आधार पर बनी हैं। यह फिल्म झुम्पा लाहिरी के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है और इसमें बांग्लादेशी आप्रवासी अशोक (इरफान खान) और आशिमा (तब्बू) के बेटे गोगोल गांगुली की यात्रा की कहानी है, जो अमेरिका में अपनी पहचान को दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच ढूंढने की कोशिश करता है। ममदानी ने न केवल अपनी मां को "द नेमसेक" निर्देशित करने के लिए मनाया, बल्कि उन्होंने काल पेन्न को गोगोल के रूप में कास्ट करने के लिए भी प्रेरित किया, क्योंकि वे इस अभिनेता की 2004 की फिल्म "हैरॉल्ड एंड कुमार गो टु वाइट कैसल" के बहुत बड़े प्रशंसक थे। वे रोज़ाना मीरा से पेन्न को यह भूमिका देने के लिए कहते रहते थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908